हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 5 जुलाई 2026

The Future of AI Starts Here.

Specialise in

GEN AI & Agentic AI.

Be among the first to experience **Rungta University's** cutting-edge program in GEN AI & Agentic AI. Get real-world skills with our industry-driven curriculum and secure your place in tomorrow's top careers.

Launching

B.TECH - CSE

SPECIALIZATION IN AI & ML

(Super Specialisation in GEN AI & Agentic AI)

In association with

Microsoft

Assured **PLACEMENTS** to All Eligible Candidates

Paid **INTERNSHIP** Opportunities for Eligible Students

From Chhattisgarh to the Global AI Stage

Rungta University student shares screen with

Google CEO

Sundar Pichai

Joint Degrees with Global Leaders

Get real-world skills and global recognition. Our programmes, created with industry leaders, help you build a degree that matters to your future.

Google · Microsoft · Apple · IBM · EC-Council · ACCA · Meta · Harvard Business School · University of Cambridge · University of London · coursera · NVIDIA · University of Michigan · Duke University · tableau · ie Business School · University of Minnesota · Tally

Select **RUNGTA COLLEGE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY, BHILAI** as your preferred choice in **DTE Engineering Counselling**

School of Computer Science and Engineering
- **B.Tech.** (Computer Science & Engineering) in association with Google
- **B.Tech.** CSE (AIML) in association with Microsoft (Super Specialisation in GEN AI & Agentic AI)
- **B.Tech.** CSE (AIML) in association with IBM
- **B.Tech.** CSE (AI / AIML / Data Science) in association with Google
- **B.Tech.** (Cyber Security) in association with EC Council
- **M.Tech.** (Computer Science & Engineering)
- **Diploma** (Computer Science & Engineering)

School of Management & Commerce
- **BBA / BBA** (Global)
- **BBA** (Business Analytics) in association with IBM
- **BBA** (AI & Emerging Technologies) in association with Google
- **BBA** (Digital Branding & Advertising)
- **MBA / MBA** (Global)
- **B.Com. / B.Com** with ACCA in Association with Grant Thornton (GT)
- **B.Sc.** (Hons) Healthcare Management & AI
- **MBA** (Health Care Management)

School of Information Technology
- **BCA** (AIML / Data Science / Full Stack) in association with Google
- **MCA** (AIML / Data Science / Full Stack) in association with Google
- **PGDCA**
- **DCA**

School of Engineering and Technology
- **B.Tech.** (Civil / Electrical / Electronics & Telecommunication / Mechanical / Mining)
- **M.Tech.** (Structural)
- **Diploma** (Electrical / Mechanical)
- **B.Tech.** Civil Engineering (Working Professionals)
- **B.Tech.** Electrical Engineering (Working Professionals)
- **B.Tech.** Mechanical Engineering (Working Professionals)

School of Life Sciences
- **B.Sc.** (Biotechnology with Zoology / Botany)
- **B.Sc.** (Forensic Science)
- **M.Sc.** (Biotechnology)
- **M.Sc.** (Forensic Science)
- **B.Sc.** (Hons) Cosmetic Science
- **Diploma** (Forensic Science)
- **Master** in Public Health

School of Pharmacy
- **B.Pharmacy**
- **D.Pharmacy**
- **M.Pharmacy** (Pharmaceutics / Pharmacology / Pharmaceutical Chemistry)
- **B.Pharmacy** (Practice)

School of Law
- **B.A. LL.B** (Hons.)
- **B.Com. LL.B** (Hons.)
- **LL.M.** (Corporate & Commercial Law / AI, Cyber & Technology Law)

School of Humanities
- **B.A.** with Integrated UPSC coaching
- **Ten-Month IAS Programme**

School of Skills
- **B.Voc** in Industrial Safety
- **Advanced Diploma / Diploma** in Industrial Safety
- **Diploma** in Aviation & Hospitality Management
- **B.Voc** (Electrical / Civil / Computer Science / Mechanical / Information Technology / Electronics Telecommunication)

School of Sustainable Development
- **BBA** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **B.Voc** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **MBA** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **Executive MBA** - Sustainable Development, ESG & CSR

School of Film & Media
- **B.A. / B.Voc.** (Film Making)
- **D.Voc.** (Film Making)

School of Research Programmes
- **PhD** (Engineering / Applied Sciences / Pharmacy / Computer Science / Humanities, etc.)

School of Education
- **D.Ed.**
- **B.Ed.**
- **M.Ed.**

ACCREDITED WITH GRADE A NAAC

ADMISSIONS OPEN

www.rungta.ac.in

Deepak Advertisers

Bhilai Campus
Rungta R1 Educational Campus,
Kohka-Kurud Road
9016 11 33 33

Raipur City Office
Shop No. FF-1 & FF-2, First Floor,
Shyam Plaza, Pandri
8880 48 88 70

RUNGTA INTERNATIONAL SKILLS UNIVERSITY
Approved by UGC U/s 2(F)

27 YEARS OF DEVELOPING BRIGHT FUTURES

R1

ममता को बड़ा झटका चंद्रिमा ने छोड़ा 'साथ'

कोलकाता। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पहले ही संकट से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बेहद करीबी और टीएमसी की 'राइट हैंड' मानी जाने वाली चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। टीएमसी में मच रही उठापठक के बीच ममता बनर्जी की सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शुमार चंद्रिमा का इस तरह अचानक जाना टीएमसी के लिए एक बहुत बड़ा सियासी झटका माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, टीएमसी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को एक पत्र लिखकर अपने इस फैसले की जानकारी दी है।

उमर और शरजील की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने वर्ष 2020 के दंगा मामले से जुड़ी कथित साजिश में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की ताजा जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत द्वारा इस मामले में आदेश शनिवार को ही सुनाए जाने की संभावना जताई जा रही है। सुनवाई के दौरान उमर खालिद की ओर से पेश अधिवक्ता त्रिदिप ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अंद्राबी केस में दोनों आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज किए जाने को लेकर सवाल खड़े किए थे।

दो उग्रवादी गिरफ्तार, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद जब्त

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के दो जिलों से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पुलिस के एक बयान के अनुसार, इंफाल ईस्ट जिले के संजेनबम खुलेन से प्रतिबंधित 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' के 45 वर्षीय सक्रिय सदस्य को पकड़ा गया। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने उसी दिन इंफाल वेस्ट जिले के नागामापाल कांगजाबी लीराक से प्रतिबंधित संगठन 'प्रेपाक' के 44 वर्षीय सदस्य को भी गिरफ्तार किया। बयान के अनुसार, एक अन्य अभियान में पुलिस ने पोरोमपट पुलिस थाना क्षेत्र के वाखा चिंग से हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया। तीन साल पहले जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से ही सुरक्षा बल मणिपुर के बाहरी और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और 'एरिया डोमिनेशन' (इलाके पर नियंत्रण बनाए रखने की कार्रवाई) चला रहे हैं।

खामेनेई की अंतिम विदाई में काले कपड़े पहनकर पहुंचे लाखों लोग

शिया परंपरा के मुताबिक छाती पीटकर मनाया मातम

'खून बहेगा...बदला-बदला'

एजेंसी ▸▸| तेहरान

ईरान की राजधानी तेहरान में 3 जुलाई से पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में शुरू हो गई हैं जो 9 जुलाई तक चलेगी। शनिवार को खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए लाखों लोग तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में जुटे। शिया परंपरा के मुताबिक काले कपड़े पहने लोग छाती पीटकर मातम मनाया। इस दौरान लोगों ने 'खून बहेगा', 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'बदला, बदला' जैसे नारे भी लगाए।

अंतिम संस्कार के बाद फिर शुरू होगी वार्ता

कतर ने बताया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद अमेरिका-ईरान वार्ता का अगला दौर फिर शुरू होगा। वहीं ईरान ने आईएईए को फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों के निरीक्षण की अनुमति देने से इंकार कर दिया है।

5 शहरों से गुजरेगी अंतिम यात्रा

खामेनेई की अंतिम यात्रा पहले ईरान के तेहरान, कोम से इराक के कर्बला, नजफ से होकर गुजरेगी। आखिर में 9 जुलाई को मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। खामेनेई के अंतिम संस्कार को लेकर तेहरान की सड़कों पर सेना और पुलिस की भारी तैनाती की गई है। सभी मुख्य सड़कों, चौराहों और सरकारी इमारतों के बाहर सेना और पुलिस बल तैनात है। मेन रोड्स पर मिलिट्री गाड़ियां पहरा दे रही हैं।

100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर खामेनेई का ताबूत शुक्रवार को तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मुसल्ला पहुंचाया गया। यहां उनके अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में कई देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। अली खामेनेई के साथ उनकी 14 महीने की पोती, बेटी, पत्नी और दामाद को भी अंतिम श्रद्धांजलि दी गई। शुक्रवार को कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि रूस, चीन, भारत और तुर्किये जैसे देशों के टॉप लीडर्स ने इससे दूरी बरती। ईरान की तरफ से न्योता भेजे जाने के बावजूद इन्होंने अपने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा।

दूरभाष पर परिजनों से की बात

मुख्यमंत्री साय ने पद्म विभूषण तीजन बाई का जाना हालचाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पद्म विभूषण एवं विश्वविख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई के परिजनों से दूरभाष के माध्यम उनका हालचाल जाना तथा मुख्यमंत्री ने उनके स्वास्थ्य के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की तथा हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

श्रीमती तीजन बाई से विधायक अनुज शर्मा एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने शनिवार को एम्स पहुंचकर मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जाना। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. सिंह ने तीजन बाई के परिजनों से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरभाष पर बातचीत भी कराई। विधायक शर्मा ने कहा कि 'पद्म विभूषण श्रीमती तीजन बाई हमारी लोककला की अमूल्य धरोहर हैं। मैं उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ।' कलेक्टर डॉ. सिंह ने तीजन के परिजनों से भी मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और शासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

सरकार ने जारी की लिस्ट

जैश-लश्कर के 23 सदस्य हुए आतंकवादी घोषित

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को बड़ा कदम उठाते हुए पाकिस्तान में सक्रिय जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के 23 सदस्यों को आधिकारिक रूप से आतंकवादी घोषित किया। सरकार के अनुसार ये लोग भारत, खासकर जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने, युवाओं की भर्ती करने, हथियार भेजने और हमलों की साजिश रचने में शामिल रहे हैं। सरकार ने कहा है कि ये आतंकी सीमा पार से भारत के खिलाफ गतिविधियां चला रहे थे। इनमें ड्रोन के जरिए हथियार भेजना, सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को बहकाना और आतंकियों को ट्रेनिंग देना जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

हाफिज सईद के 3 करीबी

इन 23 आतंकियों में तीन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के बेहद करीबी बताए गए हैं। इनमें अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वलीद और राणा इफ्तिखार शामिल हैं। राणा इफ्तिखार पर आरोप है कि वह अलग-अलग आतंकी संगठनों के बीच संपर्क बनाए रखता था और युवाओं को आतंकवाद की ओर प्रेरित करता था। अब्दुल रऊफ पर आतंकियों की फंडिंग, योजना बनाने का आरोप है। हाफिज खालिद वलीद को कई आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड बताया गया है। घोषित 23 आतंकियों में 6 जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी हैं, जबकि 17 पाकिस्तानी हैं। इनमें 7 पीओके और 10 पाकिस्तान में रह रहे हैं। इन 23 नामों के जुड़ने के बाद सरकार द्वारा घोषित आतंकियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

बाघ की मुंडी भी जब्त

चार से अधिक बाघों के शिकार की आशंका पर जांच आगे बढ़ी

सबसे ज्यादा कांकेर और बस्तर में शिकार

टाइगर निशाने पर क्योंकि अंग बिकते हैं महंगे

अबूझमाड़ से महाराष्ट्र सीमा तक फैला तस्करों का जाल, आधा दर्जन और शिकारी दबोचे गए

गिरीश केशरवानी ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सरहद पर सक्रिय बाघ की खाल और अंगों की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय रैकेट का एंटी पोचिंग स्क्वाड ने बड़ा भंडाफोड़ किया है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघ की खाल के साथ गिरफ्तार हुए दो पुलिसकर्मियों से मिली कड़ी के बाद संयुक्त टीम ने अबूझमाड़ और महाराष्ट्र सीमा पर छापामार ▶▶| शेष पेज 6 पर

नक्सलियों के पूर्व मददगार अब बने तस्करों के 'कुरियर ब्वाय'

इस पूरे मामले में एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाला पहलू सामने आया है। राज्य में जनवरी से नक्सलवाद के खात्मे की शुरुआत के बाद एक नया ट्रेंड देखा जा रहा है। पूर्व में जो लोग बस्तर के अंदरूनी इलाकों में नक्सलियों के मददगार (लोकल नेटवर्क) के रूप में काम करते थे, वे अब आत्मसमर्पण या नक्सली बैकफुट के बाद इस अंतरराष्ट्रीय शिकारी रैकेट के ▶▶| शेष पेज 6 पर

अंतरराष्ट्रीय बाजार का 'रेट कार्ड'

करोड़ों में बिकते हैं बेजुबानों के अंग

सूत्रों के अनुसार बाघ और तेंदुआ (खाल और हड्डियां) अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बाघ की खाल 15 लाख से 50 लाख तक में बिकती है। वहीं, इसकी हड्डियों की कीमत 3 लाख से 5 लाख रुपए प्रति किलो है। चीनी पारंपरिक दवाओं में बाघ की हड्डियों का इस्तेमाल 'दर्द निवारक' और 'मर्दाना ताकत' बढ़ाने के अंधविश्वास में किया जाता है। इनके नाखून और दांत 10,000 से 50,000 में 'बुरी नजर' से बचने के लॉकेट के रूप में बिकते हैं। शिकारी भालू को मारकर उसका पित्ताशय (गॉल ब्लैडर) निकाल लेते हैं, जो 1 लाख से 3 लाख में बिकता है। इसमें पाए जाने वाले 'उर्सोडॉक्सीकोलिक एसिड' का इस्तेमाल चीन में कैंसर और लीवर की महंगी दवाएं बनाने में होता है। पैंगोलिन दुनिया में सबसे ज्यादा तस्करी का शिकार होने वाले इस जीव के शल्क 50,000 से 1 लाख रुपये प्रति किलो तक बिकते हैं। अंधविश्वास है कि इसके शल्क से तांत्रिक कवच और कामोत्तेजक दवाएं बनती हैं। सरगुजा और धरमजयगढ़ बेल्ट में हाथी दांत की तस्करी के लिए हाथी निशाना बनते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाथी दांत 2 लाख से 4 लाख प्रति किलो तक बिकता है, जिससे चीन और जापान में स्टेटस सिंबल की मूर्तियां और मुहरें (हांको) बनाई जाती हैं।

आंकड़ों में शिकार

- कांकेर जिला: तस्करों का सबसे बड़ा गढ़
- 30 नवंबर 2014: 2 बाघों की खाल जब्त
- 18 दिसंबर 2014: 1 बाघ की खाल जब्त
- 06 जनवरी 2015: दोबारा एक साथ 2 बाघों की खालें बरामद
- 21 अप्रैल 2016: 1 बाघ की खाल जब्त
- 08 दिसम्बर 2019: 1 बाघ की खाल जब्त। ▶▶| शेष पेज 6 पर

सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय क्रिकेटर

वैभव ने रचा इतिहास

ध्वस्त कर दिया सचिन का रिकॉर्ड

उम्र: 15 वर्ष, 99 दिन

अंग्रेजों की धरती पर सूर्यवंशी का वैभवशाली आगाज

मैनचेस्टर। आखिरकार तीन मैचों के इंतजार के बाद वैभव सूर्यवंशी का अंतरराष्ट्रीय डेब्यू हो गया। वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने के साथ ही इतिहास रच दिया है। वे भारत के सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मैनचेस्टर में खेले जा रहे इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी को संजू सैमसन की जगह भारतीय टीम का हिस्सा बनाया गया। 27 मार्च 2011 को बिहार के समस्तीपुर में जन्में वैभव सूर्यवंशी ने 15 वर्ष और 99 दिन की उम्र में ही इंटरनेशल डेब्यू कर लिया है और सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। आज से पहले सचिन तेंदुलकर भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले क्रिकेटर थे। उन्होंने 18 दिसंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ 16 वर्ष और 205 दिन की उम्र में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था।

आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने का मिला रिवॉर्ड

आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता था। उन्होंने 16 मैचों की 16 पारियों में 776 रन बनाए थे और ऑरेंज कैप विजेता भी रहे थे।

बदहाल स्कूलों की खबर पर जागी सरकार जर्जर स्कूलों के दिन बहुरेंगे, करोड़ों स्वीकृत

दुर्ग-देवीलाल साहू/राजनांदगांव-हफीज खान/ मैनपुर- शेख हसन खान की विशेष रिपोर्ट

स्कूल खुलने से पहले जर्जर स्कूलों की दयनीय दशा को लेकर हरिभूमि में खबरों के प्रकाशन का असर हुआ है। शासन ने इसे संज्ञान में लेते हुए जिलों में जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए राशि स्वीकृत की है। सबसे ज्यादा राशि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के गृह जिले दुर्ग के लिए मंजूर किए गए हैं। दुर्ग जिले में जर्जर स्कूलों के लिए 5.50 करोड़ मिले हैं। वहीं राजनांदगांव और मैनपुर में भी स्कूलों की मरम्मत के लिए फंड जारी किया गया है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि स्कूलों की मरम्मत जल्द से जल्द की जाए।

शिक्षा मंत्री के गृह जिले दुर्ग को मिले 5.50 करोड़, राजनांदगांव के लिए 64 लाख

खबर का असर

दुर्ग जिले में जर्जर स्कूलों की दशा सुधारने के लिए राज्य शासन ने 5.50 करोड़ रुपए दिए हैं। इन पैसों से दुर्ग शहरी क्षेत्र के 66 जर्जर स्कूलों की दशा सुधरेगी। जिले में कुल 159 स्कूल जर्जर हैं। इनमें से 80 पूर्णतः डिसमेंटल योग्य है।

हरिभूमि की जर्जर स्कूलों की खबर स्कूल खुलने से पहले प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। इस खबर को संज्ञान में लेते हुए शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने तत्काल शहरी क्षेत्र के लिए पैसे मंजूर कर भिजवाए हैं। शेष जर्जर स्कूलों के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा ने लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर को प्रस्ताव भेजा है। 80 डिसमेंटल योग्य स्कूलों को डिसमेंटल करने के लिए विभाग ने संबंधित एजेंसी आरईएस को सूची उपलब्ध करवा दी है। खास बात यह है कि आरईएस की गति इतनी सुस्त है कि जहां जर्जर कमरों ▶▶| शेष पेज 6 पर

सरकारी स्कूलों की होगी मरम्मत

राजनांदगांव जिले में मरम्मत की दरकार वाले जर्जर स्कूलों को लेकर हरिभूमि में खबर प्रकाशित करने के बाद अब इन स्कूलों की मरम्मत के लिए 64 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। जिससे जर्जर स्कूल भवनों का मरम्मत कार्य कराया जाएगा। लगभग दो वर्षों से जिले में जर्जर शाला भवनों को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा उच्च स्तर पर मरम्मत के लिए प्रस्ताव भेजा जा रहा था। लेकिन बीते वर्ष इन स्कूलों की मरम्मत नहीं हो पाई थी। जिले में ▶▶| शेष पेज 6 पर

शाला विकास समिति करा सकेगी मरम्मत

शिक्षा विभाग द्वारा शाला भवन प्राइमरी के लिए 80 हजार रुपए, हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए तक का मरम्मत की स्वीकृति दी गई है। मरम्मत शाला विकास समिति द्वारा कराया जा सकता है।

छोटे मरम्मत कार्य के लिए नहीं होगी देरी

जर्जर स्कूलों की मरम्मत के लिए राशि स्वीकृत होने के बाद अब छोटे मरम्मत कार्य जैसे बारिश में दीवार और छत की सीपेज ठीक करवाने इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

पहाड़ी के ऊपर बसे गांव में बन रहा है स्कूल भवन

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र मे बदहाल और जर्जर स्कूल भवन के कारण स्कूली छात्र छात्राओ को भारी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। इस खबर के हरिभूमि में प्रमुखता से प्रकाशन के बाद अब हायर सेकेण्डरी स्कूल के लिए राज्य सरकार द्वारा 34 लाख रुपए स्वीकृत किया गया है जिससे चार अतिरिक्त कमरे का निर्माण किया जाएगा। वहीं दुर्गम पहाड़ी के ऊपर बसे गांव ताराझर गांव में स्कूल भवन बन रहा है। वहीं मैनपुर विकासखण्ड के बीहड़ पहाड़ी ताराझर, कुरवापानी जैसे गांवो मे आजादी ▶▶| शेष पेज 6 पर

हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद महासमुंद में होगा आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले की प्रगति और संभावनाओं सहित जनहित से जुड़े मुद्दों पर हरिभूमि-आईएनएच द्वारा आयोजित जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन बागबाहरा मार्ग स्थित अंबेडकर भवन में 5 जुलाई रविवार शाम 4 बजे होने जा रहा है। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवालों का जवाब देंगे। साथ ही जिले के आगामी विकास को लेकर चर्चा होगी। जिले के प्रभारी एवं खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, सांसद महासमुंद श्रीमती रुपकुमारी चौधरी के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि,अधिकारी और शहर के प्रमुख जन अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। जिला संवाद में चंद्रहास चंद्राकर ▶▶| शेष पेज 6 पर

करंट लगने से 5 लोगों की मौत, बिलासपुर में मां और दो बेटे, रायपुर में दो मजदूर मरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में शनिवार को करंट की चपेट में आने से रायपुर और बिलासपुर में पांच लोगों की मौत हो गई। रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र, प्रोफेसर कॉलोनी में सुरक्षा उपकरणों के बिना मकान की छत पर सोलर पैनल लगा रहे दुर्ग निवासी दो युवा मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरा हृदयविदारक हादसा बिलासपुर जिले के कोटा थाना क्षेत्र का है, जहां खेत में मवेशियों को रोकने के लिए जीआई तार की घेराबंदी करने के दौरान करंट की चपेट में आने से एक ही ▶▶| शेष पेज 6 पर

घेराबंदी के दौरान करंट दौड़ने से मां और दो बेटों की थमी सांसें

खेत में जीआई तार से घेरा बनाते समय आए करंट के चपेट में

खेत में जीआई तार व रस्सी से घेरा बनाने के दौरान करंट की चपेट में आकर मां व दो बेटों की मौत हो गई है। बोरवेल का तार टूटने से जीआई तार में करंट फैल गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोटा पुलिस के अनुसार, ग्राम भाड़म निवासी दसन बाई पति सीताराम सिंगरौल 45 साल के ▶▶| शेष पेज 6 पर

मां दो बेटे की मौत

बोरवेल का तार टूट कर जीआई तार पर गिर गया था जिससे करंट फैल गया। करंट की चपेट में आने से मां व दो बेटों की मौत हुई है।
नूपुर उपाध्याय, एसडीओपी ,कोटा

सरकार ने दिए रोक लगाने के आदेश, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

टेलीग्राम पर फ्री नहीं मिलेंगी फिल्में और वेब सीरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 'टेलीग्राम' ऐप को नोटिस जारी कर उसके मंच के जरिए 'पायरेटेड' (कॉपीराइट धारक की अनुमति के बिना अवैध रूप से इस्तेमाल कर साझा की गई) फिल्मों, ओटीटी ('ओवर-द-टॉप') सामग्री और अन्य दृश्य-श्रव्य सामग्री के 'बड़े पैमाने पर प्रसार' पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम से इस संबंध में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट 15 दिन के भीतर देने को कहा है। अधिकारियों ने कहा कि सरकार का यह रुख 'पायरेटेड' सामग्री को टुकड़ों में हटाने के बजाय 'मंच की जवाबदेही' तय करने की दिशा में बदलाव को दर्शाता है। ऐसा बताया जा रहा है कि मंत्रालय ने टेलीग्राम से कहा है कि कॉपीराइट का उल्लंघन केवल दीवानी उल्लंघन नहीं, बल्कि कॉपीराइट अधिनियम, 1957 और सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत फौजदारी अपराध भी है। टेलीग्राम को जून में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र लीक को रोकने के लिए भारत में अस्थायी रूप से एहतियातन 'ब्लॉक' (प्रतिबंधित) कर दिया गया था।

अधिकारियों ने कहा, मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि टेलीग्राम केवल इस बात का इंतजार नहीं कर सकता कि सरकार कॉपीराइट का उल्लंघन करने वाले प्रत्येक चैनल की एक-एक करके पहचान करे। समुचित सावधानी बरतने की बात को साबित करने के लिए केवल शिकायत मिलने पर एक-एक चैनल को हटाने का तरीका पर्याप्त नहीं हो सकता।

यूजरनेम फीचर पर भी नोटिस

गौरतलब है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने टेलीग्राम और एक अन्य संदेश सेवा ऐप 'सिग्नल' को उनके मौजूदा 'यूजरनेम फीचर' को लेकर नोटिस जारी किए हैं। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने निर्माताओं, ओटीटी मंचों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए टेलीग्राम के शिकायत निवारण तंत्र का विवरण भी मांगा है।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि कॉपीराइट का उल्लंघन करने वाली सामग्री लगातार उपलब्ध रहने, नियमों के पालन से बचने के प्रयास या अधूरा जवाब दिए जाने पर लागू कानूनी ढांचे के तहत आगे जांच और कार्रवाई की जा सकती है। अधिकारी ने कहा कि यह कदम भारत में सामग्री बनाने वालों से जुड़ी अर्थव्यवस्था, फिल्म उद्योग, प्रसारकों, ओटीटी मंचों, निर्माताओं और वितरकों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है।

तरकश

संजय के. दीक्षित

सीबीआई जांच के पीछे

छत्तीसगढ़ सरकार ने कोरिया के चर्चित तिहरे हत्याकांड की जांच सीबीआई के सुपूर्द कर दिया। सरकार के इस फैसले पर लोगों को हैरानी हो सकती है...हुई भी। मगर रेत के नाम पर सूबे में जो खेल चल रहा, उसमें सरकार की बदनाम हो रही और मंत्री, मिनिस्टर, नेताजी लोग मौज काट रहे। असल में, कोरिया हत्याकांड में दोनों पक्ष रुलिंग पार्टी से जुड़ा हुआ है। इसमें अगर पुलिस जांच करती तो अनेक सवाल खड़े होते। अलबत्ता, सिस्टम के पास इनपुट्स ये भी थे कि रायपुर में बैठे कई नेता, मंत्रीजी जिलों में रेत माफियाओं को खुला संरक्षण दे रहे हैं...बकायदा जिला तक बांट लिया गया है...यहां हमारा आदमी, वहां आपका। सरगुजा में जो रेत का खेल चल रहा, उसमें भी रायपुर के कनेक्शन से इंकार नहीं किया जा रहा। वहां संघर्ष की स्थिति इसलिए बन रही कि रायपुर वाले चाहते हैं हमारे आदमी को संरक्षण मिले और लोकल नेता चाहते हैं कि उनके आदमी रेत का काम करें। पक्ष-बिपक्ष के विधायकों के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही, सो अलग। इससे सरगुजा की लॉ एंड आर्डर की स्थिति बिगड़ती जा रही। लिहाजा, राज्य सरकार ने रेत माफियाओं के खेल पर ब्रेक लगाने तिहरे मर्डर कांड को सीबीआई को सौंप दिया। मुमकिन है, सीबीआई की तफ्तीश में कई बड़े खुलासे होंगे, तो कई बड़े नाम लोगों को चौंका सकते हैं।

गरीब विधायक, गरीब अफसर

मुख्यमंत्री रहने के दौरान अजीत जोगी ने छत्तीसगढ़ के संदर्भ में एक स्लोगन दिया था...'अमीर धरती के गरीब लोग।' अब इस स्लोगन को बदल 'अमीर धरती के गरीब विधायक, गरीब अफसर' करना पड़ेगा. वो इसलिए कि छत्तीसगढ़ के विधायक, अफसर ऐसे गरीब होते चले गए कि बिना सरकारी जमीन के मकान नहीं बना सकते. हर विधानसभा के विधायकों को जमीन चाहिए तो हर बैच के आईएएस अफसरों को. ऐसे में सवाल उठता है...आखिर कब तक विधायकों और अफसरों को घर बनाने बेशकीमती जमीनें मुहैया कराई जाती रहेगी? कहीं पर भी तो इसका एंड होगा? प्रश्न यह भी खड़ा होता है कि गरीब विधायकों और अफसरों पर तरस खाते हुए सरकार ने कौड़ियो के मोल प्लॉट दिया, तो उसमें घर क्यों नहीं बनाए गए? अनेक लोगों ने उसे बेच क्यों दिया? जो अधिकारी यहां से रिटायर होकर या किसी अन्य वजहों से बाहर चले गए, उनकी बात अलग है, जो छत्तीसगढ़ में है, उनमें भी ऐसे लोगों की संख्या बड़ी है, जो सरकार से जमीन तो ली मगर उसे कई गुना अधिक रेट में सेल कर दिया। ऐसे में, सिस्टम को विचार करना चाहिए कि सरकारी जमीनों को इन्वेस्टमेंट के लिए देना कितना जरूरी है।

चीफ जस्टिस और नैतिकता

अफसरशाही ने बड़ी चतुराई से अधिकारियों को प्लॉट देने से पहले ज्यूडिशिरी से नाम मांगा था। ताकि, मामला कोर्ट-कचहरी में जाए, तो उसका इंतज़ाम रहे। इसके लिए हाई कोर्ट को पत्र लिख लिस्ट मांगी गई। मगर चीफ जस्टिस रमेश सिनहा ने सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला देकर फाइल को आगे बढ़ने से रोक दिया। उन्होंने लिखा...सुप्रीम कोर्ट ने चूकि रियायत दर पर 'किसी को भी' जमीन देना अवैधानिक बताया है, इसलिए न्यायपालिका के लोगों को इससे बचना चाहिए। चीफ जस्टिस का यह फैसला न्यायपालिका के लोगों को कैसा लगा, ये नहीं पता। लेकिन, इस चक्कर में अफसरों का प्लॉट आबंटन भी रुक गया। राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर जोर-जुगाड़ लगाकर इससे पहले सेरीखेड़ी के प्राइम लोकेशन पर प्लॉट लेने में जरूर कामयाब हो गए। जाहिर है, सरकारी प्लॉट विशुद्ध रूप से इंवेस्टमेंट का एक तरीका होता है। कोई उसमें मकान बनाता नहीं। चूकि, सरकारी कॉलोनियों में सड़क समेत मूलभूत सुविधाएं अच्छी होती है...पानी, बिजली और रोड का काम फोकट में हो जाता है, मगर लोकेशन बढ़िया होने से रेट अच्छा मिल जाता है। वीआईपी रोड के पास धरमपुरा में 200 रुपए फुट में जमीन मिली थी। अब 4000 में बेच रहे हैं। प्लॉट भी छोटा-मोटा नहीं। चार-चार हजार साइज का। अफसर अगर प्रभावशाली तो इससे बड़े साइज का भी हथिया लिए।

बस्तर में नया नक्सलवाद

बस्तर का अपना समृद्धशाली इतिहास रहा है। मगर यह विडंबना है कि माओवादियों के जमाने से ही यह तीन विचारधाराओं में बंटना प्रारंभ हो गया था। पहला वे आदिवासी, जो अपने को हिन्दू मानते हैं। दूसरा, जो आदिवासी तो हैं मगर अपने को हिन्दू नहीं मानते। और, तीसरा धर्म बदल आदिवासी से ईसाई बने लोग...खासकर, कांकेर, नारायणपुर इलाकों में इनका प्रभुत्व है। कई बार इसको लेकर वर्ग संघर्ष और हिंसा तक भड़क चुकी है। ताजा अपडेट यह है कि नक्सलवाद के खात्मे के बाद एक खास विचारधारा के लोग लोकल और बाहरी बस्तरिया के नाम पर अपनी रोजी-रोटी का बंदोबस्त करने में जुट गए हैं। खुफिया रिपोर्ट है, दंतेवाड़ा और उसके आसपास करीब आधा दर्जन छोटी घटनाएं हुई, उसे सीधे लोकल और बाहरी से जोड़कर उत्पात मचाने का प्रयास किया गया। मसलन, स्कूटर दुर्घटना को भी बाहरी से जोड़ डाला। नक्सलवाद के बाद यह प्रभुत्व कायम करने की नई कोशिशें है, सरकार को इस खुफिया रिपोर्ट को गंभीरता से लेनी चाहिए। क्योंकि, बस्तर में नए सिरे से डेवलपमेंट कार्य शुरू होना है...केंद्रीय गृह मंत्री का दावा है कि बस्तर को देश का सबसे समृद्ध आदिवासी संभाग बनाया जाएगा। मगर लोकल-बाहरी का चक्कर आया तो फिर यह नामुमकिन हो जाएगा।

नौकर-चाकर वाला बंगला

रमन सरकार के दौर में सरकारी बंगले में 40 एसी लगाने को लेकर चर्चित हुए बीजेपी के एक सीनियर नेता को पिछली कांग्रेस सरकार में जीएडी कॉलोनी में एक बड़ा, विशाल बंगला अलॉट हुआ था। हालांकि, उसमें वे कभी रहे नहीं, उन्हें ईश्वर ने इतना दिया है कि उन्हें वहां रहने की जरूरत भी नहीं। आईएएस, आईपीएस कॉलोनी के इस बंगले में पिछले साढ़े सात साल से नेताजी के नौकर-चाकर रह रहे हैं। और, रात में कई बार इतना हुड़दंग मचा डालते हैं कि आसपास के लोगों की शामत आ जाती है। पिछली सरकार में नेताजी की पहुंच इतनी तगड़ी थी कि कोई मुंह नहीं खोल सकता था और अब तो बीजेपी की ही सरकार है। वहां रहने वाले अधिकारियों को अब निहारिका बारिक से उम्मीद बनी है। सरकार ने उन्हें गृह विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। निहारिका रहती भी वहीं...जीएडी कॉलोनी में। और उन्हीं के विभाग में संपदा भी आता है। सो, हो सकता है, हिम्मत जुटाकर वे मकान खाली करा लें।

प्लेसमेंट, करप्शन और बदनामी

छत्तीसगढ़ के सरकारी सिस्टम में पिछले एक दशक में बड़ा चेंज आया है। खासतौर से मुलाजिमों के मामले में। सूबे में ऐसा कोई महकमा नहीं, जहां 10, 20, 50 कर्मचारी प्लेसमेंट के नहीं। कुछ विभागों में तो पूरा सेक्शन-का-सेक्शन प्रायवेट लोगों के हाथों में है। जाहिर है, प्लेसमेंट एजेंसियों के जरिये कर्मचारियों के रखने से सरकार के खजाने पर ज्यादा लोड नहीं पड़ रहा मगर यह भी सही है कि छत्तीसगढ़ में करप्शन बढ़ने का एक कारण प्लेसमेंट एजेंसियां हैं। इसे आप ऐसे समझ सकते हैं। कारपोरेट के इस दौर में भी सरकारी नौकरियों का अपना आकर्षण है। वो चाहे डेली वेजेज या प्लेसमेंट की ही क्यों न हो। समाज में उसका अपना रुतबा होता है। सम्मानजनक ढंग से शादी-ब्याह हो जाता है। प्लेसमेंट एजेंसियां इसी का फायदा उठा रहीं। एक विभाग में भर्ती के लिए एजेंसी दो से पांच लाख वसूल रही हैं। अब, जरा बताइये, जो लोग कई लाख देकर प्लेसमेंट में नौकरी करने आएंगे तो वे गरिमा और मर्यादा थोड़े ही देखेंगे। उन्हें अपना मूलधन भी तो निकालना है। अब तो आलम यह है कि रुटीन फाइल को सरकाने के लिए भी पैसों की डिमांड की जा रही। सरकार ने सिस्टम को भले ही ऑनलाइन कर दिया है मगर आज भी एक बड़े वर्ग की निर्भरता च्वाइस सेंटरों पर ज्यादा है। सरकार ने राजस्व में बड़ा रिफार्म किया है। मगर राजस्व विभाग के एक छोटे से काम के लिए च्वाइस सेंटर जाइये, वहां बैठा आदमी कहेगा, इतना पैसा तहसील कार्यालय के फलां का और इतना मेरा। अब आम और गरीब आदमी कहां इसकी शिकायत करने जाएगा। मगर वो मन में सिस्टम की यही छबि लेकर जाएगा कि कहा कुछ जाता है, होता कुछ है। कायदे से सरकारी नुमाइंदों को प्लेसमेंट एजेंसियों की भर्ती पर नजर रखने कोई सिस्टम बनाना चाहिए। इससे न बेरोजगार लूटे जाएंगे और न इतना करप्शन बढ़ेगा। लेकिन, इस पर बड़े स्तर पर निर्णय लेने होंगे क्योंकि, सिस्टम में बैठे लोग ही इन प्लेसमेंट एजेंसियों को पाल रहे।

लाखों की नौकरी

चूंकि सरकारी भर्तियां लगभग बंद हैं इसलिए प्लेसमेंट के नाम पर गजबे खेल हो रहे हैं। कई विभागों में बिना कोई प्रक्रिया के कई-कई लाख मासिक पगार पर भर्तियां की जा रही। प्लेसमेंट में आपको 10 हजार से लेकर पांच लाख वेतन तक आदमी मिल जाएंगे। कई विभागों में स्थिति यह है कि वहां मैनपावर होने के बाद भी करोड़ों के काम प्रायवेट एजेंसियों को दिए जा रहे ताकि उससे अपना हित सध सकें। कर्मचारियों की संख्या में भी बड़ा झोल है। जितनी संख्या में कर्मचारी मुहैया कराने की करार होती है, कुछ विभागों में काफी कम संख्या में लोग काम कर रहे मगर पैसा पूरे का पेमेंट किया जा रहा। याने कागजों में कर्मचारी...।

ब्यूरोक्रेसी के हेल्थ गुरू

छत्तीसगढ़ के सिकेट्री रैंक के आईएएस अवनीश का इंस्टाग्राम पर बॉडी ट्रांसफार्मेशन की फोटो आई है, तब से हेल्थ और फिटनेस के फील्ड में सनसनी मची हुई है। देश के नेशनल मीडिया में भी यह खबर सुर्खिया बटोरी...इसे फिटनेस और हेल्थ गोल्स की एक नायाब केस स्टडी बताई जा रही। जाहिर है, कौन नहीं चाहता कि उसका हेल्थ अच्छा रहे...वो भी आज के दौर में। हालांकि, खुद अवनीश ने भी नहीं सोचा होगा कि इंस्टाग्राम की बॉडी ट्रांसफार्मेशन वाली फोटो गजब ढा देगी। उनके पास देश भर से फोन आ रहे...अनेक सवाल पूछे जा रहे...कैसे किए...किस जिम में जाते हो...कौन सा प्रोटीन सेक लेते हैं...डाइट क्या है? अलबत्ता, मुमकिन यह भी है, कई हेल्थ सप्लीमेंट्स कंपनियां भी उनसे संपर्क करने का प्रयास करें। अच्छा है। अवनीश ने अपना एक फील्ड और तैयार कर लिया। जनवरी 2042 में रिटायर होने के बाद हेल्थ गुरू बनने का विकल्प उनके सामने रहेगा।

आईएएस का बड़ा बैच

छत्तीसगढ़ में 2019 बैच के सभी आईएएस कलेक्टर बन गए। 6 मई को सात जिले के कलेक्टर बदले गए थे, उनमें इस बैच के विश्वदीप और रैना जमील को भी जिले में पोस्टिंग मिल गई। स्वाभाविक है, अब 2020 बैच का कलेक्टर बनना प्रारंभ होगा। 2020 बैच छत्तीसगढ़ का अब तक का सबसे बड़ा बैच हैं। इसमें आठ आईएएस हैं। हालांकि, 2019 बैच में आठ प्रमोटी आईएएस भी हैं। अब देखना है, सरकार 2019 के प्रमोटी आईएएस में से एकाध को पहले मौका देगी या फिर 2020 बैच शुरू कर देगी। चूकि 20 बैच सबसे बड़ा है, लिहाजा इस साल खाता भले खुल जाए मगर कंप्लीट होना नामुमकिन है। अगले साल मई-जून तक जाकर ये बैच कलेक्टरी में पूरा हो पाएगा। तब तक वेट करना पड़ेगा.

पोस्टिंग और मिम्स

आईएएस जयंत नाहटा को पिछली सरकार में दंतेवाड़ा का एसडीएम बनाया गया था। उसके बाद वहां तीन कलेक्टर बदल गए। विनीत नंदनवार के समय एसडीएम की पोस्टिंग हुई थी। उसके बाद मयंक चतुर्वेदी, कुनाल दुदावत और अब देवेश धुरव कलेक्टर हैं। मगर एसडीएम नहीं बदले। अब वे वहीं पर जिला पंचायत सीईओ हैं। दंतेवाड़ा में इस पर खूब मिम्स बनाए जा रहे, एसडीएम, सीईओ के बाद क्या नाहटा दंतेवाड़ा में ही कलेक्टर बनाए जाएंगे। हालांकि, नाहटा ही नहीं, कई जिला पंचायत सीईओ का तीन साल से ऊपर हो गया है. राज्य प्रशासनिक सेवा में भी ऐसे कई दृष्टांत है...कई अफसर चार साल से एक ही जगह पर बोर हो गए हैं। विधानसभा चुनाव 2023 के समय जिनका दो बरस पूरा नहीं हुआ था, वे ट्रांसफर से बच गए थे। इसके बाद सरकार उन्हें भूल सी गई. जाहिर है, बेहतर रिजल्ट के लिए टाईम पर अफसरों का रोटेशन होते रहना चाहिए।

अंत में सवाल आपसे?

1. कुर्सी बचाने के लिए किस मंत्री ने कामख्या के एक तांत्रिक से बकरा बलि अनुष्ठान कराया है?

कपड़ों से बदबू आने पर ब्रांड को लगाई फटकार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

तृषा ने ये भी साफ किया कि उनके साथ ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि पहले भी ऐसा हो चुका है। उन्होंने जारा ब्रांड से अपने कपड़ों की जांच-परख और उनके स्तर को सुधारने की मांग की है। मशहूर अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने कपड़ों के बड़े ब्रांड 'जारा' की सोशल मीडिया पर जमकर फटकार लगाई है। उन्होंने शिकायत की है कि इस ब्रांड से जो कपड़े उन्हें मिले, उनसे पसीने की बहुत ही गंदी बदबू आ रही थी। इंस्टाग्राम पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए अभिनेत्री ने इसे 'बेहद घिनौना' बताया है। तृषा ने ये भी साफ किया कि उनके साथ ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि पहले भी ऐसा हो चुका है। उन्होंने जारा ब्रांड से अपने कपड़ों की जांच-परख और उनके स्तर को सुधारने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी भी ग्राहक को ऐसी गंदी हरकत का सामना न करना पड़े। तृषा ने अपने इस पोस्ट में जारा ब्रांड के आधिकारिक खातों को भी टैग किया। उन्होंने सीधे शब्दों में लिखा, 'कम से कम कपड़े पैक करने से पहले उन्हें सूंघ तो लिया करो। उनके इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर भारी हलचल मचा दी है और उनके प्रशंसकों ने भी इस पर जमकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। हालांकि, अभी तक जारा कंपनी की तरफ से इस शिकायत पर कोई जवाब नहीं आया है।

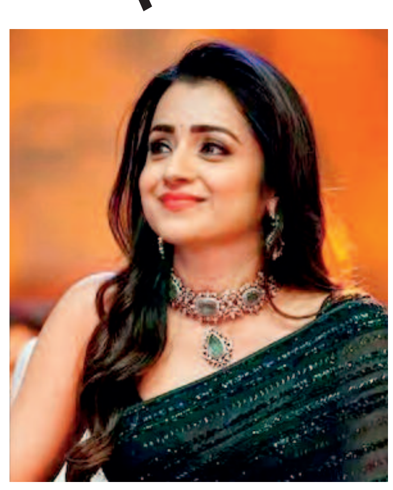

'धुरंधर' को टक्कर देगी धमाल-4

मुंबई। मशहूर अभिनेता रवि किशन अपनी आने वाली फिल्म 'धमाल 4' को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने इस फिल्म को 'मजेदार पागलपन' बताया है। उनका मानना है कि आज के समय में दर्शक बड़े पर्दे पर इसी तरह की फिल्में देखना पसंद कर रहे हैं। रवि किशन ने आगे कहा कि भले ही बॉक्स ऑफिस पर रणवीर सिंह की 'धुरंधर' जैसी मारधाड़ वाली फिल्में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन अब लोगों का झुकाव कॉमेडी फिल्मों की तरफ ज्यादा बढ़ रहा है। यही वजह है कि उन्हें लगता है कि 'धमाल 4' सिनेमाघरों में एकदम सही समय पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। इसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, संजय मिश्रा, जावेद जाफरी और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में दिखेंगे। रवि फिल्म में एक समुद्री डाकू का किरदार निभा रहे हैं। उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट की खूब तारीफ की और कहा कि इसके सभी कॉमेडी पंच दर्शकों को खूब हंसाएंगे। फिल्म के गाने भी काफी पसंद किए जा रहे हैं। 'धमाल 4' इसी साल 10 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रवि की आने वाली फिल्म 'मिर्जापुरः द मूवी' है।

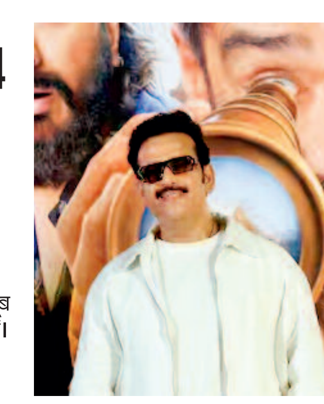

HMS शिव साईटिका तेल
शिव साईटिका
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
94060-21769

फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' 17 को होगी रिलीज

मुंबई। प्यार, धोखा और खौफनाक रहस्यों से भरपूर बॉलीवुड फिल्में दर्शकों की हमेशा से पसंदीदा रही हैं। आगामी फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' भी कुछ ऐसा ही वादा करती है, जिसका टीजर यूट्यूब पर जारी हो गया है। इंद्र दास द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आर्य कुमार, नीता शेट्टी और पीहू बिस्वास जैसे नए कलाकार शामिल हैं। एसएस एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के बैनर तले सुमन सौरभ द्वारा निर्मित 'रहूं मैं तेरे रूबरू' प्यार, धोखे, रहस्य और अप्रत्याशित मोड़ का मिश्रण है। फिल्म का टीजर एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहां रोमांस और रहस्य की एक झलक मिलती है। इसकी कहानी एक व्लॉगर के इर्द-गिर्द घूमती है। जो अपनी

गर्लफ्रेंड के साथ वेकेशन पर जाता है। उनकी ये यात्रा तब खौफनाक रुख लेती है, जब उस व्लॉगर का जुड़वा भाई आ जाता है। टीजर ने दर्शकों के बीच सस्पेंस और उत्सुकता को बढ़ा दिया है। बता दें, 'रहूं मैं तेरे रूबरू' 17 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीवी मसाला

कभी ट्रैफिक सिग्नल पर नाचीं तो कभी दूसरे के कंधे पर झूमीं

मुंबई। एकता कपूर की रियलिटी शो लॉकअप सीजन 2 को नेटफ्लिक्स पर काफी ज्यादा चर्चा में देखा जा रहा है। शो को शुरू हुई अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ है और इतने में ही यह शो काफी सुर्खियों में आ चुका है। इस सीजन में काफी सारे ऐसे सेलिब्रिटीज की भी एंट्री हुई जिनकी जिंदगी काफी विवादित है। कुछ कंटेस्टेंट्स के बीच खूब लड़ाई भी हुई है। लेकिन इसी बीच श्रेया कालरा काफी चर्चा में आ गई है। लॉकअप के सीजन 2 की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा पहले ही दिन से काफी ज्यादा सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्हें फर्स्ट एपिसोड में राम कपूर के साथ में बहस करते हुए भी देखा जा चुका है। वैसे तो लॉकअप के शो में और श्रेया जितनी ज्यादा विवादित नजर आ रही है उतनी ही वह रियल लाइफ में भी कंट्रोवर्सी रह चुकी है। साल 2021 में वह अपनी एक डांस रील वीडियो को लेकर पहली बार चर्चा में आई थी। मध्य प्रदेश के इंदौर की श्रेया एक ट्रैफिक सिग्नल पर नाच रही थी और बीजी रोड पर उनका यह स्टंट उन्ही पर भारी पड़ गया। इनफ्लुएंसर के खिलाफ ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने और पब्लिक में हंगामा करने पर एफआईआर दर्ज करवा दी थी।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता :- 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

रायपुर

रविवार 5 जुलाई 2026

आषाढ़, कृष्ण पक्ष षष्ठी

वर्ष : 24, अंक : 344

पृष्ठ : 16+8 =24 मूल्य : 5.00**

मौसम

अधि. 34.1

न्यून. 25.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सुबह 6 बजे से लाइन में लगे यात्रियों के हाथ लग रही निराशा, आईआरसीटीसी साइट होने लगी ओवरलोड

तत्काल का खेल, टोकन 30 को मिला, पांच को ही टिकट मिली, बाकी सब मायूस लौटे

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

अलग खबर

ट्रेनों में भारी भीड़ और लंबी वेटिंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है, जिसके कारण रायपुर से लंबी दूरी की ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना लगातार कम होती जा रही है। आम यात्रियों की आखिरी उम्मीद तत्काल टिकट पर टिकी होती है, लेकिन यहां भी उन्हें भारी निराशा हाथ लग रही है। रायपुर रेलवे स्टेशन के आरक्षण भवन में हर दिन बड़ी संख्या में लोग तत्काल टिकट खरीदने पहुंचते हैं, लेकिन महज दो से तीन लोगों को ही टिकट मिल पाता है। टिकट बुकिंग के लिए यात्री सुबह 6 बजे से ही कतार में लग जाते हैं। तीन घंटे के लंबे इंतजार के बाद काउंटर खुलते ही उन्हें टोकन तो मिलता है, लेकिन नंबर आने से ▶▶|शेष पेज 6 पर

तीन हजार अधिक लेकर बना दिया तत्काल टिकट

टिकट न मिलने से परेशान यात्रियों को मजबूरन एजेंटों की शरण लेनी पड़ रही है। रायपुर निवासी प्रेरणा शुक्ला को प्रयागराज के लिए कन्फर्म टिकट चाहिए था, लेकिन आरक्षण भवन की लाइन में खड़े होने के दौरान ही सीटें खत्म हो गईं। इसके बाद उन्होंने अलगे दिन एजेंट से संपर्क किया, जिसने 4,300 रुपये का टिकट तीन हजार रुपये अतिरिक्त लेकर 7,300 रुपये में तत्काल बनाकर दे दिया।

आईआरसीटीसी की साइट धीमी पड़ रही

केस 1

हावड़ा जाने की तैयारी कर रहे श्याम तिवारी पिछले तीन दिनों से ऑनलाइन तत्काल टिकट बुक करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन टिकट खुलते ही आईआरसीटीसी की साइट धीमी पड़ जाती है और भुगतान तक पहुंचने से पहले ही सीटें खत्म हो जाती हैं।

मिनटों में सीटें हुईं खत्म

केस 2

शंकर नगर निवासी कुलदीप साहू मुंबई जाने के लिए सुबह से आरक्षण केंद्र की लाइन में लगे रहे, लेकिन टोकन मिलने के बावजूद सीटें खत्म होने से उनका टिकट कन्फर्म नहीं हो सका।

तीन यात्रियों को टिकट मिली और साइट हो गई क्रैश

हरिभूमि की टीम ने सुबह 9 बजे रायपुर रेलवे स्टेशन स्थित आरक्षण केंद्र में जमीनी हकीकत का जायजा लिया। उस समय काउंटर नहीं खुला था, लेकिन 30 से अधिक लोग टिकट बुकिंग के लिए इंतजार कर रहे थे। आरक्षण केंद्र में एसी तत्काल टिकट के लिए सुबह 10 बजे और स्लीपर श्रेणी के लिए सुबह 11 बजे काउंटर खुलता है। काउंटर खुलने से आधे घंटे पहले कतार में मौजूद लोगों को टोकन दिया गया, जहां पूछताछ में पता चला कि स्टेशन से एसी और स्लीपर श्रेणी के लिए केवल 30-30 टोकन ही जारी किए जाते हैं। तय समय पर एसी श्रेणी का काउंटर खुलने के बाद महज 5 यात्रियों का टिकट बना था कि वेबसाइट बंद हो गई। इसी तरह सुबह 11 बजे स्लीपर का काउंटर खुलने के बाद केवल 3 यात्रियों का ही टिकट बन सका और वेबसाइट फिर क्रैश हो गई। इसके चलते कतार में लगे अन्य लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ा, जबकि देर से पहुंचे 15 से अधिक लोग भीड़ देखकर ही लौट गए।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले पीएम को मारने की धमकी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 जुलाई को प्रस्तावित ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। मेलबर्न में आयोजित होने वाले 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर मिली जान से मारने की धमकी के बाद ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। धमकी फेसबुक पर उस पोस्ट के नीचे दी गई थी, जिसमें मेलबर्न के कम्युनिटी प्रोग्राम का प्रचार किया जा रहा था।

'वायु वज्र' से टकराई बस, कई यात्री घायल

बेंगलुरु। बेंगलुरु के केआर सर्किल में शनिवार सुबह बेंगलुरु महानगर परिवहन निगम की एक बस 'वायु वज्र' बस से पीछे से टकरा गई, जिससे कई यात्री घायल हो गए। हादसे में बस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना सुबह करीब आठ बजे उस समय हुई जब बीएमटीसी की वातानुकूलित बस वायु वज्र ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ी थी। इसी दौरान पीछे से आ रही बीएमटीसी की दूसरी बस खड़ी बस से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टकराने वाली बस का आगे का हिस्सा और वायु वज्र बस का पीछे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

अकासा एयर के बेड़े में 40वां विमान शामिल

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने अपने बेड़े में 40वां विमान शामिल कर लिया है। उसे 40वें विमान के रूप में बोइंग 737 मैक्स 8-200 की डिलीवरी मिल गई है, जिसका पंजीकरण नंबर वीटी-वाईबीक्यू है। इस विमान की डिलीवरी उड़ान का पहला चरण अमेरिका के सिएटल से आइसलैंड के रेकजाविक तक था, जबकि अंतिम चरण मिस्र के काहिरा से बेंगलुरु तक की उड़ान के साथ संपन्न हुआ।

हर्ष फायरिंग से मौत विधायक को सजा

नई दिल्ली। दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट ने वर्ष 2018 के चर्चित जश्न में फायरिंग मामले में बिहार के साहेबगंज से भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को चार साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 25 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह राशि मृतका के परिजनों को मुआवजे के तौर पर दी जाएगी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने शनिवार को सजा का ऐलान करते हुए कहा कि राजू कुमार सिंह को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (भाग-2) के तहत चार साल के साधारण कारावास की सजा दी जाती है।

पूर्व गृह सचिव ने की थी दान, दावे के बाद हड़कंप

बद्रीनाथ में भी दान चोरी के आरोप, वहीं राम मंदिर से पांच करोड़ की सोने की रामचरितमानस गायब!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस मामले की जांच पुलिस और एसआईटी कर रही है। आठ आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इस बीच, मध्य प्रदेश कैडर के 1970 बैच के आईएएस अधिकारी भारत सरकार के पूर्व गृह सचिव रहे एस. लक्ष्मीनारायण के बयान से सनसनी फैल गई है। एस.लक्ष्मीनारायण का कहना है कि उन्होंने परिवार की राय से करीब सवा कुंतल की श्रीरामचरित मानस भेंट की थी जिसमें करीब आठ सौ ग्राम सोना था। बाद में पता चला कि वह गायब हो गई। पूर्व गृह सचिव का कहना है कि उन्होंने कई बार चंपत राय से शिकायत की, पत्र भी लिखे लेकिन उनसे ठीक ढंग से बात भी नहीं की गई। मीडिया ▶▶|शेष पेज 6 पर

उत्तराखंड के विश्वप्रसिद्ध श्री बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे और दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं के आरोपों ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े विवाद के बाद अब बद्रीनाथ धाम का मामला भी चर्चा में है। इधर, राममंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर जारी विवाद के बीच भारत सरकार के पूर्व गृह सचिव एस. लक्ष्मीनारायण के आरोपों से नई सनसनी फैल गई है। उन्होंने मंदिर से अपनी 800 ग्राम सोना जड़ित राम चरित मानस के गायब होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उन्होंने मंदिर में मानस भेंट की थी लेकिन उन्हें इसकी रसीद नहीं मिली।

आज तक नहीं मिली कोई रसीद

पूर्व आईएएस एस. लक्ष्मीनारायण ने कहा कि वह एक बार फिर अयोध्या गए। चार घंटे इंतजार के बाद चंपत राय से मुलाकात भी हुई लेकिन उन्होंने राम चरित मानस को रखने एक बार फिर मना कर दिया। बकौल एस.लक्ष्मीनारायण हारकर उन्होंने यह मान लिया कि दान दे दिया है और अब भूल जाएं, लेकिन जब समाचार पत्रों में चढ़ावा प्रकरण की खबरें पढ़ीं तो मुझे लगा कि अब तो हमें कोशिश करनी चाहिए। एस.लक्ष्मीनारायण का कहना है कि आज तक मुझे कोई रसीद भी नहीं मिली है। हालांकि उन्होंने कहा-मैंने मांगा भी नहीं था।

800 ग्राम सोना जड़ित थी रामचरित मानस

5 साल के खातों का होगा री-ऑडिट

एसआईटी पिछले 5 साल के खर्चों, मंदिर निर्माण पर हुए भुगतान और मिले हुए सोने-चांदी का नए सिरे से री-ऑडिट कराने जा रही है। एसआईटी ने चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से भी तीखे सवाल किए हैं।

बद्रीनाथ मामले में जांच के आदेश

बद्रीनाथ धाम मामले की शुरुआत हिंदूवादी संगठन भैरव सेना के संस्थापक अध्यक्ष संदीप खत्री द्वारा बीकेटीसी के सीईओ सोहन सिंह रांगड़ को लिखे गए शिकायत पत्र से हुई। शिकायत और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे आरोपों का संज्ञान लेते हुए बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं। 3 जुलाई को भेजे गए पत्र में दावा किया गया कि उन्हें जानकारी मिली है कि बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की गणना के दौरान कथित रूप से चोरी की घटना हुई है।

गहनों को पिघलाकर बनाए सोने के बिस्कुट

राम मंदिर से चोरी हुए सोने के आभूषणों का सुराग लगाने में जुटी एसआईटी को शक है कि पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने इन गहनों को पिघलाकर सोने के बिस्कुट में तब्दील कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, ऐसा इसलिए किया गया ताकि गहनों की असली पहचान हमेशा के लिए मिटाई जा सके और पुलिस उन तक न पहुंच पाए। कई जगहों पर छापेमारी के बाद भी जब गायब आभूषण बरामद नहीं हुए, तो जांच टीम का यह शक और गहरा हो गया है। मामले की तह तक जाने के लिए एसआईटी के आला अधिकारी खुद राम मंदिर पहुंचे। वहां रामलला के दर्शन करने के बाद टीम ने मंदिर के प्रभारी के.डी. बाबू से लंबी पूछताछ की। अधिकारियों ने मंदिर में आने वाले चढ़ावे, गहनों के रख-रखाव और उनके स्टोरेज की पूरी व्यवस्था को समझा। इसके साथ ही जांच टीम ने सरकारी टकसाल (भारत सरकार मिंटिंग कॉर्पोरेशन) और बैंकों को भेजे गए सोने-चांदी का पूरा ब्योरा तलब किया है।

25 दिवसीय सत्र में 19 बैठकें

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में सत्ताधारी भाजपा की जीत के बाद 19 बैठकों वाला यह 25 दिवसीय संसदीय सत्र हो रहा है। तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) में हुई बगावत का असर भी आने वाले सत्र में देखने को मिलेगा। तृणमूल के 20 तथा शिवसेना (उबाठा) के छह सांसदों को अलग गुट के तौर पर मान्यता देने की मांग पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा निर्णय लिया जाना अभी बाकी है।

निराशाजनक रहा पिछला सत्र

भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार के लिए पिछला सत्र निराशाजनक रहा, क्योंकि 2029 में विधायिका में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने और लोकसभा में सीट की संख्या बढ़ाने से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। सरकार अब इस विधेयक का नया प्रारूप तैयार कर रही है, जिसके तहत सभी राज्यों में लोकसभा सीट की संख्या एक समान रूप से 50 प्रतिशत तक बढ़ाई जा सकती है। आबादी के आधार पर सीट में बढ़ोतरी दक्षिणी राज्यों की पार्टियों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय रही है।

राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

रीजीजू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि सरकार की संस्तुति पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मानसून सत्र 2026 के लिए संसद के दोनों सत्रों को आहूत करने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णयों के लिए यह सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 13 अगस्त तक चलेगा।

दो महीने में भी नहीं हो पाया रपटा का निर्माण

पुल टूटा, जान जोखिम में डालकर बच्चे नदी पार कर जा रहे स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर/प्रतापपुर

लगभग दो महीने पहले टूटे हुए पुल के निर्माण हेतु अब तक कोई पहल नहीं हुई। आलम यह है कि एसईसीएल और प्रशासन एक अस्थायी रपटा का निर्माण भी नहीं करा पाया है। चूंकि अब बारिश का सीजन शुरू हो चुका है और फुलझर नदी का जल स्तर बढ़ गया है। ऐसे में बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल आने जाने को मजबूर है। इसके साथ ही गांव के लोग भी इसी नदी को पार कर आवागमन कर रहे है। बारिश और बाढ़ की स्थिति के कारण खतरनाक तरीके से नदी को पार करने से खतरा बढ़ गया है। हैरानी की बात तो यह है कि पुल टूटने के बाद वैकल्पिक वयवस्था को लेकर कोई ठोस ▶▶|शेष पेज 6 पर

बढ़ गया जान का खतरा

फुलझर नदी पर इस तरह प्रतिदिन ग्रामीण और बच्चों के आवागमन से जान का खतरा बढ़ गया है। नदी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही कभी भी तेजी से नदी का जल स्तर बढने के साथ ही बाढ़ जैसे हालत निर्मित हो सकते है। नदी का जल स्तर अचानक बढ़ता है। ऐसे में यदि बच्चों या ग्रामीणों के नदी पार करते समय जल स्तर बढ़ा तो जान का खतरा बढ़ जाएगा। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द रपटा निर्माण की मांग की है ताकि लोगों को समस्या का सामना ना करना पड़े।

रपटा निर्माण की गति धीमी

12 मई की रात पुल टूटने की घटना और आवागमन को लेकर होने वाली परेशानी की खबर को हरिभूमि ने 14 मई के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इस दौरान कलेक्टर सूरजपुर श्रीमती रेना जमील ने सेतु निगम के अधिकारियों, एसईसीएल प्रबंधन को जल्द से जल्द रपटा निर्माण के निर्देश दिए थे। एसईसीएल और सेतु निगम द्वारा टूटे हुए पुल के बगल में रपटा का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन इस रपटा निर्माण की गति इतनी धीमी है कि अब तक काम पूरा नहीं हुआ। अब बारिश शुरू होने के साथ ही इस मार्ग से आवागमन करना मुश्किल हो गया है।

जत्थे में 966 महिलाएं

4,812 अमरनाथ यात्रियों का तीसरा जत्था रवाना

एजेंसी ▶▶| जम्मू

अमरनाथ की वार्षिक यात्रा में शामिल होने के लिए 4,812 श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था शनिवार को यहां भगवती नगर आधार शिविर से दो अलग-अलग काफिलों में कश्मीर रवाना हुआ। इस जत्थे में 966 महिलाएं शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल मार्ग से शुरू हुई 57 दिन की वार्षिक यात्रा के पहले दिन 12,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा में दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने बताया कि तीसरे जत्थे में 244 साधु और 157 साध्वियां भी शामिल थीं।

नकटी ग्राम पर बोली भाजपा- कांग्रेस लोगों को बरगला कर राजनीतिक रोटी सेक रही

कांग्रेस सरकार में ही किया गया था विधायकों के लिए घर बनाने के लिए नकटी ग्राम का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

नकटी ग्राम के विस्थापन को लेकर चल रहे सियासी घमासान के बीच भाजपा ने शनिवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर पक्ष रखा। भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय और प्रदेश प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास ने कहा, नकटी ग्राम में अतिक्रमण हटाने के मामले में कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ ▶▶|शेष पेज 6 पर

कांग्रेस ने किया 122 को बेघर

डॉ. मार्कण्डेय ने कहा, कांग्रेस अपनी एक करतूत को छिपाने के लिए दूसरों पर आरोप मढ़ रही है। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में 122 परिवारों को सेरीखेड़ी में बेघर किया। कांग्रेस का राजनीतिक चरित्र इतना पतित हो गया है कि उस समय गरीबों को सेरीखेड़ी में हटाया गया, उन गरीबों को न एक इंच जगह तक दी गई और न ही एक कोई मकान दिया।

भाजपा नेता जख्मों पर नमक छिड़क रहे

भाजपा की प्रेसवार्ता पर प्रतिक्रिया में प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा, भाजपा नेता नकटी के बेघर हुए लोगों की जिम्मेदारी लेने से भाग रहे हैं। नकटी मामले में चारों तरफ हो रहे भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध से बचने आदत अनुसार पूर्व कांग्रेस सरकार पर झूठा आरोप लगाकर नकटी के बेघर हुए लोगों के जख्मों पर नमक छिड़क रही है। सच्चाई यह है, सदन में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने भाजपा विधायक धरमजीत सिंह के विधायक, सांसदों के आवास पर पूछे गये सवाल के जवाब में कहा, अभी विधायक सांसदों को आवास देने की योजना तय नहीं है।

डिजिटल गवर्नेंस, उभरती तकनीकों, कृषि समृद्धि और नेतृत्व विकास पर मंथन

चिंतन शिविर से तैयार होगी सुशासन के अगले चरण की रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

चिंतन शिविर 3.0 का उद्देश्य शासन-प्रशासन को अधिक प्रभावी, आधुनिक, पारदर्शी और जनहितैषी बनाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के लिए दूरदर्शी नीति-निर्माण की मजबूत आधारशिला तैयार करना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर में सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा आईआईएम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय मंत्रिमंडल चिंतन शिविर में मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद के सदस्य तथा देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने शासन के विभिन्न आयामों ▶▶|शेष पेज 6 पर

मूल्य-आधारित नेतृत्व और संवेदनशील प्रशासन की आवश्यकता

मुख्यमंत्री ने कहा, चिंतन शिविर के पहले दिन नेतृत्व विकास, सुशासन, उभरती प्रौद्योगिकियों तथा कृषि समृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए। प्रसिद्ध आध्यात्मिक चिंतक गौर गोपाल दास ने नेतृत्व, भावनात्मक संतुलन, सेवा-भाव और जनप्रतिनिधियों के नैतिक दायित्वों पर अपने विचार रखे। उन्होंने मूल्य-आधारित नेतृत्व और संवेदनशील प्रशासन को प्रभावी सुशासन की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

तकनीकी आधारित सेवा और नवाचार पर चर्चा

शिविर में नीति आयोग के सदस्य प्रो. अभय करंदीकर ने 'इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज' विषय पर संबोधित करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, 5जी, ड्रोन, जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी, ब्लॉकचेन तथा डेटा-आधारित प्रशासन के माध्यम से शासन व्यवस्था को अधिक दक्ष, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने तकनीक आधारित सेवा वितरण, नवाचार, रोजगार सृजन तथा डिजिटल समावेशन के लिए छत्तीसगढ़ के समक्ष उपलब्ध अवसरों की भी चर्चा की।

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण आजकल काफी चर्चा में है। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और श्रद्धा पर गहरी चोट पहुंची है। सवाल उठता है कि इस मामले में कहां चूक हुई और क्या किया जाना चाहिए था, जिसका पालन नहीं हो पाया? आखिर प्रबंधन को लेकर ऐसी क्या व्यवस्था बनाई जाए, जिससे मंदिरों के कामकाज में पारदर्शिता आए, जबकि भारत के अनेक प्रमुख मंदिरों खास तौर पर दक्षिण के प्रबंधन इतने अच्छे हैं कि उनमें ज्यादा परिवर्तन या हस्तक्षेप की आवश्यकता ही नहीं है। आज भी वहां समितियों की बैठकें होती हैं और उनके अनुसार निर्णय भी होते हैं। उनकी प्रबंधन समितियां बड़े स्तर पर श्रद्धालुओं और दान का प्रबंधन करती हैं। उत्तर भारत के मंदिर इनसे क्या सबक ले सकते हैं? सभी बड़े धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। हालांकि राम मन्दिर चन्दा मामले की जांच संबंधित राज्य सरकार द्वारा करवाई जा रही है। दूसरी ओर, क्या राममंदिर चढ़ावा चोरी विवाद भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक रूप से प्रभावित करेगा। यदि हां तो कितना और नहीं तो क्यों नहीं? *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

सरकारी व्यवस्था से परे हो मंदिर प्रबंधन

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

> **काफी समय से मंदिरों के प्रबंधन को लेकर देश में लगातार बहस और विमर्श चल रहा है। मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हटाने को लेकर उच्चतम न्यायालय में याचिका भी पड़ी हुई है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान चोरी के बाद इस विषय को एक बहुत बड़े वर्ग ने नए सिरे से गर्म करने की कोशिश की है। इनमें नेताओं, निहित स्वार्थी तत्वों, मंदिरों के महत्व से अनभिज्ञों आदि की बड़ी संख्या शामिल है। हालांकि संपूर्ण इतिहास में किसी धार्मिक स्थल की कोई भी व्यवस्था शत- प्रतिशत बेईमानी, पाप, भ्रष्टाचार को रोकने में सफल हुई हो इसके उदाहरण न के बराबर हैं। प्रश्न यही है कि आखिर श्रेष्ठतम व्यवस्था क्या हो सकती है? मंदिरों के आविर्भाव के साथ भारत में इसकी स्थापित परंपराएं हैं।**

पिछले काफी समय से मंदिरों के प्रबंधन को लेकर देश में लगातार बहस और विमर्श चल रहा है। मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हटाने को लेकर उच्चतम न्यायालय में याचिका भी पड़ी हुई है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान चोरी के बाद इस विषय को एक बहुत बड़े वर्ग ने नए सिरे से गर्म करने की कोशिश की है। इनमें नेताओं, निहित स्वार्थी तत्वों, मंदिरों के महत्व से अनभिज्ञों आदि की बड़ी संख्या शामिल है। हालांकि संपूर्ण इतिहास में किसी धार्मिक स्थल की कोई भी व्यवस्था शत- प्रतिशत बेईमानी, पाप, भ्रष्टाचार को रोकने में सफल हुई हो, इसके उदाहरण न के बराबर हैं। हां, ऐसा करने वालों को दंड, पाप मोचन तथा सुधार की व्यवस्था सतत् रही है।

इसके बावजूद हमारे मंदिर हर दृष्टि से धार्मिक मान्यताओं और हमारी आस्थाओं के अनुरूप पावन पुण्य स्थल बन रहें, श्रद्धालुओं के मन में वहां से जीवन में शुचिता, नैतिकता, सेवा, दान व ईमानदारी की प्रेरणा मिले इसके लिए मनुष्य के रूप में जितना संभव है, श्रेष्ठतम व्यवस्था होनी चाहिए। प्रश्न यही है कि आखिर श्रेष्ठतम व्यवस्था क्या हो सकती है? मंदिरों के आविर्भाव के साथ भारत में इसकी स्थापित परंपराएं हैं। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हमारे मंदिर केवल कर्मकांड, पूजा- पाठ व दर्शन के केंद्र नहीं थे। मंदिरों की भूमिका समाज के मुख्य शक्ति केंद्र के रूप में भी थी। आज भी प्रमुख मंदिरों द्वारा शिक्षालय, अस्पताल, औषधालय,योग आश्रम, विचार प्रसार केंद्र, पुस्तकालय, वाचनालय, प्रकाशन, मुफ्त भोजनालय, समाज के निर्धन निराश्रित लोगों की सहायता सेवा आदि संचालित होते हैं।

यह उसी परंपरा का अंग है। ज्यादातर मंदिर ऐसा करते हुए प्रचार-प्रसार में नहीं पड़ते ते इसलिए दुनिया में ईसाई मिशनरियों ने ही यह भाव फैलाया है कि दान, गरीबों की सेवा, मनुष्य को शिक्षित करने की भूमिका केवल वही निभाते हैं। यह सरासर झूठ है। साफ है कि अगर मंदिरों के प्रबंधन की बात करें तो उसके पूरे व्यापक आयाम को ध्यान में रखकर ही आप किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं।

संपूर्ण देश के लिए एक संरचना उपयुक्त नहीं

वस्तुतः मंदिरों को सरकारी व्यवस्था, ट्रस्ट तंत्र के हवाले करना सच कहें तो धार्मिक विधान के ही विपरीत है और उससे उसकी मूल स्वायत्तता दुष्प्रभावित हो जाती है। झूठे वही खाता बनाने पड़ते हैं। दूसरे, संपूर्ण देश के लिए कोई एक संरचना उपयुक्त नहीं हो सकती।

यह भी ध्यान रखिए कि भारत के अनेक प्रमुख मंदिरों के प्रबंधन इतने अच्छे हैं कि उनमें ज्यादा परिवर्तन या हस्तक्षेप की आवश्यकता ही नहीं है। आज भी समितियों की बैठकें होती हैं और उनके अनुसार निर्णय भी होते हैं। मूल बात हिंदू समाज के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की है जो आगे बढ़ रही है। अच्छा हो कि धर्म तंत्र, धार्मिक विशेषज्ञ, समाज क्षेत्र में इसके अन्य ज्ञाता, आस्थावान इतिहासकार सब मिलकर धार्मिक विघ्नों एवं परंपराओं के आरोप स्थानीय स्थान पर व्यवस्था बनाएं। मंदिरों के महत्व, उनकी व्यवस्था को न जानने वाले निहित स्वार्थी तत्वों के हल्ला बोल में पड़ने की आवश्यकता नहीं।

समाज और सत्ता का समन्वय

राजा या वैभवशाली, संपन्नशाली लोग मंदिर अवश्य बनवाते थे और प्रबंधन में उनकी भूमिका भी होती थी, पर संपूर्ण निजी मंदिरों को छोड़कर नियंत्रण जैसी स्थिति नहीं रही। उसके संपूर्ण विधि विधान ही नहीं, प्रबंधन की विधियां भी धर्म क्षेत्र - द्वारा ही निर्धारित होती थी। मंदिर के प्रबंध का सूत्र समाज क्षेत्र और सत्ता तंत्र के समन्वय से होता था। दक्षिण में आगमों के द्वारा मंदिर के पूजा विधान तय होते थे। समाज की समितियां कई बार जिसे सभा - महासभा कहते थे जिनमें विद्वान बुजुर्ग आदि होते थे, प्रतिदिन की व्यवस्था संभालते थे। आज भी हम दक्षिण के कुछ मंदिरों के अंदर धन देख, सुनकर चकित होते हैं और कई प्राचीन राज परिवार अभी भी मंदिरों की प्रमुख भूमिका में हैं। पर उनका नियंत्रण नहीं है। भाव यही है कि हम केवल उस धन के न्यासी हैं, उनमें से रति भर भी स्वयं के लिए उपयोग करने का अधिकार हमें नहीं है।

चैरिटेबल सोसायटी एक्ट

यह भी समझने की आवश्यकता है कि भारत में विविधताओं के बीच मूल भाव एक ही रहा है किंतु स्थानीय प्रकृति , परंपरा, रीति - रिवाज , धार्मिक आस्थाएं, ज्ञान आदि के अनुसार ही मंदिरों के प्रबंधन होते थे। हजार वर्षों के आक्रमणों, परकीय शासनों के कारण समस्याएं पैदा हुई और स्वतंत्रता के बावजूद जीवन का मूल होते हुए भी समाज की प्राथमिकता में नहीं रहा। बावजूद आज भी प्रमुख मंदिरों की व्यवस्था अपनी स्थापित परंपरा के अनुसार अभी भी काफी हद तक उपयुक्त और प्रेरणादायी हैं। दरअसल, अंग्रेजों ने भारत को हर दृष्टि से गुलाम करने के लिए 1860 में चैरिटेबल सोसायटी एक्ट बनाया तथा सभी के लिए इस कानून के तहत निबंधन अनिवार्य किया। इस एक कानून ने पूरे भारत में मंदिरों से लेकर सेवा परंपराओं सहित दान शालाओं, शिक्षा शालाओं की प्रकृति को ही विकृत कर दिया। आज भी ऐसे सरकारी विभागों की दशा कैसी है, वे कैसा व्यवहार करते हैं यह अनुभव दिल दहलाने वाला है।

व्यवस्था में भ्रष्टाचार का दलदल

कम से कम इस तरह के प्रबंधन से मंदिरों की स्वतः स्फूर्त सुधार व्यवस्था के साथ-साथ पूरा कर्मकांड तक दुष्प्रभावित होता है। राज्यों के धार्मिक न्यास बोर्डों के हस्तक्षेप के कारण धार्मिक, सत्यनिष्ठ, नैतिक लोगों के लिए भी मंदिर का संचालन कठिन हो जाता है। मंदिरों में तात्कालिक कई खर्च ऐसे होते हैं जो दे दिए पर उनका हिसाब-किताब रखना कठिन होता है। कई बार कुछ निर्माण होते हैं जिनके सम्पूर्ण व्यय को लिखना लगभग असंभव होता है।

न्यास बोर्डों को उनके फॉर्मेट के अनुरूप के साथ हिसाब - किताब चाहिए होता है। इनको पुजारी की नियुक्ति से लेकर प्रबंधन तक में हस्तक्षेप का अधिकार कई राज्यों में है। इस कारण पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई। हिंदू समाज के पतन के कारण गांवों व शहरों के बड़ी संख्या में मंदिरों की संपत्तियों पर स्थानीय लोगों, बाहुबलियों और प्रभावी लोगों का कब्जा हो गया है और मंदिर पतन की अवस्था में हैं।

निगरानी, जवाबदेही और पूर्ण पारदर्शिता जरूरी

व्यवस्था

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

सनातन संस्कृति में कोई भी मंदिर लोगों की आस्था, विश्वास और श्रद्धा का प्रतीक होता है। मगर जब मंदिरों की कुव्यवस्था को लेकर स्वर उठने लगते हैं तो आस्था, विश्वास और श्रद्धा पर गहरी चोट पहुंचती है। अयोध्या के राम मंदिर में यही हुआ है। दान की चोरी का मामला बेहद निंदनीय है। करोड़ों लोगों की आस्था, लंबे संघर्ष और सामाजिक-राजनीतिक संघर्ष के बाद यह मंदिर दोबारा अस्तित्व में आया था। यह मंदिर केवल धर्म-अध्यात्म का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। इसलिए दान में चोरी का मामला वित्तीय अनियमितता से ज्यादा गंभीर है। अयोध्या का राम मंदिर मामला इन दिनों सुर्खियों में है। हर कोई इस घटना की निंदा कर रहा है। अपनी चिंताएं व्यक्त कर रहा है। चढ़ावे या चंदे की लूट की चर्चा धर्मानुरागियों को आहत कर रहा है। इस मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि इसके दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह एक असाधारण और अति निंदनीय घटना है, जिसमें माफी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मंदिर प्रबंधन और सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की अपील भी की। इससे राम भक्तों की भावनाएं आहत हुईं हैं। पूछताछ और जांच की कार्रवाई चल रही है। राम मंदिर में चढ़ावा की जांच कर रही एसआईटी टीम ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पिछले पांच सालों के खातों को फिर से आडिट करेगा, क्योंकि शुरूआती जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। देश में ऐसे कई मंदिर हैं जो कई बार चढ़ावे या चंदा गबन के कारण चर्चा में रहे हैं। ऐसे में न केवल उन मंदिरों के प्रबंधन को भी चुस्त—दुरूस्त रहना चाहिए, बल्कि स्थानीय प्रशासन और सरकार को निगरानी बढ़ाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के राम मंदिर का उद्घाटन किया था। तभी से मंदिर में बड़ी मात्रा में चढ़ावा आ रहा है। साल 2024-25 में मंदिर ट्रस्ट ने कुल 327 करोड़ रुपए की आमदनी बताई थी, जिसमें 153 करोड़ चढ़ावे के रूप में मिली थीं। सब कुछ ठीक चल रहा था लेकिन 7 जून 2026 को समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने आरोप लगाया कि राम मंदिर के दान पात्रों से लगभग 7 करोड़ से ज्यादा रुपए का गबन हुआ है। इन आरोपों से पूरी अयोध्या में राजनीतिक भूचाल आ गया। इसके बाद भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा और कथित चंदा चोरी मामले की सीबीआई जांच की मांग की। तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस कथित चंदा चोरी जांच के लिए तीन सदस्यों वाली एसआईटी का गठन कर दिया। एसआईटी ने कैश हैंडलिंग प्रक्रिया और डोनेशन बॉक्स की जांच की, सीसीटीवी फुटेज खंगाला और वहां के कर्मचारियों से बात की तो कई विरोधाभास नजर आया। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने सख्ती दिखाई। नतीजतन, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कुछ कर्मचारियों सहित आठ संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इसी कारण ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को भी अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। पूरी कहानी से यह स्पष्ट होता है कि इस प्रसिद्ध मंदिर में आस्था, विश्वास और श्रद्धा का जो सैलाब उमड़ा, उनसे जो चढ़ावा मिला, उसे मंदिर ट्रस्ट सही रूप से व्यवस्थित रखने में नाकाम साबित हुआ। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि मंदिर ट्रस्ट को मई अंतिम सप्ताह में ही कथित चंदा चोरी की भनक लगी थी, जब बैंकों में जमा हो रही रकम और दान पेटियों में कम चढ़ावा मिलने का शक हुआ था। उसके बाद वहां हिडन कैमरे लगा दिए थे और चौकसी बढ़ा दी गई थी। बावजूद इसके, कुछ लोभी प्रवृत्ति के लोगों ने इस घोटाले को अंजाम दिया। यह घोटाला अब सरकार और जनता की अदालत से आगे कानून की अदालत तक पहुंच चुका है। इस मामले में चाक-चौबंद व्यवस्था होती तो शायद यह दिन नहीं देखना पड़ता। राम मंदिर में अब तक जो भी दान प्राप्त हुआ, वह करोड़ों लोगों की आस्था की अमानत है। दान राशि के प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। श्रद्धालुओं को नियमित रूप से यह जानकारी मिलनी चाहिए कि कितनी राशि प्राप्त हुई और उसका उपयोग किन कार्यों में किया जा रहा है। इसके लिए स्वतंत्र ऑडिट, वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट, सार्वजनिक आय-व्यय विवरण और डिजिटल दान प्रणाली को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूंजी लोगों का विश्वास होता है और यह विश्वास पारदर्शिता एवं नियमित संवाद से ही मजबूत होता है। हालांकि राम मंदिर ट्रस्ट ने दलील दी है कि तमाम आरोप निराधार हैं। मंदिर निर्माण और दान राशि का पूरा लेखा-जोखा निर्धारित प्रक्रियाओं के आधार पर रखा जा रहा है। अब तक सभी वित्तीय लेनदेन कानूनी प्रक्रिया और दस्तावेजों के आधार पर किए गए हैं। जबकि विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा दान राशि और भूमि खरीद से जुड़े कुछ मामलों पर पारदर्शिता बढ़ाने तथा स्वतंत्र जांच की लगातार मांग की जा रही है। सभी बड़े धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। सनद रहे कि मंदिर चढ़ावा विवाद का असर बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर पर भी पड़ा है।

> **धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। सनद रहे कि मंदिर चढ़ावा विवाद का असर बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर पर भी पड़ा है।**

लोकहित में व्यय की जाए दान की रकम

मंथन

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या के श्रीरामलला मंदिर के चढ़ावे की चोरी के खुलासे के बाद दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। समाज के एक वर्ग की ओर से उत्तर भारत के मंदिरों को भी सबक लेने और उनकी ही तर्ज पर प्रबंधन चलाने की मांग उठ रही है। इसकी वजह यह है कि दक्षिण भारत के बड़े मंदिरों, तिरूपति, अयप्पा, सबरीमाला, मीनांबकम् आदि के चढ़ावे की हेराफेरी की कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। यह नहीं भूलना चाहिए कि श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की गिनती और उसे उचित बैंक तक पहुंचाने का भी तकरीबन वैसा ही इंतजाम किया गया है, जैसा शिरड़ी के साईं मंदिर या दक्षिण भारत के मंदिरों में किया गया है। असल समस्या मंदिर प्रबंधन में तैनात कर्मचारियों के चरित्र की है।

अगर कर्मचारी और अधिकारी ईमानदार होंगे तो फिर कड़ी व्यवस्था की जरूरत नहीं रह जाती। जहां तक दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की बात है तो वहां के मंदिरों का प्रबंधन मोटे तौर पर संबंधित राज्य के कानून के जरिए बनाए गए हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती बोर्ड करते हैं। हालांकि कुछ मंदिरों का प्रबंधन और संचालन उत्तर भारत के मठों की तरह वंशानुगत महंतों और ट्रस्टियों द्वारा भी किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा गठित बोर्ड मंदिर की आय, दान, पुजारियों की नियुक्ति और प्रशासनिक व्यवस्था संभालते हैं। मोटे तौर पर यह व्यवस्था तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना के ज्यादातर बड़े मंदिरों में लागू है। इसके तहत सरकार की ओर से मंदिर के लिए एक आयुक्त और कार्यकारी अधिकारी नियुक्त होता है, जो मंदिर के रोजाना का प्रशासन, सुरक्षा और कर्मचारी आदि की व्यवस्था देखते हैं। सरकार की ओर से नियुक्त बोर्ड में स्थानीय प्रतिष्ठित लोगों, विद्वानों और सरकारी प्रतिनिधि शामिल होते हैं। बोर्ड प्रबंधन मंदिरों के चढ़ावे पर कड़ी निगरानी रखते हैं। इसके लिए विशेष तौर पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहां सुरक्षा बलों की भी तैनाती है। चढ़ावे से प्राप्त रकम के आय-व्यय का लेखा-जोखा राज्य सरकार हर साल कर करती है। केरल के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर और कर्नाटक के उडुपी के मठ का प्रबंधन वहां के पारंपरिक शाही परिवार या उत्तर भारत की तरह वंशानुगत मठ के महंत के जरिए होता है, लेकिन इन मंदिरों के चढ़ावे आदि पर राज्य सरकार की निगरानी होती है। दक्षिण भारत के ज्यादातर बड़े मंदिरों के आर्थिक और प्रशासनिक मामलों में राज्य सरकारों का हस्तक्षेप होता है। हालांकि मंदिर की पूजा-पद्धति, अनुष्ठान, स्थानीय त्योहार आदि के आयोजन में राज्य सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं होती। इस पर फैसले लेने का अधिकार वहां के पुजारियों को होता है। कुछ इसी तरह का प्रबंधन उत्तर भारत के भी कुछ बड़े मंदिरों का भी होता है। उज्जैन का महाकाल मंदिर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 1982 में पारित श्रीमहाकालेश्वर मंदिर अधिनियम के तहत गठित 'महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति'करती है। उज्जैन के जिलाधिकारी इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं। इस समिति में उज्जैन नगर निगम के पार्षद, राज्य सरकार द्वारा नामित संस्कृत के विद्वान और पुजारी सदस्य होते हैं। जिलाधिकारी इसकी दिन-प्रतिदिन की व्यवस्था और प्रबंधन के लिए एक प्रशासक को नियुक्त करते हैं। तिरूपति देवस्थान बोर्ड की ओर से करीब 35 स्कूल, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थान संचालित किए जा रहे हैं। उत्तर भारत का प्रसिद्ध वैष्णोदेवी मंदिर का भी संचालन कुछ इसी तरह होता है। 1986 में सरकार द्वारा बनाया गया श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड मंदिर और उसके चढ़ावे आदि का प्रबंधन करता है। श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड जम्मू-कश्मीर के कटरा में श्री माता वैष्णोदेवी विश्वविद्यालय संचालित करता है। बोर्ड कटरा में श्री माता वैष्णोदेवी गुरुकुल का भी संचालन करता है। पटना के महावीर मंदिर का प्रबंधन भी इसी तरह से जनहित के लिए महावीर कैंसर संस्थान, महावीर नेत्रालय, महावीर आरोग्यालय आदि का संचालन करता है। दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की तरह श्रीरामलला मंदिर के प्रबंधन की मांग का एक वर्ग विरोध भी कर रहा है। इसके लिए दक्षिण भारत के मंदिरों की व्यवस्था का उत्तर वालों को गहन अध्ययन करना चाहिए और उसी तरह की व्यवस्था को अपनाना चाहिए। चूंकि चढ़ावे की रकम आम लोगों के दान की रकम होती है, लिहाजा इस रकम को लोकहित में स्कूल और अस्पताल चलाने, गरीबों को रोजगार आदि दिलाने का इंतजाम करने के मद में खर्च किया जाना चाहिए।

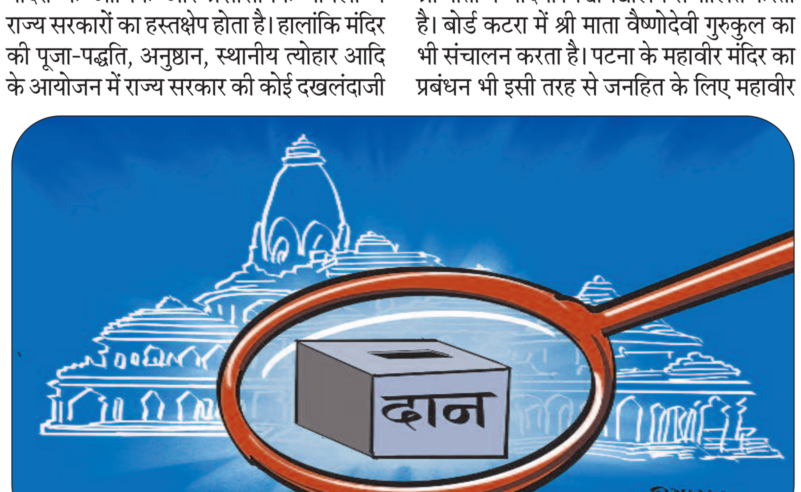

दक्षिण भारत के ज्यादातर बड़े मंदिरों के आर्थिक और प्रशासनिक मामलों में राज्य सरकारों का हस्तक्षेप होता है। हालांकि मंदिर की पूजा-पद्धति, अनुष्ठान, स्थानीय त्योहार आदि के आयोजन में राज्य सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं होती। इस पर फैसले लेने का अधिकार वहां के पुजारियों को होता है।

आपदा प्रबन्धन में माहिर है भाजपा

दान चोरी प्रकरण

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

देश का माहौल इन दिनों अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में हुए चढ़ावा चोरी प्रकरण से उद्वेलित है। मामले की जांच भी हो रही है। अपने देश का मिजाज ही कुछ ज्यादा धार्मिक है, इसलिए धर्म-कर्म होते रहते हैं और स्वाभाविक है कि उनमें अव्यवस्थाएं भी होती रहती हैं। अयोध्या का राम मन्दिर कांड कोई पहला नहीं है। देश के कई प्रमुख मन्दिरों में इससे पहले भी ऐसे कांड होते रहे हैं जिनमें तिरुमला वेंकटेश्वर मन्दिर, सबरीमला मन्दिर, जगन्नाथ मन्दिर तथा बीते जून महीने में ही हुए योग नरसिम्हा स्वामी मन्दिर का चढ़ावा चोरी मामले चर्चित हैं। अयोध्या मन्दिर का मामला इसलिए ज्यादा उबाल ले रहा है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने अयोध्या आन्दोलन की नाव पर चढ़कर अपना राजनीतिक अभीष्ट प्राप्त किया।

दूसरे, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद प्रधानमन्त्री कार्यालय ने ही इस ट्रस्ट का गठन किया, इसके सदस्यों का चयन किया और खास बात यह कि इस ट्रस्ट की गतिविधियों को सूचना के अधिकार के बाहर कर दिया। रही बात राम मन्दिर चढ़ावा चोरी कांड से जनता पर असर पड़ने की तो अगर अतीत में हम देखें तो पता चलता है कि इस देश की जनता की राजनीतिक याददाश्त और भावनाएं दोनों बहुत टिकाऊ नहीं हैं। आखिर इसी देश में आपातकाल लगा, तमाम ज्यादतियां हुईं और मौका मिलने पर जनता ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंका, लेकिन कुछ ही महीनों के भीतर जनता सारे दुःख भूल गई और दोबारा उसी कांग्रेस की सरकार को सत्ता में स्थापित कर दिया। असल सवाल है जनता को बहलाने-फुसलाने का और भाजपा का प्रचार तंत्र इसमें माहिर है। भाजपा को राजनीतिक और धार्मिक दोनों मोर्चों पर लड़ना आता है। सांगठनिक तौर पर भाजपा आज देश की सबसे ताकतवर पार्टी है। एक समय था कि वामदलों को कॉडर आधारित दल कहा जाता था। कांग्रेस के पास भी सेवादल हुआ करता था। बसपा संस्थापक कांशीराम ने भी पहले बामसेफ ही बनाया था लेकिन आज ये दल अपने इस मूलभूत ढांचों को खो बैठे हैं, जबकि भाजपा के साथ उसका मातृ संगठन आरएसएस अपने समस्त आनुषांगिक संगठनों के साथ आज पूरी क्षमता से कार्यरत है। ऐसे ताकतवर इन्फ्रास्ट्रक्चर से अन्य दल क्या मुकाबला कर पाएंगे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा के पास अभी आपदा प्रबन्धन का थोड़ा समय है और भाजपा इसमें पारंगत है। आखिर बीते लोकसभा चुनाव में फैजाबाद संसदीय सीट, जिसके अन्तर्गत ही अयोध्या भी आती है, सपा के हाथों हार जाने के बाद भाजपा ने इसकी एक विधानसभा सीट मिल्कीपुर को उपचुनाव में येन-केन-प्रकारेण जीत ही लिया था और प्रचारित किया था कि अयोध्या की जनता भाजपा से नाराज नहीं है। दूसरे, चुनावी प्रक्रिया इधर के वर्षों में बहुत हाईटेक और बहुत ज्यादा खर्चीली हो गई है। इस लिहाज से देखें तो भाजपा के मुकाबले कोई भी राजनीतिक दल टिकता ही नहीं है। लेकिन ये राजनीतिक और पेचीदगी की बातें अपनी जगह। हिन्दू धर्म में दान की परम्परा बहुत उदारमना है। यहां तो 'त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये' कहकर भगवान को चढ़ावा अर्पित किया जाता है। एक आस्थावान हिन्दू दान करने के बाद उसे भूल जाता है और फिर आगे उसका हिसाब नहीं रखता। जैसे भिखारी को भिक्षा देकर उस पर यह शर्त नहीं थोपी जाती कि वह इसे कैसे खर्च करेगा। यही वजह है कि देश के अन्य हिस्सों की बात छोड़ दें तो इस मुद्दे पर अयोध्या में स्थानीय स्तर पर जनता का कोई भी मुखर विरोध नहीं है। जो विरोध है वह संस्थागत स्तर पर ही है और भाजपा जनता की इस अमुखरता को भुनाएगी ही। राम मन्दिर चन्दा मामले की जांच राज्य सरकार द्वारा करवाई जा रही है। आने वाले समय में भाजपा पर इसका क्या राजनीतिक असर दिखेगा, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन यह महत्वपूर्ण होगा कि जांच का नतीजा क्या निकला। जिम्मेदार किसे ठहराया गया, सजा किसे हुई तथा व्यवस्था में परिवर्तन क्या किया गया और इन सबका जनता पर असर कैसा हुआ। भाजपा किसी लकीर को छोटा साबित करने के लिए बड़ी लकीर खींचने में माहिर है। चुनाव में अभी समय है और संभावना है कि तब तक भाजपा कोई ऐसा राजनीतिक/सामाजिक तूफान खड़ा कर सकती है, जिसमें यह मन्दिर चढ़ावा चोरी ओझल ही हो जाए।

हिन्दू धर्म में दान की परम्परा बहुत उदारमना है। यहां तो 'त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये' कहकर भगवान को चढ़ावा अर्पित किया जाता है। तात्पर्य यह है कि एक आस्थावान हिन्दू दान करने के बाद उसे भूल जाता है और फिर आगे उसका हिसाब नहीं रखता।

SSIPMT RAIPUR
Shri Shankaracharya Institute of Professional Management & Technology, Raipur, CG
Affiliated to Chhattisgarh Swami Vivekanand Technical University, Bhilai and Approved by AICTE, New Delhi | F.NO. 06/01/Chat/Engg/2008/12
A+ NAAC
AI-DRIVEN CIVIL ENGINEERING
ADMISSION OPEN 2026-27
WE ARE THE TOP RANKERS PROVIDER
THE ONLY DEPARTMENT HAVING
MAXIMUM GOVERNMENT OPPORTUNITIES
CGPSC State Civil Services
CGVYAPAM Engineering Services
PWD/WRD State Govt. Jobs
PSU's NPTC,SAIL & Many More
RAILWAYS Indian Railways Opportunities
STRONG FOUNDATION. BRIGHT CAREERS. BETTER NATION.
GOVT. JOB ACHEIVERS
OUR TOP RANKERS IN CGVYAPAM
SOMYA DIWAN RANK - 5
AMBUJ GROVER RANK - 15
TARUN KUMAR SAHU RANK - 19
PARUL SINGH CHANDEL RANK - 55
VAISHNAVI KALE RANK - 69
BHAWESH KUMAR MAHISHWAR RANK - 75
OUR TOP RANKERS IN CGPSC
PRATIK PATERIYA RANK - 1
TUSHIT PANDEY RANK - 4
AJEET JANGDE RANK - 6
VAIBHAV BANJARE RANK - 13
AJITA PANDEY RANK - 25
SAVITA KOSHLE RANK - 52
INDUSTRY CONNECT | STRONG PARTNERSHIPS
L&T EduTech
adani Cement
Qualcomm
इसरो isro
JOIN CIVIL ENGINEERING DEPARTMENT
BUILD YOUR FUTURE. BUILD THE NATION.
ADMISSION OPEN 2026-27
CONTACT : 9522219177, 8878444000

यूएन ने सराहे कांगो में भारतीय शांति सैनिकों के प्रयास, किए गए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लंबे वक्त से जारी सशस्त्र हिंसा और जटिल मानवीय चुनौतियों से जूझ रहे अफ्रीका महाद्वीप के देश पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में शांति स्थापना के लिए जारी भारतीय शांति सैनिकों (ब्लू हेलमेट) के प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरजोर अंदाज में सराहा गया है। सेना के कुल 651 शांति सैनिकों को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) पदक से सम्मानित किया गया है। बीते 3 जुलाई को कांगो के स्थायी ऑपरेटिंग बेस 'साके' में एक भव्य परेड समारोह हुआ था। जिसमें सभी सैनिकों को सम्मानित किया गया। आयोजन में मोनुस्को के वरिष्ठ अधिकारी, फोर्स मुख्यालय के प्रतिनिधि, सैन्य नेतृत्व और अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। सेना ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि संयुक्त राष्ट्र की तरफ से यह पदक उन सैन्य योद्धाओं को प्रदान किया जाता है। जिन्होंने यूएन के शांति मिशन में सराहनीय योगदान दिया हुआ होता है। पूर्व में 2023 में भारत को यूएन का सर्वोच्च सम्मान कहे जाने वाले ' डॉग हैमरशॉल्ड' पदक से भी सम्मानित किया गया था। जो कि शिशुपाल सिंह, सांवला राम बिश्नोई जैसे दो भारतीय शांति सैनिकों और शबर ताहिर अली (नागरिक यूएन कार्यकर्ता) को कांगो में उनके बलिदान के लिए मरणोपरांत प्रदान किया गया था।

यूएन के पदक का महत्व

भारतीय सेना को मिला यूएन का पदक सैन्य बल की उस गौरवशाली विरासत का सबूत है। जिसकी वजह से वह यूएन शांति अभियानों में दुनिया की सबसे भरोसेमंद और प्रमाणिक योगदानकर्ताओं में शुमार की जाती है। वर्ष 1947 में भारत की आजादी के बाद से यह सिलसिला आज तक बदस्तूर जारी है। वहीं, दूसरी ओर देखें तो यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को लेकर भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करता है। इसके अलावा संघर्ष से जूझते इलाकों में रहने वाले कमजोर और पीड़ित समुदायों की रक्षा के उसके संकल्प से भी जुड़ा हुआ है।

50 से ज्यादा मिशन में भारत की भागीदारी

गौरतलब है कि वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने के वैश्विक लक्ष्य के साथ की गई थी। जिसमें भारत एक प्रमुख योगदानकर्ता की भूमिका में शामिल रहा है। 50 से अधिक संयुक्त राष्ट्र मिशनों में 2 लाख 90 हजार से ज्यादा शांति सैनिक तैनात हैं। वर्तमान समय में 5 हजार से ज्यादा भारतीय शांति सैनिक 9 सक्रिय मिशन का हिस्सा हैं। जो कि वैश्विक शांति को बरकरार रखने के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी काम कर रहे हैं।

500 शहर बनेंगे नए आर्थिक केंद्र गतिविधियां बढ़ेंगी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को मध्य वर्ग को केवल वृद्धि का लाभार्थी नहीं, भारत का वृद्धि इंजन बताया। उन्होंने कहा कि देश के लगभग 500 शहर आर्थिक गतिविधि के अगले केंद्र के रूप में उभरने के लिए तैयार हैं। सीतारमण फ्रांस के एक प्रमुख आर्थिक मंच 'रेनकॉन्ट्रेस इकनॉमिक्स डी'एक्स-एन-प्रोवेंस' में एक पैनल चर्चा में भाग ले रही थीं। उन्होंने बताया कि आज भारत की 31 फीसदी आबादी मध्य वर्ग में आती है। भारत की अर्थव्यवस्था खुलने के बाद से मध्य वर्ग सालाना 6.3 फीसदी की दर से बढ़ रहा है।

नौका पलटने से तीन लोगों की मौत

लेक जिनेवा (अमेरिका)। अमेरिका के दक्षिणी विस्कॉन्सिन में तेज तूफान के दौरान जिनेवा झील में एक नौका पलटने से शुक्रवार को तीन लोगों की मौत हो गई जबकि सात अन्य लोगों को बचा लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। 'वालवर्थ काउंटी' शेरिफ विभाग के उप शेरिफ टॉम हॉसनर ने बताया कि काउंटी में तूफान के कारण पेड़ गिरने, बिजली के तार टूटने, इमारतों को नुकसान पहुंचने और कई लोगों के घायल होने की खबर है।

पेट्रोल में ई-20 एथेनॉल मिश्रण पर केंद्र सरकार की बड़ी सफाई

भ्रम में फंसने की जरूरत नहीं सोशल मीडिया के दावे गलत

एआई इमेज

- सरकार ने गन्ने के रस को सीधे पेट्रोल में मिलाने वाले वीडियो को फर्जी बताया। ईंधन ग्रेड का एथेनॉल में चीनी का अंश नहीं होता है, इसलिए गाड़ियों में चींटियां लगने की बात वैज्ञानिक रूप से गलत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पेट्रोल में 20 फीसदी तक एथेनॉल मिलाने (ई-20 ईंधन) को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही तमाम अफवाहों पर केंद्र सरकार ने पूरी तरह विराम लगा दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक विस्तृत स्पष्टीकरण जारी करते हुए इन सभी भ्रामक दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। सरकार ने साफ किया है कि ई-20 ईंधन पूरी तरह सुरक्षित है और इससे वाहनों के इंजन, माइलेज, बीमा या वारंटी पर कोई भी विपरीत असर नहीं पड़ता है।

सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा था कि एक लीटर एथेनॉल बनाने में 10,000 लीटर पानी बर्बाद होता है, जिसे सरकार ने पूरी तरह गलत बताया है। वास्तव में प्रति लीटर एथेनॉल उत्पादन में मात्र 3 से 5 लीटर प्रोसेस्ड पानी लगता है, और आधुनिक प्लांट इस पानी को रीसाइकिल भी करते हैं। इसके अलावा ई-20 कोई नया प्रयोग नहीं है। अमेरिका, ब्राजील, कनाडा और जापान जैसे कई विकसित देशों में इसका इस्तेमाल सालों से सफलता के साथ किया जा रहा है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) की जांच में भी सामने आया है कि इससे गाड़ी की परफॉर्मेंस और माइलेज पर कोई खास फर्क नहीं पड़ता है।

इससे वाहनों के इंजन माइलेज बीमा या वारंटी पर कोई भी विपरीत असर नहीं

कॉन्फ्रेंस में ऑटोमोबाइल सेक्टर के दिग्गजों ने रखी अपनी राय

- साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5% एथेनॉल मिलाया जा रहा था
- प्रति लीटर एथेनॉल उत्पादन में मात्र 3 से 5 लीटर प्रोसेस्ड पानी लगता है
- अमेरिका, ब्राजील, कनाडा और जापान जैसे कई विकसित देशों में इसका इस्तेमाल

यह जांची-परखी साइंटिफिक प्रोसेस

सरकार ने कहा कि एथेनॉल ब्लेंडिंग का काम रातों-रात नहीं हुआ। यह एक जांची-परखी, साइंटिफिक और स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस है। इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई है और टॉप एजेंसियां भी इसका टेस्ट कर चुकीं हैं। एथेनॉल ब्लेंडिंग पर दिल्ली में हुई इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार की ओर से शामिल एक्सपर्ट वर्तिका शुक्ला ने यह बात कही। वर्तिका शुक्ला ने बताया कि देश में साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5% एथेनॉल मिलाया जा रहा था।

मारुती सुजुकी के राहुल भारती ने कहा

ई-20 के हिसाब से बन रहीं गाड़ियां

राहुल भारती

मारुती सुजुकी के एक्जिक्यूटिव ऑफिसर राहुल भारती ने बताया कि ई-20 को लेकर सोशल मीडिया पर मिथ ज्यादा हैं और सच्चाई कम हैं। उन्होंने कहा कि हम अपनी गाड़ियों को ई-20 पेट्रोल के हिसाब से ही बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि 20 प्रतिशत एथेनॉल मिक्स वाले पेट्रोल से गाड़ी के इंजन पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता है। माइलेज के सवाल को लेकर उन्होंने कहा कि ई 20 पेट्रोल से गाड़ी की माइलेज में 3 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि इसके कई फायदे भी हैं।

पर्यावरण के लिए यह अच्छाः गुलाटी

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने कहा कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में समय समय पर कई सारे रेगुलेशन करने पड़ते हैं। ई-20 पर्यावरण के लिए अच्छा फ्यूल है, क्लीन फ्यूल है और जब पर्यावरण को लेकर तमाम तरह की चुनौतियां हैं, ऐसे में ये आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे कार्बन उत्सर्जन भी कम होता है।

विक्रम गुलाटी

'ऐसी शादी, जो होने वाली नहीं है..' सिया के स्नैपचैट मैसेज से सुराग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केतन मर्डर केस में नया ट्विस्ट

केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस के हाथ एक बेहद चौंकाने वाला सुराग लगा है, जिसने इस पूरी मर्डर मिस्ट्री में एक नया ट्विस्ट ला दिया है। पुलिस की जांच टीम अब आरोपी सिया गोयल के एक कथित स्नैपचैट चैट को खंगाल रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि हत्या की इस पूरी वारदात को एक गहरी साजिश के तहत अंजाम दिया गया था।

यह कथित बातचीत 25 मई की है। इस चैट में आरोपी सिया गोयल कथित तौर पर अपनी दोस्त से फ्लाइट टिकट बुक करने के बहाने उसका आधार कार्ड मांगती है। सिया ने हिंदी में लिखा, 'आधार कार्ड फ्रंट और बैक भेज दे फॉर वेडिंग टिकिट्स, जो होने नहीं वाली पर फिर भी भेज दे।' जांच अधिकारी अब इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रहे हैं कि क्या यह पूरी बातचीत और हवाई टिकटों की बुकिंग केवल एक दिखावा थी। ऐसा संदेह है कि इस कथित चैट और टिकट अरेंजमेंट्स के जरिए सिया यह दिखाना चाहती थी कि केतन अग्रवाल के साथ उसकी शादी की तैयारियां बिल्कुल सामान्य रूप से चल रही हैं, ताकि केतन की हत्या के बाद किसी को उस पर शक न हो. यह पूरी कवायद मर्डर प्लॉट को छिपाने और जांच भटकाने की एक बड़ी कोशिश हो सकती है। जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि किसी भी डिजिटल चैट की कानूनी वैधता उसकी तकनीकी और फोरेंसिक जांच पूरी होने के बाद ही तय होगी।

केतन के परिवार का आरोप

केतन के पिता, विशाल देवीचंद अग्रवाल की तरफ़ से दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि चेतन और सिया, दोनों ने मिलकर उनके बेटे को एक चट्टान से नीचे धकेल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। केतन 18 जून की सुबह घर से निकला, पुणे-मुंबई हाईवे पर किवाले ब्रिज से सिया को साथ लिया और फिर लोहागढ़ फोर्ट की ओर गया। उसी दिन दोपहर से पहले सिया गोयल ने अपने चेतन की मां को फ़ोन करके बताया कि वह गलती से लोहागढ़ किले की एक खाई में गिर गया है। स्थानीय लोगों और पुलिस ने उसे खाई में पाया और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एफआईआर के अनुसार, 21 जून को केतन अग्रवाल के पिता और रिश्तेदार उस जगह पर गए जहां वह गिरा था और उन्हें लगा कि उस जगह पर गलती से फिसलने की संभावना बहुत कम थी। परिवार ने आरोप लगाया कि सिया गोयल का फ़ोन लगातार व्यस्त रहता था और वह अक्सर अपने प्रेमी चेतन का ज़िक्र करती थी, जिससे उन्हें शक हुआ कि दोनों के बीच रोमांटिक रिश्ता था।

भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक का वजन 5 किलो गिरा

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को दावा किया है कि पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य तेजी से गिर रहा है। सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे हैं और आज उनके अनशन का सातवां दिन है। इस बीच, सीजेपी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को तेज कर दिया है। प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके युवाओं के साथ जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सोनम वांगचुक का वजन 5 किलो कम हो गया है। उन्होंने सवाल उठाया है कि धर्मेंद्र प्रधान को अब तक पद से क्यों नहीं हटाया गया? अभिजीत दीपके ने कहा, 'सोनम वांगचुक की सेहत हर दिन बिगड़ती जा रही है, प्रधानमंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने के लिए और कितना इंतजार करेंगे?' दीपके ने कहा कि 20 छात्रों की मौत के बाद भी प्रधानमंत्री उन्हें पद से हटाने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं।

दीपके का दावा– 'पीएम मोदी धर्मेंद्र प्रधान को कब बर्खास्त करेंगे?'

गैंगरेप का आरोपी निकला पाक उप-प्रधानमंत्री का पोता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारत द्वारा आतंकवाद के मामले पर पिछले साल पहलगाम हमले के बाद स्थगित की गई सिंधु जल संधि के मामले को लेकर अक्सर भारत को धमकी देने वाले पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार की इन दिनों अपने ही देश में जमकर छीछालेदर हो रही है। मामला बेहद गंभीर है, जिसमें डार के पोते रजा डार को दो विदेशी महिलाओं (नीदरलैंड और वेनेजुएला) से गैंगरेप के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लाहौर की एक अदालत ने मामले से जुड़े सभी चार आरोपियों को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जबकि एक अन्य आरोपी अभी तक फरार है।

लाहौर पुलिस ने की गिरफ्तारी, पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

दूतावासों के दखल के बाद हुई गिरफ्तारी

यह पूरा मामला पिछले महीने 29 जून का है। जब रजा डार ने चार अन्य लोगों के साथ मिलकर इन दोनों विदेशी महिलाओं का अपहरण कर उन्हें जबरन बंधक बनाकर रखा और फिर उनका गैंगरेप किया। लाहौर पुलिस की जांच के मुताबिक, इन दोनों विदेशी महिलाओं से रजा डार की मुलाकात पिछले साल 2025 में सिंगापुर में हुई थी। जिससे यह साफ हो जाता है कि यह सभी एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते थे। क्रिप्टोकरंसी वेंचर में भी तीनों बिजनेस पार्टनर बताए जा रहे हैं। वह रजा डार ही था जिसने इन दोनों महिलाओं की पाकिस्तान यात्रा के लिए बिजनेस वीजा से जुड़ी तमाम व्यवस्था भी की थी।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

ऑफिस/फील्ड स्टाफ

आवश्यकता है- रायपुर मोवा दुबे कॉलोनी रोड मौर्य भारत गैस एजेंसी में ऑफिस स्टाफ , फील्ड स्टाफ और डिलीवरी बॉय की जरुरत है। वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क करें:-8370002700 , 9827152610.(RO-823)

टीचर

आवश्यकता है- प्रकाश पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल के प्राइमरी सेक्शन में D.El.Ed टीचर आवश्यकता है संपर्क - सेक्टर -11,जोन -1 खुर्सीपार भिलाई - 9399147944.(आरो न - 309)

Requirement- science-chemistry and biology& commerce teacher contact Vardhman The School Nahar Road Krishna Nagar Santoshi Nagar Raipur. 9109329528. (RO-13)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- खाना बनाने एवं घरेलू कार्य करने हेतु ईमानदार लड़की/ महिला की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा फ्री , वेतन योग्यतानुसार , परित्यक्ता ,विधवा, बेसहारा को प्राथमिकता । संपर्क करें- 88393-04037, 74890-17986. (आरो नं.- 312)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मिस्त्री/लेबर

आवश्यकता है- लालपुर (देवपुरी) रायपुर स्थित बेसन मिल में काम करने हेतु कुशल आरा चक्की मिस्त्री एवं लेबरों की आवश्यकता है। शेष जानकारी के लिए संपर्क करें। 7999622822, 9302787560.(RO-277)

कारपेन्टर

आवश्यकता है- शांति किराया भण्डार में रिपेरिंग काम के लिए बढ़ाई कारपेन्टर की आवश्यकता है संपर्क करें:- 9827140068. (RO-879)

केयर टेकर

आवश्यकता है- विकलांग युवक के देखभाल हेतु होनहार कामकाजी युवक की आवश्यकता है, रहना खाना फ्री वेतन योग्यतानुसार। संपर्क नंबर-7354988225 एड्रेस.... होटल ए डी टॉवर सिद्धार्थ चौक टिकरापारा रायपुर (RO-880)

अकाउंटेंट/डिजाइनर

आवश्यकता है- वेडिंग प्लानर कंपनी को अकाउंटेंट (अनुभवी या फ्रेशर दोनों), ग्राफिक डिजाइनर/पीपीटी एक्सपर्ट, टेलीकॉलर, साइट मैनेजर और सेल्स मैनेजर की आवश्यकता है। कॉल करें: 8480670000, 7828073173. (RO-0134)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान मै लड़को/लड़की (फ्रेशर/अनुभवी) की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसार: *आशीष शुभम मेडिकोज 41 छत्तीसगढ़ दवा बाज़ार राजबंधा मैदान रायपुर 81039 81038. (RO-169)

आवश्यकता है- बर्जर पेंट दुकान में कार्य हेतु लड़कों (कम से कम बारहवीं) की, वेतन 10 से 12,000, अनुभवी एवं आसपास रहने वालों को प्राथमिकता। अमृत सेल्स , स्टेशन रोड , रायपुर । मोबाइल 9827174205. (RO-169)

आवश्यकता है- मोबाइल स्टोर में मोबाइल एसेसरीज दिखाने हेतु लड़के- लड़कियों की (आकर्षक वेतन+ इंसेंटिव) योग्यता न्यूनतम 10वीं पास, आसपास रहवासी बायोडाटा के साथ संपर्क करें:- अबाबा मोबाइल, मेनरोड. तेलीबांधा 7869999902.(RO-041)

आवश्यकता है- कार एसेसरीज की दुकान मे काम करने के लिए जरुरतमंद लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क करे , भाव्या ट्रेडर्स, नवभारत प्रेस के सामने, रायपुर मोब. 8818933330, 8871997200. (RO-042)

आवश्यकता है- बिजली दुकान में काम करने हेतु लड़के- लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क:- सोनी इलेक्ट्रिकल्स, सेक्टर- 6 A मार्केट, भिलाई 7999028445, 9425553543.(आरो न - 310)

आवश्यकता

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800. (RO-095)

क्लासीफाईड

ड्रायवर

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा, वेतन योग्यतानुसार, संपर्क करें :- 7389434811,कॉल करके मिलने का समय दोपहर 1 बजे के बाद। (RO-7400)

आवश्यकता है- बस ड्राईवरों की आवश्यकता है अपोलो कॉलेज अंजोरा दुर्ग -8770899610.(आरो न - 1309)

आवश्यकता है- रायपुर खम्हारडीह में घर की कार चलाने हेतु एक कुशल ड्राइवर और पैकिंग कार्य हेतु देवेन्द्र नगर में एक युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9579931943. (RO-41340)

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955. (RO-63586)

ऑफिस कार्य

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री +गाड़ी किराया +कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क, 7880003160, 7880003190.(RO-528)

हरिभूमि क्लासीफाईड

होटलकर्मी

आवश्यकता है- जयस्तंभ चौक स्थित रेस्टोरेंट में कार्य करने हेतु किचन हेल्पर, वेटर (मेल/फीमेल), कैप्टन, किचन सुपरवाइजर, स्टोर कीपर की आवश्यकता है. आकर्षक वेतन. दोपहर 12 से शाम 5 के मध्य संपर्क करें:- गिरनार रेस्टोरेंट, जयस्तंभ चौक, रायपुर मोबाइल- 7089034776.(RO-16575)

Property प्रापर्टी

बेचना है- रायपुरा मे 850 वर्गफुट पर 2 बीएचके पीओपी, सेपरेट बोर, कार पोर्च नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त मकान एवं 640 व 760 वर्गफुट डायवर्सन, प्लॉट एवं बैंक फाइनेंस सुविधा संपर्क करें:- 9300505421.(RO-043)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - लोन SAI KRIPA FINANCIAL SERVICE पर्सनल लोन ,मॉर्गेज लोन, बिजनेस लोन , लोन ट्रांसफर (B.T) , होम लोन, के.सी.सी लोन, पट्टे पर लोन, कार एवं हेवी व्हीकल लोन, बिना बैंक के चक्कर लगायें लोन प्राप्त करें पता:- शॉपनं.231 आकाशंगगा, ढिल्लन कॉम्पलेक्स सुपेला भिलाई मो.- नुरज सिंह राजपुत - 7587287565, 9165058207, 83139119645. (आरो न - 307)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

फाइनेंस - बंधना फाइनेंस द्वारा दुकानदार, होलसेल, कृषि लोन, ग्रुपलोन, बिजनेस लोन 2 प्रतिशत ब्याज में। 25. हज़ार से 30 लाख तक लोन वीकली या मंथली आसान किश्तों में। संपर्क:- 9770833099. (RO-4282)

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें 7898655147

वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6'' मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17.09.82 / 5'-11'' एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक, मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दु उच्च जाति मान्य। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

Shri Shankaracharya Professional University

Shri Shankaracharya Technical Campus

Courses at SSPU

Law	B.A. LLB | B.Com. LLB | LLB | LLM
Computer & IT Engineering	B.Tech(Hons.) | AIML & IoT | Cyber Security & IoT | M.Tech
Computer Application	BCA | MCA | DCA | PGDCA
Management & Commerce	BBA / MBA | MBA(part time) | B.Com | M.Com
Pharmacy	D. Pharm | B. Pharm | M. Pharm
Education	Diploma(Nursery Teacher Training) | M.A. (Edu.)
Science & Life Science	B.Sc (PCM, Bio-Technology, Micro-Biology, CBZ & Computer Science) M.Sc (Physics, Chemistry, Mathematics, Bio-Technology, Micro-Biology, Botany Zoology & Computer Science)
Physical Education	B.P.E.S. | P.G.D.(Yoga)
Arts & Social Science	B.A.J.M.C. | M.A.J.M.C. | B.J./M.J. | B.A. / M.A. (English, Hindi, Sociology, Psychology) MSW | B.Lib.I.Sc. | M.Lib.I.Sc.

Certification Courses

Ph.D. Programs
- Journalism & Mass Communication • Physics
- Chemistry • Life Science(Botany, Zoology, Bio-Tech, Bio-Chemistry, Micro-Biology)
- Mathematics • Hindi • English • Commerce • Management • Pharmacy • Engineering*

Courses at SSTC (Approved by AICTE)

B.Tech (CSE)
- CSE
- CSE (AI & ML)
- CSE (DATA SCIENCE)
- CSE (CYBER SECURITY)
- CSE (AI)

B.Tech (Engineering)
- ELECTRICAL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ET & TELECOM. ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING

WITH 40+ PROGRAMS & SPECIALISATION

Ph.D
- ENGINEERING
- MANAGEMENT
- COMPUTER APPLICATIONS

M.Tech (Engineering)
- THERMAL ENGINEERING
- POWER SYSTEMS ENGINEERING
- VLSI DESIGN
- CS & ENGINEERING
- STRUCTURAL ENGINEERING
- TRANSPORTATION ENGINEERING
- GEOTECHNICAL ENGINEERING
- AI & MACHINE LEARNING

MBA | MCA | BBA | BCA

Pharm (KIPS)
- B PHARM
- D PHARM
- M PHARM

Placements in 2025-26

- **Athar Hussain** — Intern at Steelco Technologies DMCC AED 3500 per month
- **Rajnandini** — Bagged Internship at Amazon with stipend 35k/- per month
- **Sneha Parpyani** — Senior Software Engineer- Capgemini 7.5 LPA
- **Rishabh Baghel** — TCS Digital 7.09 LPA
- **Anusha Choubey** — TCS Digital 7.09 LPA

650+ Students Placed & the Journey continues

100000+ Alumni Network

- **Nehru Jee Dewangan** — Head of Corporate Actions CH in SIX Group AG, Switzerland (SIX)
- **George E Burke** — Research Engineer Argonne National Lab. Lemont, USA (Argonne)
- **Anjali Jain** — Senior Manager Mumbai, India (Morgan Stanley)
- **Yugal Sahu** — Principal SoC Engineering USA (Apple)
- **Nelam Kumar** — International centre for translational eye research (ICTER), Poland (ICTER)
- **Anirudh Kashyap** — Forest & Climate Change Department, Govt. of Chhattisgarh (Government of Chhattisgarh)

21 LPA highest package offered

15 LPA highest package bagged

310+ Companies Visited

3640+ Placements in last 5 years

1660+ Internships offered in last 5 years

5.75 LPA Average Package

Our Top Recruiters

amazon, JSW, JUSPAY, tcs TATA CONSULTANCY SERVICES, Capgemini, Techment, cognizant, Deloitte., IBM, TATA ELECTRONICS, TATA STEEL, IndusInd Bank, One Banc, HEXAWARE, Tech Mahindra, Bandhan Bank, HDFC BANK, awakeye, JKcement, UltraTech, jaro education, LARSEN & TOUBRO, amicus, HCL, HSBC, POLYCAB, SISCOL, ESAF, ELEATION, apollo TYRES, ICICI PRUDENTIAL, wipro, Hero, accenture, Stratview Research, indiamart, Collabera, ASTRAL PIPES, ICICI Bank

and many more...

Sports Excellence @ SSTC | SSPU

- **Mukesh Bhuval** — National Silver Medal Marshal Art B.Sc. Biotech
- **Sneha Singh** — Bronze Medalist Arm wrestling B.Sc. Micro Biology
- **A. Dattaddari Rao** — National Karate Championship B. Com 4 th semester

For Admission @SSPU Call 6232010132 | Junwani Road, Bhilai, C.G., India | For Admission @SSTC Call 9039551113

1800 547 1065 | 0788 4088810/11 | shrishankaracharyauniversity.com

1800 547 1064 | 0788 4088888 | sstc.ac.in | admission@sstc.ac.in

पश्चिम से पूरब तक झमाझम बारिश...

मानसून ने पकड़ी रफ्तार

मुंबई में आफत की बारिश

नई दिल्ली। देशभर में मानसून रफ्तार पकड़ चुका है। उत्तर दक्षिण के बाद अब पूर्वी और पश्चिम भारत के कई राज्यों को यह कवर कर चुका है। यूपी, एमपी, महाराष्ट्र, सहित कई राज्यों में जमकर बारिश हो रही है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई भी इसकी जद में है। शनिवार को यहां जमकर बारिश होने से सड़कों में पानी भर गया। हैवी रैन के चलते नवी मुंबई में कई आफिसों में पानी घुस गया। एसवी रोड में बच्चे पानी में खेलते दिखे।

जैकेट के शेष

अबूझमाड़ से महाराष्ट्र ....

कार्रवाई कर करीब आधा दर्जन तस्करों व शिकारियों को दबोच लिया है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई में अब तक करीब एक दर्जन लोग पकड़े जा चुके हैं और एक तस्कर के कब्जे से बाघ की मुंडी भी जब्त की गई है। आशंका जताई जा रही है कि इस गिरोह ने इलाके में चार से ज्यादा बाघों का शिकार किया है।

डेढ़ दशक में 25 खालें

जब्त, कांकेर-बस्तर 'हॉटस्पॉट': वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एनटीसीए और वन विभाग के रिकॉर्ड गवाही दे रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में पिछले डेढ़ दशक में बाघों का बड़े पैमाने पर संहार हुआ है। साल 2010 से लेकर अब तक राज्य में बाघों के शिकार, खाल और अंगों की तस्करी के करीब 40 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 25 मामलों में सीधे बाघों की खाल जब्त की गई है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन कुल मामलों में से 80 प्रतिशत से ज्यादा प्रकरण अकेले कांकेर जिले और उसके नीचे के बस्तर रिजन में दर्ज हुए हैं, जो साबित करता है कि यह पूरा इलाका तस्करों का मुख्य केंद्र बन चुका है।

अन्य जिलों की स्थिति (करंट और शिकार) : राजनांदगांव: 24 सितंबर 2011 को उग्र भीड़ ने एक बाघ को मार डाला, जबकि 23 नवंबर 2016 को यहां से 1 खाल जब्त हुई।

सूरजपुर/अंबिकापुर: 18 अक्टूबर 2022 को 1 खाल मिली और 12 दिसंबर 2025 को 1 बाघ का शव शिकारियों के फंदे में मिला।

गोमर्डा (सारंगढ़-बिलाईगढ़): 24 जनवरी 2024 को शिकारियों द्वारा बिछाए गए करंट की चपेट में आने से 1 बाघ की तड़पकर मौत हो गई।

धमतरी व बिलासपुर: क्रमशः 2021 और 2010 में 1-1 बाघ की खाल बरामद की गई।

कोरिया व लोरमी: कोरिया में 2024 में अज्ञात कारणों से मौत हुई, जबकि लोरमी में 2021 में एक शावक की प्राकृतिक मौत दर्ज की गई।

नक्सलियों के पूर्व ....

'कुरियर ब्वाय' बन गए हैं। अंदरूनी रास्तों और जंगलों की सटीक भौगोलिक जानकारी होने के कारण ये लोग वन विभाग की नजरों से बचकर खाल और अंगों को बाहर पार कराने में तस्करों की मदद कर रहे हैं।

बदहाल स्कूलों की ....

की जगह अतिरिक्त कमरे बनवाए जा रहे हैं। वहां इसके निर्माण में ही सालभर निकल जाएगा। इस स्थिति में विद्यार्थियों को बैठने की समस्या जस की तस बनी रहेगी।

पहाड़ी के ऊपर ....

के 79 वर्ष बाद भी स्कूल भवन का निर्माण नहीं किया गया है जहां आज भी स्कूली बच्चे खुले आसमान के नीचे या फिर किसी ग्रामीण के झोपड़ी में बैठकर पढ़ाई करने विवश हो रहे है इस खबर को भी प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया गया था। इसके बाद मैनपुर के दुर्गम पहाड़ी के उपर बसे ताराझर ग्राम में अब स्कूल भवन का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ किया गया है यहां 11 लाख रुपए की लागत से स्कूल भवन निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसके निर्माण के लिए गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उइके एवं जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर ने विशेष निर्देश दे रखा है। यहां स्कूल भवन का निर्माण करना किसी चुनौती से कम नही है पहाड़ी के उपर होने के कारण यहां निर्माण सामाग्री पहुंचाना बहुत ही मुश्किल का काम है उपर से सड़क भी नही है बावजूद इसके पगडंडी रास्ता बनाकर ओड़ीशा के रास्ते से पहाड़ी के उपर बसे इस गांव में रेत और निर्माण समाग्री पहुंचाया जा रहा है। कुल्हाड़ीघाट के सरपंच बनसिंग सोरी, सचिव प्रेम ध्रुव ने बताया कि जल्द ही भवन निर्माण कार्य पूर्ण हो जाएगा।

क्या कहते हैं बीआरसीसी : सर्व शिक्षा अभियान राजीव गांधी शिक्षा मिशन के खण्ड स्त्रोत समन्वयक शिवकुमार नागे ने बताया कि मैनपुर विकासखण्ड के अन्य जर्जर स्कूलों की मरम्मत के लिए राशि स्वीकृति के लिए भेजा गया है। स्वीकृति के बाद जर्जर स्कूलो का मरम्मत कार्य करवाया जाएगा।

हरिभूमि-आईएनएच का जिला ....

अध्यक्ष बीज निगम, विधायक योगेश्वर राजू सिंहा, डॉ. संपत अग्रवाल, द्वारिकाधीश यादव, श्रीमती चातुरी नंद, एतराम साहू भाजपा जिलाध्यक्ष, निखिलकांत साहू नपाध्यक्ष महासमुंद, इंद्रजीत सिंह गोल्डी, राज्य आयुक्त स्काउट गाइड के अलावा पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, अमरजीत चावला पूर्व महामंत्री पीसीसी, पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव विनोद चंद्राकर, अंकित बागबाहरा पूर्व सदस्य पर्यटन मंडल शामिल होंगे। इस दौरान आम जनता और विभिन्न वर्गों से जुड़े प्रतिनिधियों के सवालों के माध्यम से जिले की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर भी संवाद होगा। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, वन मंडलाधिकारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। इस आयोजन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा।

करंट लगने से ....

परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें—मां और उसके दो सगे बेटे—काल के गाल में समा गए। इन दोनों ही घटनाओं ने निर्माण कार्यों और ग्रामीण इलाकों में बिजली सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रोफेसर कालोनी के सेक्टर-1 में शनिवार को सोलर पैनल लगाते समय जो मजदूर हाईटेंशन वायर की चपेट में आ गए, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मजदूर बगैर सुरक्षा उपकरण के सोलर पैनल लगा रहे थे। इस कारण दोनों करंट की चपेट में आ गए। करंट की चपेट में आने वाले मजदूरों की पहचान दुर्ग, औंधी निवासी प्रमोद चंद्राकर (25) और आशीष चंद्राकर (19) के रूप में हुई है। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक 3 मजदूर एक मकान की छत पर सोलर पैनल लगाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान सोलर प्लेट स्लाइड होकर नीचे गिरने लगी। गिर रहे सोलर प्लेट को पकड़ने के लिए दोनों मजदूर पहुंचे और दोनों करंट की चपेट में आ गए। एक मजदूर कोई और काम कर रहा था, इस वजह से वह करंट की चपेट में आने से बच गया।

देर शाम मिला तीनों का शव : मृतका के पति सीताराम सिंगरौल ड्राइवरी करते हैं। 3 जुलाई को वे गाड़ी लेकर केंदा गए थे। देर शाम में घर लौटे तो दरवाजा में ताला लटका था। एक घण्टे बाद भी मां बेटो के नहीं आने पर उन्होंने रिश्तेदारों से पूछताछ की। तीनों के खेत की ओर जाने की जानकारी मिलने पर वे गांव नंदकुमार कौशिक के साथ टार्च लेकर अपने खेत डोंगरीपारा गए तो तीनों की लाश मिली।

घटनास्थल नहीं गया थाना प्रभारी : करंट लगने से खेत में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। उसके बाद भी थाना प्रभारी मौके पर नहीं गए। हवलदार को मौके पर भेजकर लाश मरच्यूरी में रखवाने व दूसरे दिन एएसआई को मरच्यूरी में भेजकर पोस्टमार्टम कराकर खानापूर्ति कर ली गई। तीनों करंट के चपेट में कैसे आए कोटा पुलिस नहीं बता पा रही है।

खेत में जीआई तार .....

बेटा विवेक कुमार 23 साल, सत्यव्रत सिंगरौल 14 साल 3 जुलाई की सुबह 9 बजे अपने खेत काम करने चले थे। सुबह 11 बजे उनकी पत्नी दसन बाई खेत गई। उस दौरान बारिश हो रही थी, काम करने के दौरान विवेक कुमार मवेशियों को रोकने अपने खेत में जीआई तार व रस्सी से घेराबंदी कर रहे थे। इसी दौरान करंट की चपेट में आकर बड़े भाई को चीखते देख सत्यव्रत व उसकी मां दसन बाई ने छुड़ाने के लिए उसे पकड़ा तो वे भी करंट की चपेट में आ गए और तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है बारिश व आंधी से उनके खेत में लगे बोरवेल का तार टूटकर जीआई तार पर गिर गया था, जिससे करंट फैल गया था, पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है।

टीईटी प्रश्नपत्र लीक : तीन और लोग गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र में टीईटी-2026 प्रश्नपत्र के कथित तौर पर लीक होने के मामले की जांच कर रही पुलिस ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद हिरासत में लिए गए आरोपियों की कुल संख्या सात हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जिन तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान सोनू सिंह, मिथुन सिंह और कपिल दहिया के रूप में हुई है। उन्हें बृहस्पतिवार को स्थानीय मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से अदालत ने उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया। इन गिरफ्तारियों के साथ अब तक इस मामले में कुल सात लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। टीईटी-2026 को परीक्षा आयोजित होने से एक दिन पहले 27 जून को स्थगित कर दिया गया था। यह फैसला तब लिया गया जब ठाणे जिले की पुलिस ने पाया कि प्रश्नपत्र का एक हिस्सा लीक हो गया है और इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पेज एक के शेष

तत्काल का खेल, टोकन 30 ...

पहले ही साइट क्रैश हो जाती है या सीटें खत्म हो जाती हैं। ऐसे में घंटों कतार में खड़े रहने के बाद भी यात्रियों को बिना टिकट के ही लौटना पड़ता है।

एजेंटों की मनमानी और 5जी स्पीड का दावा: हैरानी की बात यह है कि जहां आम यात्रियों और रेलवे काउंटरों पर सर्वर क्रैश और ओवरलोड की समस्या आ रही है, वहीं टिकट एजेंटों द्वारा मनमाने दाम वसूलकर शत-प्रतिशत कन्फर्म टिकट देने का दावा किया जा रहा है। हरिभूमि की टीम ने जब टिकट एजेंट से तत्काल टिकट खरीदने को लेकर पड़ताल की, तो एजेंट ने टिकट मिलने के पीछे तर्क दिया कि वे 5जी की रफ्तार से टिकट बुकिंग करते हैं, जबकि रेलवे का सिस्टम अब भी अपेक्षाकृत धीमे इंटरनेट से चलता है, जिसके कारण काउंटर से तेजी से बुकिंग नहीं हो पाती है। इसी स्पीड और कन्फर्म टिकट के नाम पर यात्रियों से प्रति टिकट दो से तीन हजार रुपये तक अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं।

बद्रीनाथ में भी दान चोरी के ...

से बातचीत में पूर्व गृह सचिव एस. लक्ष्मीनारायण ने कहा कि मेरे घर में करीब 15 सौ साल से ऊपर की रामायण अभी भी मौजूद है, जिसकी मेरे पूर्वज पूजा करते रहे। इसके अलावा मेरी ससुराल में भी जो सबसे पहले आडवाणी और विश्व हिंदू परिषद ने राममंदिर के लिए ब्रिक्स इकट्ठा करनी शुरू कीं, तो फर्स्ट ब्रिक्स त्रिवेंदरम में मेरे ससुराल में लोड हुई जिन्हें पहले कन्याकुमारी ले जाया गया और वहां से शुरू हुआ। मेरी पत्नी भी चाहती थीं और मेरी मां भी जिंदगी भर राम, राम लिखती थीं। हमने सोचा कि जब इतना बड़ा राम मंदिर बन रहा है तो फिर क्यों नहीं राम चरित मानस बनाकर दें, उसकी भी पूजा होती रहेगी, लोग भी दर्शन करेंगे, भगवान का आशीर्वाद ले सकेंगे। तो मैंने 8 अप्रैल 2024...वो पहली राम नवमी थी, जब रामलला की स्थापना हो चुकी थी। मुझे पुलिस ने बताया था कि रामनवमी के दिन आएंगे तो लाखों की भीड़ होगी, आप रख नहीं पाएंगे इसलिए रामनवमी जब शुरू हो रही है तो...पंडितों ने भी कहा कि बहुत शुभ दिन है...पहले दिन रख आइए। मुझे रखवाने में वहां की स्थानीय पुलिस ने बहुत मदद की क्योंकि सवा कुंतल की रामचरित मानस को ऊपर चढ़कर रखवाना पड़ा।

नकटी ग्राम पर बोली ...

राजनीतिक रोटी सेकने और भोले-भाले लोगों को गुमराह करके बरगला रही है। प्रदेश सरकार ने नकटी के 62 लोगों को नया रायपुर में नया घर भी दे दिया है, इन लोगों ने घर लेने की सहमति देते हुए हस्ताक्षर भी किए, इसके बाद कांग्रेस अपनी राजनीति के लिए इन लोगों को गुमाराह करने में लगी है, जबकि नकटी में आवास बनाने के लिए कांग्रेस की सरकार के समय ही स्थान का चयन किया गया था।

ठाकरे परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए डॉ. मार्कण्डेय और गौरीशंकर ने कहा, 2020 में पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के शासनकाल में नकटी की योजना बनी थी। उस समय हाउसिंग बोर्ड के जरिए वहां आवासीय कॉलोनी तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हुई। हाउसिंग बोर्ड द्वारा जमीन मांगे जाने पर, पटवारी, आरआई व तहसीलदार ने चिह्नांकित कर सारी विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी कर शासन को सौंपी। 2022 में वहां आवासीय कॉलोनी बनने की जानकारी मिलते ही 2022-23 में वहां कब्जाधारियों की बाढ़ आ गई। पहले वहां लगभग 3 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा था, जिस पर कच्चे मकान चिन्हांकित हुए। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को आवास के लिए ढाई डिसमिल जमीन दी जाती है। लेकिन यहां के कई लोगों ने 10 से 20 हजार वर्ग फीट जमीन पर कब्जा कर लिया है और उन लोगों ने 50 लाख रुपए मूल्य तक के बड़े मकान बना लिए हैं।

50 लाख का घर बनाने वाला गरीब कैसे?: श्री श्रीवास ने कहा, कांग्रेस दुहाई दे रही है कि गरीबों के घर तोड़े गए हैं। जो भी किया गया नियम और कानून के तहत किया गया है। वहां पर सिर्फ 16 लोग ही ऐसे हैं जिनके पास घर नहीं है। वहां पर कई लोगों से 10 से 20 हजार वर्ग फीट में 50-50 लाख के घर बना लिए थे। 50 लाख का घर बनाने वाला गरीब कैसे हो गया।

सामूहिक आवास योजना है: गौरीशंकर : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास ने कहा, कांग्रेस द्वारा यह झूठा नैरेटिव सेट किया जा रहा है कि नकटी गांव को तोड़ दिया गया है। श्री श्रीवास ने कहा कि हमारी सरकार ने नकटी गांव को नहीं तोड़ा है। नकटी गांव में कुल 17 वार्ड हैं। उसमें से एक वार्ड, जहां पर कब्जा हुआ था, उनको विस्थापित किया गया है। बार-बार जो यह कहा जा रहा है कि विधायकों के लिए आवास बन रहा है, वह भी सच नहीं है। इन आवासों में अधिकारी-कर्मचारी भी रहेंगे। यह सामूहिक आवास योजना की प्रक्रिया है।

कांग्रेस क्या अवैध कब्जों की पक्षधर है : डॉ. मार्कण्डेय ने कहा, कांग्रेसी नेताओं को इस बात का जवाब देना चाहिए कि क्या अवैध कब्जों को वे प्रश्रय देते हैं या देना चाहते हैं? क्या अवैध कब्जा कांग्रेस के लोग पूरे प्रदेश में कराना चाहते हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी तो सभी शासकीय भूमि को बेचने के लिए एक नोटिफिकेशन जारी किया था, और उस समय कांग्रेस ने बड़े-बड़े नेता तक ने रियायती दर पर जमीन खरीदी। गरीबों के शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं अन्य प्रयोजन के लिए जो शासकीय जमीन होती है, उसे भी कब्जा करके कांग्रेस शासनकाल में बेचा गया है। बाद में हाईकोर्ट ने इस आदेश को निरस्त किया।

पुल टूटा, जान जोखिम में ...

कदम नहीं उठाए जा रहे है। बता दें कि सूरजपुर जिले के प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सुखदेव पुर में फुलझर नदी के सुखाड़ नाला पर बना पुल 12-13 मई की दरमियानी रात धराशायी हो गया था। महज 10-12 साल पुराना पुल बीचो बीच से दो टुकड़ों में टूट गया था। पुल टूटने के बाद इस मार्ग पर आवागमन बंद हो गया था। पुल टूटने से सबसे ज्यादा असर एसईसीएल को पड़ा क्यों कि इस सडक और पुलिया का उपयोग महान-3 खदान से कोयला उत्खनन के लिए किया जाता है। पुल टूटने के बाद एसईसीएल कल्याणपुर की तरफ से कोयला परिवहन कर रहा है लेकिन इस मार्ग से आवगमन करने वाले आम नागरिकों की परेशानी बढ़ गई है। ऐसा इसलिए क्यों कि इस मार्ग पर आवागमन हेतु अस्थायी रपटा के निर्माण की योजना एसईसीएल व सेतु निगम द्वारा बनाई गई थी और टूटे हुए पुल के बगल में रपटा निर्माण का कार्य शुरू भी कराया गया लेकिन रपटा निर्माण का कार्य बेहद धीमा है। चूंकि अब बारिश का मौसम प्रारंभ हो चुका है और इस नदी का जलस्तर बढने लगा है। ऐसे में इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोग अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे है। वर्तमान में स्कूल खुलने के बाद छोटे छोटे बच्चों की भी परेशानी बढ़ गई है। क्षेत्र बोझा, सुखाड़, चन्दरपुर सहित अन्य गांव के बच्चे पढाई करने के लिए खडगवां आते है। पुल टूट जाने के बाद बच्चों को नदी पार कर आवगमन करना पड़ रहा है। बच्चों के नदी पार कर स्कूल जाने का वीडियो अब सोशल वायरल हो रहा है।

नए पुल के लिए कोई पहल नहीं : सुखदेवपुर फुलझर नदी पर उक्त पुल का निर्माण एसईसीएल द्वारा महान 3 खदान से कोयला परिवहन के लिए किया गया था। इस पुल का निर्माण एसईसीएल द्वारा वर्ष 2015-16 में पुल का निर्माण कराया गया था और उस समय निर्माण एजेंसी सेतु निगम थी। इसके साथ ही यह सड़क और पुल सोनगरा से बोझा होते हुए धरमपुर के पास निकलती है जिसपर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोगों का आवागमन भी होता था। लगातार भारी वाहनों के आवागमन से पुल व मार्ग काफी जर्जर हो गया था। क्षेत्रवासी पुल के मरम्मत की मांग कर रहे थे लेकिन इसपर ध्यान नहीं दिया गया। जर्जर पुल के कारण ही एसईसीएल की बस दुर्घटनाग्रस्त हो चुकी है जिसमें एसईसीएल कर्मी की मौत भी हुई थी। फिलहाल सेतु निगम द्वारा टूटे हुए पुल के निर्माण हेतु प्रस्ताव शासन को भेजने की बात कही जा रही है लेकिन निर्माण को लेकर कोई पहल होती नजर नहीं आ रही। **जल्द कराएंगे पूर्ण:** नदी में रपटा के निर्माण का कार्य चल रहा है। सेतु निगम को बोला गया है, वर्तमान में रपटा निर्माण ही एक मात्र वैकल्पिक रास्ता है। रपटा के निर्माण का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कराने का प्रयास किया जाएगा। **ललिता भगत, एसडीएम प्रतापपुर**

चिंतन शिविर से तैयार ...

पर व्यापक मंथन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, चिंतन शिविर केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि शासन की कार्यसंस्कृति में निरंतर सुधार और नवाचार का माध्यम बन चुका है। पिछले दो संस्करणों से प्राप्त सुझावों को सरकार ने प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा है, जिसके सकारात्मक परिणाम आज प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, शासन में तकनीक, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसरोकारों को केंद्र में रखकर आगे बढ़ना ही इस शिविर का मूल उद्देश्य है।

कृषि को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के सुझाव : कृषि विषयक सत्र 'कृषि से समृद्धि' में कृषि अर्थशास्त्री डॉ. रमेश चंद तथा कृषि विशेषज्ञ टी. विजय कुमार ने प्राकृतिक खेती, जलवायु अनुकूल कृषि, फसल विविधीकरण, मूल्य संवर्धन, बाजार संपर्क और तकनीक आधारित कृषि सुधारों पर अपने अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों ने देश के विभिन्न राज्यों के सफल मॉडलों की जानकारी देते हुए किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कृषि को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए।

प्रशासनिक पहल के रूप में करेंगे लागू- साय : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्वास व्यक्त किया कि चिंतन शिविर से प्राप्त सुझाव सुशासन, तकनीक आधारित प्रशासन, कृषि सुधार, विभागीय समन्वय और जनसेवा के नए मानक स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा, विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए सरकार नवाचार, ज्ञान, तकनीक और प्रभावी नीति-निर्माण को निरंतर प्रोत्साहित करती रहेगी तथा चिंतन शिविर से निकले विचारों को शीघ्र ही ठोस नीतिगत और प्रशासनिक पहलों के रूप में लागू किया जाएगा।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष — बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर — मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ — मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन — संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

'अभावों से निकलकर विकसित भारत के निर्माण की रही 12 वर्षों की यात्रा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल से जुड़ी रक्षा क्षेत्र की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। जिसमें उन्होंने कहा कि बीते एक दशक से अधिक लंबी देश की हमारी यह यात्रा अभावों से आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास और आत्मविश्वास से विकसित भारत के निर्माण की ओर प्रगति की रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का ही नतीजा है कि आज हमारी वैश्विक प्रतिष्ठा में बदलाव आया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर दुनिया भारत के दृष्टिकोण को ध्यान से सुनती है। रक्षा मंत्री ने यह जानकारी राजधानी में हुए एक मीडिया संगठन के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी। उनके इस बयान को रक्षा मंत्रालय ने मीडिया से साझा किया है।

यूं पड़ती विकसित भारत की मजबूत नींव

राजनाथ सिंह के मुताबिक, अपने पहले कार्यकाल में सरकार ने अभावों को दूर कर अवसरों को बढ़ाया और कार्य करने की संस्कृति में बदलाव लाया। दूसरे में आकांक्षाओं को उपलब्धियों में तब्दील कर देश को आत्मनिर्भरता के पथ पर मजबूती के साथ आगे बढ़ाया। जबकि मौजूदा तीसरे कार्यकाल में सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की नीति के जरिए केंद्र विकसित भारत की दृढ़ता से नींव रख रहा है।

आज से 6 देशों की विदेश यात्रा पर रहेंगे डॉ.एस.जयशंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर रविवार (5 जुलाई) से 6 देशों की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसमें कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान, न्यूयॉर्क और ब्रुसेल्स शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि विदेश मंत्री की इस यात्रा का कार्यक्रम 5 से लेकर 15 जुलाई तक चलेगा। गौरतलब है कि जयशंकर की यह यात्रा एक ऐसे समय पर हो रही है। जब बीते दिनों अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के दौरान ओमान की खाड़ी के इलाके में अमेरिकी नौसेना के हमले में तीन भारतीय नाविकों की दुखद मौत हो गई थी।

tifr HBCSE
होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च

भारतीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) 2026-27

भारतीय राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (INMO) 2027 में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के लिए, राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) में शामिल होना अनिवार्य है।
यह परीक्षा 6 सितंबर, 2026 को आयोजित की जाएगी।
IOQM में सफल होने वाले छात्र INMO 2027 में भाग लेने के पात्र होंगे। यह अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (IMO) 2027 और यूरोपीय गर्ल्स गणित ओलंपियाड (EGMO) 2028 में भारतीय टीम के आधिकारिक सदस्य के रूप में भागीदारी की दिशा में पहला चरण है।

अधिक जानकारी और पंजीकरण लिंक:
https://olympiads.hbcse.tifr.res.in एवं https://www.mtai.org.in/

पंजीकरण संबंधित परीक्षा केंद्रों पर सीधे किया जा सकता है
इसके अलावा, ऑनलाइन पंजीकरण भी 29 जून 2026 से शुरू होगा
ऑनलाइन पंजीकरण के लिए वेबसाइटः https://ioqm.mtai.org.in/

पंजीकरण की अंतिम तिथिः 25 जुलाई 2026

CBC 48143/11/0004/2627

शब्द पहेली - 6277

बाएँ से दाएँ
1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली- 6276 का हल

■	सो	नि	या	गां	धी	■	म	हा	न	ता
खा	ना	■	प	■	र	क्ष	क	■	म	ल
ना	■	म	न	सि	ज	■	र	ग	■	मे
ब	ला	त	■	■	वा	दा	■	म	ह	ल
दो	■	दा	■	क	ला	■	आ	■	व	■
श	य	न	क	क्ष	■	दि	शा	ही	न	ता
■	म	■	प	■	ह	ल	■	न	■	क
का	ज	ल	■	शा	म	■	■	त	ह	त
म	■	त	य	■	व	फा	दा	र	■	व
चो	र	■	की	म	त	■	म	■	का	र
र	म	जा	न	■	न	य	न	ज	ल	■

सूडोकु नवताल - 6287

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6286 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग

प्रवेश प्रारंभ : 2026-27 SHAPING FUTURES, DELIVERING CAREERS **ADMISSIONS OPEN: 2026-27**

''भारती-ग्रुप'' पिछले 29 वर्षो से विभिन्न संकायों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। विकसित छत्तीसगढ़ @2047 के लक्ष्य को पाने के लिए भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग शिक्षा, कौशल और नवाचार के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर, राज्य में आवश्यकता के अनुसार नये-नये पाठ्यक्रम संचालित कर युवाओ को उच्च-शिक्षा कम-खर्च / कम-फीस में प्रदान कर रहा है। आगे इसी लक्ष्य को पुरा करते हुये अध्ययन प्राप्त कर चुके, लगभग सभी विद्यार्थियों को प्लेसमेंट प्रदान कर रही है। इनकी योग्यता, कौशल एवं रुचि के अनुसार छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यो की कई बड़ी-बड़ी कंपनियों में चयनित होकर कार्यरत है तथा कई बड़े रूप में स्व-रोजगार स्थापित कर लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे है। जिससे हमारी संस्था के साथ-साथ अपने अभिभावकों का नाम गौरवान्वित कर रहे है, यही हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य है, जिसे निरंतर आगे बनाये रखेंगे इसी विश्वास के साथ ...

लॉ (कानून)- लॉ एजुकेशन में बीए एलएलबी, बीकॉम एलएलबी, इंटीग्रेटेड लॉ 5 वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण। एलएलबी 3 वर्षीय, प्रवेश के लिए किसी भी संकाय में स्नातक एवं एलएलएम 2 वर्षीय, प्रवेश के लिए एलएलबी उत्तीर्ण होना आवश्यक है। लॉ उत्तीर्ण होने के बाद अपने कैरियर बनाने के कई विकल्प हैं जिसमें से न्यायपालिका, वकालत, कानूनी सलाहकार के रूप में कैरियर बनाने का सुनहरा अवसर प्राप्त होता है, इसके अतिरिक्त वे कॉर्पोरेट सेक्टर, वित्तीय संस्थानों, इनकम टैक्स विभाग, लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग, मानव संसाधन, रियल एस्टेट, मीडिया, बैंकिंग और बीमा क्षेत्रों में भी कार्य कर अपना उज्जवल भविष्य बना सकते हैं।

प्रथम दीक्षांत समारोह में उपस्थित डॉक्टरेट उपाधि प्राप्तकर्ता

भारती विश्वविद्यालय मे बीए, बीकाम, बीएससी डिप्लोमा एवं लगभग सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर कोर्सेस सेमेस्टर प्रणाली में संचालित किये जा रहे है। विद्यार्थियों का रुझान एवं राज्य में कोर्सेस की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये कई नये-नये विषयों मे शिक्षा प्रदान किया जा रहा है। विद्यार्थीयों को सिलेबस के विस्तृत ज्ञान की प्राप्ति एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य से सेमेस्टर प्रणाली में अध्ययन के साथ-साथ IAS, IPS, IES, IFS, IRS, SSC, CGPSC/State Public Service Commission तथा अन्य सभी केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट सफलता सुनिश्चित करने हेतु इसकी तैयारी नि:शुल्क प्रदान की जा रही है।

फॉरेंसिक साइंस- भारती विश्वविद्यालय न केवल दुर्ग, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था, न्यायिक प्रक्रिया और फॉरेंसिक अनुसंधान के क्षेत्र में शिक्षा का एक मजबूत केंद्र बनकर उभरा है। बीएससी फॉरेंसिक साइंस(ऑनर्स) 3+1 वर्षीय (डिग्री+अनुसंधान)में प्रवेश हेतु गणित अथवा विज्ञान विषय में 12वीं उत्तीर्ण एवं एमएससी फॉरेंसिक साइंस 2 वर्षीय, प्रवेश हेतु बीएससी गणित/जीवविज्ञान, फार्मेसी, इंजीनियरिंग के साथ स्नातक होना अनिवार्य है। इस विषय से छात्रों को अपराध अनुसंधान, डीएनए विश्लेषण, फिंगरप्रिंट तकनीक, क्राईम सीन इन्वेस्टिगेशन, साइबर सिक्योरिटी और टॉक्सीकोलॉजी जैसे आधुनिक कौशलों में प्रशिक्षित होने का ज्ञान प्राप्त होगा। डिग्री प्राप्त होने के बाद अपराध जाँच में वैज्ञानिक सबूतो के बढ़ते महत्व के कारण सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में नौकरी के सबसे ज्यादा अवसर हैं, फॉरेंसिक साइंस के विद्यार्थी देश-विदेश के फॉरेंसिक शिक्षण संस्थानों में प्राध्यापक एवं फॉरेंसिक एक्सपर्ट के रूप में कार्य करते हैं। सरकारी विभागों जैसे सेंट्रल एवं स्टेट फॉरेंसिक साइंस लैब, गृह विभाग, पुलिस, इंटेलिजेंस और क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन से संबंधित अन्य खुफिया एजेंसियों में फॉरेंसिक साइंस का विशेष महत्व है। साइकोलॉजी, क्रिमिनोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे समकालीन विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जो विद्यार्थियों को एक सशक्त कैरियर एवं रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं।

फॉरेंसिक से जुड़े अपने सपनों को दीजिए एक नई उड़ान...

ज्ञान, कौशल और सफलता की कुंजी है
पॉलिटेक्निक / इंजीनियरिंग / एमटेक

हमारे छत्तीसगढ़ शासन औद्योगिक एवं तकनीकी विकास की दिशा में भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप निर्माण कंपनी पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ ही देश एवं विदेश की कई कम्पनीयों के साथ समझौता को बढ़ावा दे रही है एवं कई बड़ी-बड़ी कम्पनियो के निवेश से तकनीकी क्षेत्र में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियो को राज्य में ही रोजगार के नये अवसर प्राप्त हो रहे हैं। पॉलिटेक्निक 3 वर्षीय प्रवेश हेतु 10वीं उत्तीर्ण, बी.टेक 4 वर्षीय, प्रवेश हेतु 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। विद्यार्थी सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन जैसे विषयों में प्रवेश लेकर गहन तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है। यह कोर्स विद्यार्थियों को अनुसंधान, डिजाइन, विकास, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और इंडस्ट्री में विविध तकनीकी जिम्मेदारियों के लिए तैयार करता है। इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रो में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं जैसे निर्माण कंपनियां, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियां, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, ऑटोमोबाइल, पावर प्लांट्स, स्टार्टअप्स, सरकारी विभाग, अनुसंधान संस्थान, और शिक्षण संस्थान में रोजगार एवं स्व-रोजगार का अवसर मिलेगा।

Afft. to Ayush University, Raipur
- BAMS (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery)
- B.Sc. (Nursing)

Afft. to IGKV, Raipur
- B.Tech Agri.
- B.Sc. Agri.

Law
- B.A. LLB
- LLB
- B.Com LLB
- LLM

Engineering
M. Tech. / B.Tech. / Polytechnic
- CSE
- Civil
- ET&T
- Mechanical
- Electrical

(Regular / Working Professionals with Flexible Time)

Education
- D.El.Ed.
- B.Ed.
- M.Ed.

Public Health
- MPH (Master of Public Health)

Rural Studies
- Bachelor (BRS)
- Master (MRS)

Physical Education
- Bachelor of Physical Education and Sports (B.P.E.S.)*
- Masters of Physical Education and Sports (M.P.E.S.)*

Social Work
- Diploma (DSW)
- Bachelor (BSW)
- Master (MSW)

Pharmacy
- D. Pharma
- B. Pharma
- M. Pharma

Science
- B.Sc (Hons)/M.Sc
  - Forensic Science • Chemistry • Maths
  - Computer Sceince • Physics • Zoology
  - Animation & Visual Effects • Botony
  - Microbiology • Biotechnology
  - Home Science • IT

Arts/ Commerce & Management
- BBA
- MBA
  - Hospital Mgt. • Financial Mgt
  - Marketing Mgt. • Human Resource Mgt.
- B.A.(Hons)/ M.A
  - Psychology • English • Sociology
  - Yoga • Hindi • Sanskrit • Economics
  - History • Geography • Political Science
- B.Com.(Hons)
- M.Com
- B.Stat
- M.Stat
- DCA
- BCA
- PGDCA

Library Science
- M.Lib
- B.Lib
- D.Lib

Diploma Courses (1year)
- Forensic Science
- Digital Marketing
- Yoga Science
- Nutrition & Dietetics
- Interior Design
- Multimedia & Graphic Animation
- Fashion Design
- Cyber Crime

Ph.D. Available in all Major Subjects

''फार्मेसी ज्ञान और सेवा का संगम''

डी. फार्मेसी 2 वर्ष का डिप्लोमा कोर्स एवं बी.फार्मेसी 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है जिनमें प्रवेश हेतु 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। फार्मेसी विज्ञान और मानव स्वास्थ्य के बीच एक सेतु है, जो कि ना केवल दवाओं की गुणवत्ता और प्रभाव को सुनिश्चित करता है, बल्कि रोगों की रोकथाम और इलाज में अहम भूमिका निभाता है। आज की तेज रफ्तार जीवनशैली, बदलती स्वास्थ्य समस्याएं, और नई-नई बीमारियों के बढ़ते प्रकोप के चलते फार्मेसी क्षेत्र में कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग निरंतर बढ़ रही है। यह कोर्स अनुसंधान, शिक्षण, उद्योग और सरकारी विभागों में उन्नत कैरियर के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। जिसमें विद्यार्थियों को फार्मास्युटिकल विज्ञान की मूलभूत जानकारी, दवा निर्माण, ड्रग डिजाइन, फार्माकोलॉजी, हर्बल ड्रग्स और क्लिनिकल फार्मेसी जैसे विषयों में गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस कोर्स के अध्ययन से विद्यार्थियों को अनुसंधान, निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, और फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री में विभिन्न जिम्मेदारियों के लिये तैयार होते है। फार्मेसी के डिग्री प्राप्त करने के बाद छात्र सरकारी और निजी अस्पतालों, क्लीनिकों, इसके अलावा स्वरोजगार के लिए मेडिकल स्टोर भी प्रारंभ कर सकते हैं।

PLACEMENT SELCTION 2026

TOP RECRUITERS: WIPRO LTD. · ASHOK L bY LAYAM GROUP · JINDAL ELECTRICAL · HCL INFOSYSTEMS Ltd. · TATA CONSULTANCY SERVICES · L & T CONSTRUCTION · SUZUKI MOTORS · MAHINDRA & MAHINDRA Ltd. · CAPGEMINI INDIA PVT. LTD. · ULTRATECH CEMENT · SUZLON ENERGY LTD. · BOC INDIA LTD. · DHOOT TRANSMISSIONS · ADVIK HIGH TECH Pvt. Ltd. · HIRA POWER & STEEL · MAINTEC TECHNOLOGIES · IDBI BANK LIMITED · JUST DIAL LIMITED

6232221101/ 02/ 03/ 04/ 05/ 06/ 07
www.bhartiuniversity.org
bhartiuniversity.in@gmail.com

SUN PUBLIC SCHOOL
A CBSE NEW Delhi, affiliated School
Day Boarding School
ADMISSIONS OPEN
Hostel Facility Available from 6th to 12th Class
NURSERY TO 12TH CBSE
ENGLISH MEDIUM
9109186601, 9109186607

सन प्राइवेट आई.टी.आई.
भारत सरकार (NCVT & DGT) एवं छ.ग. शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
विशेषताएँ • उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम • अनुभवी शिक्षक • आधुनिक टूल्स एवं मशीनों द्वारा ट्रेनिंग • छात्रवृत्ति की सुविधा • हॉस्टल की सुविधा
प्रवेश प्रारंभ
• इलेक्ट्रीशियन • फिटर } 2 वर्ष
• कोपा • स्टेनो (हिन्दी) } 1 वर्ष
9589158888, 9109186606

क्या कभी हो पाएगी एलियन से मुलाकात !

क्या एलियन कभी पृथ्वी पर आएंगे? क्या उनसे हमारी मुलाकात हो पाएगी? इस सवाल का फिलहाल कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब देना मुश्किल है। एलियंस का धरती पर आना भले ही अभी विज्ञान कथाओं की तरह लगता हो, लेकिन वैज्ञानिक प्रयासों से भविष्य में, असंभव सा लगने वाला कुछ भी संभव हो सकता है।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

रात के समय जब हम आसमान में टिमटिमाते हुए तारों को देखते हैं, तो हमारे मन में एक सवाल बार-बार उठता है, 'क्या इस विशाल ब्रह्मांड में हम अकेले हैं?' या फिर किसी दूर के ग्रह पर हमारे जैसे ही या हमसे भी ज्यादा समझदार जीव रहते हैं? इन्हीं बाहरी दुनिया के जीवों को हम 'एलियन' या 'एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल' कहते हैं। गणितीय संभावनाओं को देखें तो ब्रह्मांड में कहीं न कहीं जीवन जरूर होना चाहिए। लेकिन अंतरिक्ष की असीम दूरियों को देखते हुए, उनका हमारे पास आना या हमारा उन तक पहुंचना बहुत ही कठिन काम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले कुछ दशकों में, जैसे-जैसे हमारी तकनीक और बेहतर होगी, हम शायद सौर मंडल के किसी चांद या बाहरी ग्रह पर जीवन के छोटे अंश (जैसे बैक्टीरिया) खोजने में सफल हो जाएंगे।

क्यों बरकरार है संभावना

वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारे ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएं हैं और हर आकाशगंगा में खरबों तारे और ग्रह हैं। इतनी बड़ी जगह में सिर्फ हमारी पृथ्वी पर ही जीवन हो, ऐसा होना थोड़ा मुश्किल लगता है। इसलिए लगता है कि इस यूनिवर्स में कोई न कोई दूसरी दुनिया हो सकती है। खगोल वैज्ञानिक भी इस विषय पर यही सोचते हैं। इसीलिए वे सालों से एलियंस की खोज कर रहे हैं।

क्या एलियन पृथ्वी पर आएंगे!

हालांकि आम लोगों का मानना है कि कभी न कभी एलियन पृथ्वी पर आए होंगे या आएंगे। लेकिन वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब तर्क के आधार पर खोजते हैं। एलियन पृथ्वी पर क्यों आना चाहेंगे? इसके वे कई तर्क देते हैं-

नए घर की खोज: जैसे हमारे वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर जीवन तलाश रहे हैं, वैसे ही एलियन भी अपने रहने के लिए एक नए और सुरक्षित ग्रह की तलाश में पृथ्वी पर आ सकते हैं।

संसाधनों की तलाश: अगर उनके अपने ग्रह के प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी, खनिज या ऊर्जा आदि खत्म हो गए हों, तो वे पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग करने के लिए यहां का रुख कर सकते हैं।

जिज्ञासा और शोध: हो सकता है कि एलियन भी हमारी पृथ्वी के वैज्ञानिकों की तरह खोजी स्वभाव के हों। वे ब्रह्मांड के दूसरे जीवों यानी हम इंसानों के बारे में जानने और हमसे दोस्ती करने के लिए हमारे पास आ सकते हैं।

तकनीकी श्रेष्ठता: अगर कोई सभ्यता हमसे लाखों साल पुरानी है, तो उनके पास ऐसे स्पेसशिप हो सकते हैं जो रोशनी की रफ्तार से भी तेज चल सकें। ऐसी तकनीक होने पर उनके लिए पृथ्वी तक आना बहुत आसान होगा।

इसके विपरीत एलियन का आना क्यों मुश्किल है, इसके भी कुछ तर्क देते हैं-

अत्यधिक दूरी: ब्रह्मांड इतना बड़ा है कि हमारे सबसे करीबी तारे प्रॉक्सिमा सेंचुरी तक पहुंचने में भी आज की तकनीक से हजारों साल लग जाएंगे। एलियंस के लिए भी इतनी लंबी दूरी तय करना एक बड़ी चुनौती होगी।

समय का चक्र: हो सकता है कि ब्रह्मांड के किसी कोने में एलियन रहे हों, लेकिन वे इंसानों के पैदा होने से करोड़ों साल पहले ही खत्म हो चुके हों, या फिर वे तब आएंगे, जब इंसान धरती से गायब हो चुके होंगे।

संवाद की कमी: हमारी भाषा, रेडियो सिग्नल और सोचने का तरीका उनसे बिल्कुल अलग हो सकता है। मुमकिन है कि वे हमारे सिग्नलों को समझ ही न पा रहे हों।

वैज्ञानिक शोध और प्रयास

वैज्ञानिकों ने एलियंस को ढूंढ़ने और उनसे संपर्क करने के लिए कई प्रयास किए हैं।

सेटी प्रोजेक्ट: सर्च फॉर एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस, दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है, जो अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी सिग्नलों पर नजर रखता है। वैज्ञानिक बड़े-बड़े रेडियो टेलीस्कोप का इस्तेमाल करके आसमान से आने वाली आवाजों और तरंगों को सुनते हैं, ताकि एलियंस का कोई संदेश पकड़ा जा सके।

वोयाजर के गोल्डन रिकॉर्ड्स: साल 1977 में नासा ने अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट भेजे थे, जिनका नाम 'वोयाजर 1' और 'वोयाजर 2' है। इन स्पेसशिप में एक तांबे की बनी सीडी जैसी 'गोल्डन डिस्क' रखी गई है। इस डिस्क में पृथ्वी की आवाजें, संगीत, 55 भाषाओं में नमस्कार और हमारे ग्रह का नक्शा दर्ज है, ताकि अगर कभी यह किसी एलियन को मिले, तो वे हमारे बारे में जान सकें।

यूएफओ और यूएपी की जांच: दुनिया भर में कई बार आसमान में उड़ने वाली अजीबो-गरीब चीजों जैसे उड़न तश्तरी को देखने का दावा किया गया है। अब अमेरिकी सरकार और नासा जैसी एजेंसियां इन्हें 'यूएपी' (अनआइडेंटिफाइड एनोमैलुअस फैनोमेना) कहकर इन पर आधिकारिक रिसर्च कर रही हैं, ताकि यह साफ हो सके कि ये एलियंस के यान हैं या कोई प्राकृतिक घटना।

बहरहाल, भविष्य में कभी दूसरे ग्रह के वासियों एलियंस से पृथ्वीवासियों की कभी मुलाकात हो पाएगी या नहीं यह तो अभी नहीं कहा जा सकता लेकिन दुनिया भर के वैज्ञानिक इस कोशिश में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। *

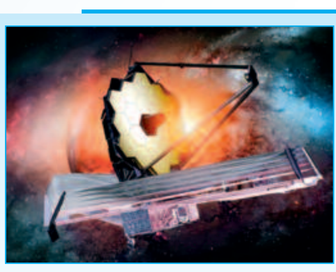

केपलर-जेम्स वेब टेलीस्कोप

नासा के इन आधुनिक टेलीस्कोपों का काम अंतरिक्ष में 'एक्सोप्लैनेट्स' यानी हमारे सौर मंडल से बाहर के ग्रह को खोजना है। वैज्ञानिकों ने अब तक हजारों ऐसे ग्रह खोजे हैं, जो 'गोल्डीलॉक्स जोन' में हैं। इसका मतलब है कि ये ग्रह अपने तारे से न तो बहुत ज्यादा गर्म हैं और न ही बहुत ज्यादा ठंडे, जहां पृथ्वी की तरह पानी और जीवन मौजूद हो सकता है। इसमें जीवन की संभावना भी हो सकती है।

मार्स मिशन

हमारे सबसे नजदीकी ग्रह मंगल पर पानी और जीवन के निशान खोजने के लिए भारत का 'मंगलयान', नासा के 'परसवेरेंस' रोवर जैसे कई मिशन भेजे गए हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर सूक्ष्मजीवों के जीवाश्म ढूंढ़ रहे हैं, जो अंतरिक्ष वासी एलियन या जीवन का पहला ठोस सबूत हो सकते हैं।

चिंताजनक है लगातार बढ़ता अंतरिक्ष में वेस्ट मैटर

जिस तरह से हम सबने अपनी पृथ्वी पर प्रदूषक वस्तुओं और कूड़े-कचरे का अंबार लगा रखा है, कुछ ऐसा ही हाल अंतरिक्ष का भी होता जा रहा है। स्पेस में स्पेसक्राफ्ट, एस्ट्रोनॉट्स और सैटेलाइट्स का वेस्ट मैटर भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

स्पेस इश्यू
अंजू जैन

जब हम रात में आसमान की तरफ देखते हैं, तो हमें टिमटिमाते तारे, चंद्रमा और कभी-कभी गुजरते हुए सैटेलाइट्स (उपग्रह) दिखाई देते हैं। यह नजारा बेहद जादुई लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे इस खूबसूरत अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ी मुसीबत धीरे-धीरे पैर पसार रही है? इस मुसीबत का नाम है-'अंतरिक्ष का कचरा' या 'स्पेस डेब्री'।

क्या है स्पेस डेब्री: जैसे हम अपनी पृथ्वी पर प्लास्टिक, रैपर्स और खराब सामान फेंककर इसे गंदा कर रहे हैं, ठीक वैसे ही इंसानों ने अंतरिक्ष को भी कबाड़खाना बनाना शुरू कर दिया है। अंतरिक्ष कचरा या स्पेस जंक उन सभी मानव-निर्मित बेकार चीजों को कहते हैं, जो अब किसी काम की नहीं रहीं और पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष में चक्कर काट रही हैं। इस कचरे में बेकार हो चुके पुराने सैटेलाइट्स, रॉकेट्स के छूटे हुए टुकड़े, अंतरिक्ष यात्रियों के हाथ से छूटे हुए औजार (जैसे स्क्रू-ड्राइवर, ग्लव्स) और सैटेलाइट्स के आपस में टकराने से बने करोड़ों छोटे-छोटे टुकड़े शामिल हैं। वैज्ञानिकों के अनुमान के अनुसार, इस समय अंतरिक्ष में लाखों छोटे-बड़े टुकड़े तैर रहे हैं, जो एक बड़े खतरे की घंटी हैं।

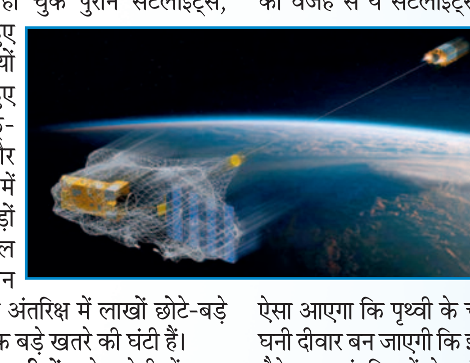

स्पेस डेब्री में शामिल चीजें: स्पेस डेब्री में बहुत कुछ हो सकता है। जैसे-जब किसी उपग्रह का जीवनकाल खत्म हो जाता है या उसका ईंधन समाप्त हो जाता है, तो वह वहीं अंतरिक्ष में निष्क्रिय होकर घूमने लगता है। उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने के बाद रॉकेट के निचले और ऊपरी हिस्से अलग हो जाते हैं। ये हिस्से अंतरिक्ष में ही तैरते रह जाते हैं। जब दो सैटेलाइट्स आपस में टकराते हैं, तो उनके परखच्चे उड़ जाते हैं। एक टक्कर से हजारों नए छोटे-छोटे तीखे टुकड़े बन जाते हैं।

कुछ देश अपनी मिसाइल क्षमता को जांचने के लिए अंतरिक्ष में अपने ही पुराने सैटेलाइट को मिसाइल से उड़ा देते हैं। इससे पल भर में बेशुमार कचरा फैल जाता है।

स्पेस वेस्ट से संकट: अब आप सोच रहे होंगे कि अंतरिक्ष तो इतना विशाल है, फिर वहां थोड़े से कबाड़ से क्या फर्क पड़ता है? अंतरिक्ष हमारा भविष्य है। अगर आज हमने इसकी सफाई पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाली पीढ़ी के लिए ब्रह्मांड के रहस्य जानने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। इसके कई खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। अंतरिक्ष में ये टुकड़े धीरे-धीरे नहीं तैरते। इनकी रफ्तार बंदूक की गोली से भी 10 से 15 गुना तेज होती है, लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा। इतनी रफ्तार में एक छोटा-सा पेंट का टुकड़ा या पेंच भी किसी सैटेलाइट से टकराए, तो उसे पूरी तरह तबाह कर सकता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हमेशा हमारे वैज्ञानिक रहते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा स्पेस स्टेशन से टकरा जाए, तो वहां रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की जान पर बन आ सकती है। उन्हें कई बार खुद को बचाने के लिए आपातकालीन कैप्सूल में छिपना पड़ता है।

हम मोबाइल के जरिए जो बात करते हैं, जीपीएस से रास्ता देखते हैं, टीवी देखते हैं और मौसम का पूर्वानुमान लगाते हैं, वे सब अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स की वजह से संभव होता है। अगर कचरे की वजह से ये सैटेलाइट्स नष्ट हो गए, तो हमारी पृथ्वी की आधुनिक लाइफलाइन एकदम रुक-सी जाएगी। अगर अंतरिक्ष में कचरा बहुत ज्यादा बढ़ गया, तो वे आपस में टकराकर और अधिक कचरा बनाएंगे। एक समय ऐसा आएगा कि पृथ्वी के चारों ओर कचरे की ऐसी घनी दीवार बन जाएगी कि इंसान कभी नया रॉकेट या सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज ही नहीं पाएगा। हम हमेशा के लिए पृथ्वी पर कैद हो जाएंगे।

निदान और समाधान: अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे की इस समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक लगातार प्रयास कर रहे हैं। दुनिया भर की स्पेस एजेंसियां जैसे भारत की इसरो, अमेरिका की नासा इस मलबे को साफ करने के लिए बेहद अनोखे तरीकों पर काम कर रही हैं। वैज्ञानिक ऐसे विशेष सैटेलाइट बना रहे हैं, जो अंतरिक्ष में जाकर बड़े मलबे पर जाल फेंकेंगे या हारपून (भाला) मारकर उसे पकड़ेंगे और खींचकर पृथ्वी के वायुमंडल की तरफ ले आएंगे।

कुछ जापानी कंपनियां ऐसे सैटेलाइट्स का परीक्षण कर रही हैं, जिनमें बहुत शक्तिशाली चुंबक लगे होंगे। ये चुंबक लोहे और धातु के मलबे को अपनी ओर आकर्षित करके चिपका लेंगे। इस तरह कई और तकनीकें अपनाई जा रही हैं। संभव है इसका स्थायी समाधान खोज लिया जाएगा। *

गजल
हबीब कैफी

चला गया कोई

उम्र अपनी बढ़ा गया कोई
नाम लेते ही आ गया कोई
मैंने थामा था हाथ कांटों में
फूल पाकर छुड़ा गया कोई
उसके सारे निशान जिंदा हैं
कैसे कह दूं चला गया कोई
इक तने पर लिखे थे बरसों से
नाम दोनों मिटा गया कोई
नींद यूं ही नहीं हुई गायब
तेरे किस्से सुना गया कोई
सिर्फ इक बात मैंने पूछी थी
बातें क्या-क्या सुना गया कोई
जिक्र जब भी वफा का आया है
सर झुका कर चला गया कोई

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

महंगाई से मुलाकात

चाहने को हम भी बहुत कुछ चाहते हैं। हमारी पहली चाहत तो यह ही है कि अपने पास अकूत वैध संपत्ति हो। वैध इसलिए, क्योंकि बुल्डोजर से सबको डर लगता है। बड़े-बड़े मुर्गे हलाल हो गए, फिर भला इस पिद्दी के शोरबे की क्या ही औकात है? हमारी दूसरी चाहत है कि महंगाई नाम की चीज को अपने देश से धक्के मार कर बाहर निकाल देना चाहिए। अंतर्मन में कुछ ऐसी भी चाहतें हैं, जिन्हें सार्वजनिक कर दें तो जूते पड़ने लगेंगे। हमारे एक मित्र ने एक महिला को सिर्फ 'आइ लव यू' कहा था। एक वह दिन था और एक आज का दिन है, अस्पताल से लौटकर आया है और प्रत्येक महिला को बुआ-दीदी से नीचे नहीं बोलता है।

इंसान कामनाओं का कोष है। मनुष्य की इच्छाएं अनंत हैं। सबको फेसबुक-एक्स आदि के दरिया में डालकर अपनी भड़ास निकालने से अच्छा है कि भाग्यवादी बन जाओ। 'जाही विधि राखे राम, ताही विधि रहिए।' हम भी रह ही रहे हैं। घोर महंगाई की चपत खाकर भी हंस रहे हैं। यूं किसी के चाहने या न चाहने से क्या होता है? भला मैं भी कहां चाहता था, फिर भी आज महंगाई से मेरी मुलाकात हो ही गई। वैसे यह कोई नई बात नहीं है। पहले कभी-कभार भेंट होती थी। इन दिनों वह मुझसे रोज ही किसी-न-किसी बहाने मेरे घर पर मिलने आ जाया करती है। जब मैं घर से बाहर रहता हूं तो वह वहां पर भी मुझसे टकरा जाती है। बाजार जाऊं तो वहां भी मिल जाती है। सड़क पर चल रहा होता हूं, तब भी वह हमारा पीछा नहीं छोड़ती है। पत्नी कहती है, 'यह मुई मेरी सौत है। इसकी निगाह तुम्हारे शरीर के साथ तुम्हारी जेब पर भी रहती है।'

मैं अकसर यह महसूस करता हूं कि मेरी जेब में रखा हुआ पर्स भी जरूरत से ज्यादा दुबला हो चुका है। महंगाई डायन के प्रकोप के चलते 'चंद क्वॉइन' ही शेष बचे हुए हैं। गनीमत है कि वह पूरी तरह खाली नहीं हुआ है। शायद इसी दुबले पर्स पर महंगाई डाका डालने पर उतारू है। जिसके पास धन नहीं है, उसको न चोरी का डर सताता है और न रहजनी का। उसे एकमात्र डर सताता है तो महंगाई का।

मेरा प्रतिदिन महंगाई से इसी तरह मिलना होता रहा तो एक दिन इस गरीब की जान ही निकल जाएगी। आप जानते हैं कि गरीब की जान उसकी हलक में अटकी होती है। यह उस चिड़िया की तरह होती है, जिसे जब तक दाना-पानी मिलता रहता है, चहकती रहती है, जिस दिन मिलना बंद हो गया, फुर्र से उड़ जाती है। लोग यूं ही प्राण को पखेरू नहीं कहते हैं।

मैं इस नामाकूल महंगाई से कितना भी बचना चाहता हूं, लेकिन वह है कि हाथ धोकर मेरे गले पड़ती जा रही है। आज महंगाई फिर एक बार मुझसे मिलने आई है। वह आवश्यकता से अधिक मोटी दिख रही है। पिछली बार जब उससे मिलना हुआ था, तब भी वह मोटी ही थी, लेकिन इस बार उसके शरीर की चर्बी पर एक और परत चढ़ चुकी है। वैसे भी जो प्रतिदिन दूसरों की जेब पर डाका डालता हो, उसका मोटा हो जाना अचरज की बात नहीं है। मैं अपने आस-पास के ऐसे तमाम लोगों को जानता हूं, जो दूसरों को लूटते रहते हैं और मोटे हो जाते हैं। महंगाई भी पुष्ट हो रही है। वह मुझसे कहने लग गई, 'तुम मेरे नाम का रोना रोते रहते हो, मैंने सोचा आज एक बार और मिल लेती हूं! कहो, कैसे मिजाज हैं?' मैंने कहा, 'मिजाज की छोड़ो। तुमने हमें कहीं का नहीं छोड़ा है। तुम जिस अनुपात में मोटी होती चली जा रही हो, हम उसी अनुपात में दुबले हो रहे हैं। उधर तुम्हारी खुराक बढ़ती जा रही है, इधर हम अपने को किसी दिहाड़ी मजदूर की पगार जैसा बेबस पाते हैं।'

महंगाई जैसे आज विश्व हास्य दिवस मनाने के मूड में थी। वह पहले खूब हंसी, फिर मुझे छेड़ती हुई बोली, 'देख रही हूं। तुम्हारे पांवों में बेबसी के घुंघरू बंधे हुए है, फिर भी तुम ठुमक रहे हो। तुम जैसे बकरे को कहां पता है कि कल मैं तुमको किस भारी-भरकम रूप में मिलने वाली हूं!' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

आज के बहुरूपिए समय में तमाम तरह की विडंबनाओं और विसंगतियों के संग जीने के लिए हम सब इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि किसी भी प्रकार के विद्रूप में असहज महसूस नहीं करते हैं। लेकिन एक व्यंग्यकार की सजग दृष्टि न केवल जीवन और व्यवस्था में धंसे विद्रूप को इंगित करती है, उस पर कटाक्ष भी करती है। सुपरिचित व्यंग्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव के ऐसे ही चुने हुए 65 व्यंग्यों का संग्रह 'डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग' हाल में छपकर आया है। इनमें कहीं वे नेशनल कैरेक्टर से लेकर, आटा से ज्यादा डाटा की चिंता करते नजर आते हैं, तो कहीं चुटकी लेते हुए मीडिया का महिमा मंडन करते दिखते हैं। 'ऑफिस रस' शीर्षक व्यंग्य में वह लिखते हैं, 'जिसे एक बार ऑफिस रस की लत लग गई, वह इसकी प्रॉपर डोज के बिना रह ही नहीं पाता। वह कहीं भी रहे, किसी भी हाल में पड़ा हो, इस रस की प्राप्ति के लिए छटपटाता रहता है।' हर खास-ओ-आम की जिंदगी में आज की तारीख में इंटरनेट डाटा का क्या महत्व हो चुका है, इस बारे में व्यंग्यकार की टिप्पणी ध्यान देने योग्य है। 'आटा और डाटा' शीर्षक व्यंग्य में वह कहते हैं, 'कई बार लगता है कि आटा न भी मिले तो चलेगा पर डाटा खत्म हो गया तो जीकर क्या करेंगे? लड़ाई यह है कि आटा जन-जन तक पहुंचा कि डाटा?' *

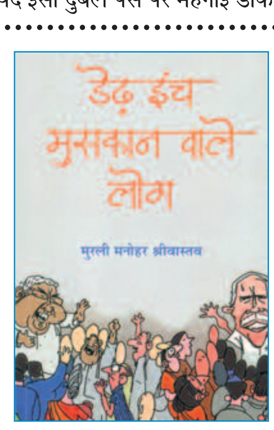

पुस्तक: डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग (व्यंग्य संग्रह), **लेखक:** मुरली मनोहर श्रीवास्तव, **मूल्य:** 400 रुपए, **प्रकाशक:** विद्या विहार, नई दिल्ली

पीपीएफ या म्यूचुअल फंड पर लें लोन?

अचानक मेडिकल इमरजेंसी, बिजनेस में नकदी की जरूरत या किसी अन्य जरूरी खर्च के लिए अक्सर लोग अपने निवेश तोड़ देते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेश को समय से पहले भुनाने के बजाय उसके बदले लोन लेना कई बार अधिक फायदेमंद साबित होता है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और म्यूचुअल फंड, दोनों पर लोन लेने की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन दोनों की शर्तें, ब्याज दरें और लोन की सीमा अलग-अलग हैं। ऐसे में जरूरत और निवेश के आधार पर सही विकल्प चुनना जरूरी है।

पीपीएफ पर लोनः कम ब्याज, लेकिन सीमित सुविधा

पीपीएफ पर लोन केवल एक निश्चित अवधि के दौरान ही लिया जा सकता है। खाता खुलने वाले वित्तीय वर्ष के तीसरे साल से लेकर छठे वित्तीय वर्ष तक ही यह सुविधा मिलती है। यदि पहले लिया गया लोन पूरी तरह चुका दिया गया हो, तभी अगला लोन लिया जा सकता है। लोन की अधिकतम राशि आवेदन से दो वित्तीय वर्ष पहले के खाते में उपलब्ध बैलेंस के केवल 25 प्रतिशत तक सीमित होती है। चूंकि पीपीएफ सरकार समर्थित बचत योजना है, इसलिए इस पर ब्याज भी कम लगता है। वर्तमान में पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत ब्याज मिलता है और लोन की ब्याज दर इससे केवल 1 प्रतिशत अधिक यानी लगभग 8.1 प्रतिशत है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक को चार लाख रुपये का लोन चाहिए तो उसके पीपीएफ खाते में लगभग 16 लाख रुपये का बैलेंस होना आवश्यक होगा, क्योंकि केवल 25 प्रतिशत राशि ही लोन के रूप में मिल सकती है।

म्यूचुअल फंड पर लोन : ज्यादा रकम और अधिक लचीलापन

म्यूचुअल फंड के बदले लोन निवेशकों के लिए अधिक लचीला विकल्प माना जाता है। यह सुविधा फिजिकल और डीमैट दोनों रूपों में रखी गई म्यूचुअल फंड यूनिट्स पर उपलब्ध है। इसका लाभ व्यक्तिगत निवेशकों के अलावा एचयूएफ, कंपनियां, एलएलपी, ट्रस्ट और साझेदारी फर्में भी ले सकती हैं। इक्विटी, डेट, हाइब्रिड और लिक्विड फंड सभी पर लोन मिल सकता है, हालांकि लोन की सीमा फंड के प्रकार पर निर्भर करती है। डेट और लिक्विड फंड पर आमतौर पर 70 से 80 प्रतिशत तक लोन मिल जाता है, जबकि इक्विटी फंड पर यह सीमा लगभग 50 प्रतिशत रहती है। यदि किसी निवेशक को चार लाख रुपये की जरूरत है तो करीब आठ लाख रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश के आधार पर यह राशि मिल सकती है। सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक की यूनिट्स बिकती नहीं हैं और वे बाजार में निवेशित बनी रहती हैं, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण जारी रहता है।

ब्याज और जोखिम में बड़ा अंतर

म्यूचुअल फंड पर लोन की ब्याज दर आमतौर पर 9 से 12 प्रतिशत के बीच होती है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान इसे ओवरड्राफ्ट सुविधा के रूप में देते हैं, जिसमें केवल इस्तेमाल की गई राशि पर ही ब्याज देना पड़ता है। हालांकि इसमें एक जोखिम भी है। यदि बाजार गिरता है और म्यूचुअल फंड की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) कम हो जाती है, तो बैंक अतिरिक्त सिक्योरिटी या आंशिक भुगतान की मांग कर सकता है। ऐसा नहीं करने पर गिरवी रखी गई यूनिट्स बेची भी जा सकती हैं।

20 साल की एसआईपी में सिर्फ पांच फंड ही बने असली 'वेल्थ क्रिएटर'

बिजनेस डेस्क। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों का सपना होता है कि उन्हें लंबे समय तक लगातार बेहतर रिटर्न मिले। हालांकि, ऐसा करने वाले फंड बहुत कम हैं। करीब 600 सक्रिय इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के विश्लेषण में केवल पांच ऐसी योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने 3, 5, 10, 15 और 20 वर्ष जैसी सभी प्रमुख निवेश अवधियों में 15 प्रतिशत से अधिक सालाना एसआईपी रिटर्न दिया है। यह विश्लेषण वैल्यू रिसर्च के 29 जून 2026 तक के आंकड़ों पर आधारित है। सबसे खास बात यह है कि इस सूची में कोई भी फ्लेक्सी–कैप या लार्जकैप फंड शामिल नहीं है। दो मिडकैप, दो हेल्थकेयर और एक इंफ्रास्ट्रक्चर थीम आधारित फंड ने निवेशकों को लंबी अवधि में शानदार संपत्ति बनाने का अवसर दिया। यह दर्शाता है कि मजबूत सेक्टरों में लंबे समय तक धैर्य के साथ निवेश करने वाले निवेशकों को बेहतरीन रिटर्न मिला।

ये हैं पांच सबसे सफल एसआईपी फंड

- इस सूची में एचएसबीसी मिडकैप फंड (रेगूलर) पहले स्थान पर है। इस फंड ने 3 वर्ष में 20.05%, 5 वर्ष में 21.46%, 10 वर्ष में 18.39%, 15 वर्ष में 18.96% और 20 वर्ष में 17.70% का वार्षिक एसआईपी रिटर्न दिया। निवेशक ने 20 वर्षों तक हर महीने 10,000 की एसआईपी की होती, तो उसका निवेश बढ़कर 1.86 करोड़ हो जाता।
- दूसरे स्थान पर एसीबीआई हेल्थकेयर ऑपर्च्युनिटी फंड (रेगूलर) रहा। इसने 20 वर्षों में 16.80 प्रतिशत वार्षिक एसआईपी रिटर्न दिया और 10,000 मासिक निवेश को लगभग 1.68 करोड़ रुपये में बदल दिया।
- तीसरे स्थान पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मिडकैप फंड रहा। इस फंड ने 20 वर्षों में 16.52 प्रतिशत का रिटर्न दिया और लगभग 1.61 करोड़ का कोष तैयार किया।
- चौथे स्थान पर यूटीआई हेल्थकेयर म्यूचुअल फंड (रेगूलर) रहा, जिसने 20 वर्षों में 15.61 प्रतिशत रिटर्न देते हुए 10,000 की मासिक एसआईपी को लगभग 1.45 करोड़ रुपये तक पहुंचाया।
- पांचवें स्थान पर डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड (रेगूलर) रहा। इंफ्रास्ट्रक्चर थीम पर आधारित इस फंड ने 20 वर्षों में 15.40 प्रतिशत रिटर्न दिया और निवेशकों का कोष करीब 1.40 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया।

लंपसम निवेश में भी मजबूत प्रदर्शन

इन फंडों ने केवल एसआईपी ही नहीं बल्कि एकमुश्त (लंपसम) निवेश में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले तीन वर्षों में **HSBC** मिडकैप फंड ने 26.39 प्रतिशत,यूटीआई हेल्थकेयर फंड ने 25.44 प्रतिशत और डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड ने 25.04 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न दिया। वहीं 10 वर्षों के लंपसम रिटर्न में डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड करीब 17.95 प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहा।

punjab national bank पंजाब नैशनल बैंक

सीओ-एसएएम, रायपुर (छ.ग.)

कब्जा नोटिस (अचल संपत्तियों हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, जो कि **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी हैं, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित का (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ता एवं जमानतदार को डिमांड नोटिस की तिथि एवं राशि नीचे में दर्शायी गयी है , उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने जारी किय गया। उधारकर्ता द्वारा उक्त राशि चुकाने में असफल होने के कारण, एतदद्वारा उधारकर्ता, जमानतदार को एवं जनता को सामान्य रूप से नोटिस दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत् अधिकार का प्रयोग करते हुए यहां नीचे संपत्ति का कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है। विशेष रूप से उधारकर्ता, जमानतदार और जनसामान्य को एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबधित कोई लेन देन नहीं करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिये **पंजाब नैशनल बैंक** के निर्मित प्रभार के अध्यधीन होगी। प्रतिभूत आस्ति के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता / जमानतदार का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है.

क्र.	उधारकर्ता, सह-उधारकर्ता का नाम एवं पता व शाखा का नाम	1) मांग सूचना की तिथि/2) कब्जे की तिथि	बकाया राशि	अचल संपत्तियों का विवरण
1.	**उधारकर्ता - मेसर्स श्री त्रिदेव गुरुदेव इंडस्ट्रीज़, श्रीमती लता पाटिल एवं श्री प्रवीण पाटिल, शाखा : रायपुर (092620)**	**(1) 20.04.2026 (2) 30.06.2026**	दिनांक 05.04.2026 को **रू 1,16,35,406.07** + ब्याज एवं अन्य खर्चे	प्लॉट नंबर बी-21, खाता नंबर 464, खसरा नंबर 198/12 (भाग),मौज़ा देवपुरी, प.ह नंबर 114, आरएनएम रायपुर-2, तहसील / ज़िला- रायपुर, छत्तीसगढ़ में कुल क्षेत्रफल- 1500 वर्गफ़ीट पर स्थित भूमि एवं भवन का समस्त भाग तथा अंश , मालिकाना हक- श्रीमती लता पाटिल पति श्री प्रवीण पाटिल। सीमाएँ:- उत्तर: चुन्नीलाल राहीपाल की भूमि, दक्षिण: सड़क, पूर्व: उज्ज्वल रियल एस्टेट की भूमि, और पश्चिम: अग्रवाल की भूमि।
2.	**उधारकर्ता: श्रीमती सईदा रंगरेज** पति मोहम्मद शब्बीर रंगरेज, पता: 154, हुसैनी चौक, बाबाजी गली, संजय नगर, कांकेर, छ.ग., 494334 एवं पता: फ्लैट नं. 707, सेरेनिटी हाइट्स विलेज: लाभांडीह, महर्षि वाल्मिकी वार्ड नं. 28, रायपुर, छ.ग., 492006. **शाखा: कांकेर (218410)**	**(1) 08.04.2026 (2) 03.07.2026**	दिनांक 31.03.2026 को **रू 22,28,587.21** + ब्याज एवं अन्य खर्चे	फ्लैट नंबर 707, 7वीं मंज़िल,'लिंक सेरेनिटी हाइट्स' रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट, खसरा नंबर 546/2, 546/3 और 547/3 का भाग, ग्राम लाभंडीह, महर्षि वाल्मीकि वार्ड नंबर 28, प.ह नंबर 65, आरआईसी रायपुर, तहसील/ज़िला - रायपुर, छत्तीसगढ़ में क्षेत्रफल- 700.31 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- श्रीमती सायदा रंगरेज पति मोहम्मद शब्बीर रंगरेज। सीमाएँ-: उत्तर- खुला स्थान, दक्षिण- फ्लैट नंबर 708, पूर्व - गार्डन क्षेत्र, पश्चिम- फ्लैट नंबर 706.

दिनांक: 05.07.2026, स्थान- रायपुर एवं कांकेर — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

केनरा बैंक Canara Bank — भारत सरकार का उपक्रम — A Government of India Undertaking — सिंडिकेट Syndicate

रायपुर मुख्य शाखा (छ.ग.)

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत

ऋणी एवं जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	प्रकार / सीमा / बकाया ऋण
ऋणी 1. मेसर्स. जी. पी. इंडस्ट्रीज, प्रोपराइटर श्री कौशिक कुमार देवांगन पुत्र स्व. श्री कमलेश देवांगन, 22/16, न्यू जय अम्बे धर्मकांटा, रावभाटा औद्योगिक क्षेत्र, रायपुर, छत्तीसगढ़-492003 **2. श्री कौशिक कुमार देवांगन पुत्र स्व. श्री कमलेश देवांगन**, 52/1664, अश्वनी नगर, दीपक किराया भंडार के पास, वार्ड नं. 65, रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001	**शीर्षक धारक का नामः श्री कौशिक कुमार देवांगन पुत्र श्री कमलेश देवांगन**, शीट नं. 54, प्लॉट नं.61/4, खसरा नं. 1095, प.ह.नं. 106, नया वार्ड नं. 42, पं. सुंदर लाल शर्मा वार्ड, पुराना वार्ड नं. 65, कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड, खंड क्रमांक 05, अश्वनी नगर, ग्राम- रायपुर खास, आरएनएम- रायपुर-1, तहसील एवं जिला-रायपुर, छत्तीसगढ़ । क्षेत्रफल- 1211 वर्ग फीट/112.54 वर्ग मीटर में स्थित आवासीय भूमि एवं भवन का साम्यिक बंधक । **चौहद्दीः उत्तर-** रामजी देवांगन का मकान, **दक्षिण-** मीना देवांगन का मकान, **पूर्व-** 8 फीट चौड़ी गली, **पश्चिम-** साहूजी का मकान । **CERSAI ID: 400077623496**	MSME-OD/OCC MSME-MFG INDUSTRIES ₹ 66,75,000.00 01/07/2026 को कुल देय धनराशि ₹ 63,20,110.17 NPA Date: 29/06/2026

उपर्युक्त उल्लेखित उधारकर्ता एवं जमानतदारों ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को बंधक रखकर **केनरा बैंक, रायपुर मुख्य शाखा (छ.ग.)** से ऊपर उल्लेखित अनुसार ऋण सुविधा प्राप्त की है तथा ऊपर उल्लेखित जमानतदारों ने गारंटी उपलब्ध करवाई है, उधारकर्ता ऋण स्वीकृति के नियम तथा शर्तों का पालन करने में असफल हो चुके हैं। रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार खाता अनियमित होने पर ऊपर उल्लेखित दिनांक को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। बैंक द्वारा उपरोक्त वर्णित बकाया ऋण राशि की वसूली के लिए सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के नोटिस दिनांकित **(ऊपर उल्लेखित अनुसार)** ऋणी व जमानतदारों को एनपीए की तिथि **(ऊपर उल्लेखित अनुसार)** अंतिम ज्ञात पते पर भेजा गया था जो बिना सुपुर्दगी के वापस लौट गया है। जिसके पश्चात् यह प्रकाशन जारी किया जा रहा है जिसके माध्यम से देनदारों व जमानतदारों को ऊपर उल्लेखित धनराशि ब्याज दर **(संविदात्मक दर)**, लागत व्यय इत्यादि के साथ इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर भुगतान करने कहा गया है जिसमें चूक करने पर निम्नलिखित बंधक संपत्तियों पर उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के प्रावधानों के अंतर्गत बैंक की बकाया धनराशि की वसूली हेतु कार्यवाही की जाएगी। ऋणी एवं जमानतदार संपत्ति स्वामी का ध्यान वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(8) के प्रावधानों के तहत उपलब्ध समय में प्रतिभूति आस्तियों को छुड़ाने की ओर आकर्षित किया जाता है।

दिनांकः 05.07.2026 स्थानः रायपुर (छ.ग.) — प्राधिकृत अधिकारी/केनरा बैंक

बिजनेस साइट

अभिनव सिटी 'आवास मेले' के दूसरे दिन भी उमड़ा जनसैलाब, आज अंतिम दिन

प्राइम लोकेशन और शानदार कनेक्टिविटी

रायपुर। मोवा स्थित दलदल सिवनी में आयोजित तीन दिवसीय 'अभिनव सिटी आवास मेले' के दूसरे दिन भी शहरवासियों और निवेशकों का उत्साह देखने को मिला। अष्टविनायक रियल्टीज एवं अभिनव बिल्डर्स के संयुक्त प्रोजेक्ट में बड़ी संख्या में लोग प्रोजेक्ट का अवलोकन करने पहुंचे, वहीं अपार्टमेंट और प्लॉट्स की स्पॉट बुकिंग का सिलसिला भी जारी रहा। दूसरे दिन करीब 100 विजिटर्स ने प्रोजेक्ट साइट का भ्रमण किया और 15 नई बुकिंग्स दर्ज की गईं। दो दिनों में मेले में 250 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जबकि कुल 42 बुकिंग्स हो चुकी हैं। मेले में गार्डन फेसिंग और कॉर्नर प्लॉट्स के साथ 2 एवं 3 बीएचके लग्जरी अपार्टमेंट्स को लेकर खरीदारों ने विशेष रुचि दिखाई। विजिट एवं स्पॉट बुकिंग पर दिए जा रहे निश्चित उपहार भी आकर्षण का केंद्र बने रहे। अंबुजा मॉल और बालाजी हॉस्पिटल के निकट स्थित प्राइम लोकेशन ने भी खरीदारों को प्रभावित किया। अष्टविनायक रियल्टीज के सीएमडी संतोष लोहाना ने कहा कि लोगों का बढ़ता विश्वास उनके लिए प्रेरणादायक है और कंपनी का उद्देश्य केवल आवास उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि सुरक्षित एवं आधुनिक जीवनशैली प्रदान करना है। वहीं एमडी प्रकाश लोहाना और विजय तनवानी ने नागरिकों से मेले के अंतिम दिन पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की।

विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित आधुनिक लाइफस्टाइल का मिलेगा अनुभव

'अभिनव सिटी' में विश्वस्तरीय लाइफस्टाइल के लिए 10 गार्डन, मंदिर, स्विमिंग पूल, अत्याधुनिक जिम, स्टीम बाथ, मल्टीपर्पस कोर्ट, नेट क्रिकेट, मिनी थिएटर, म्यूजिक रूम, कम्युनिटी हॉल, किड्स प्ले एरिया, गेस्ट रूम तथा 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी एवं सुरक्षा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

सुमीत बाजार की मेगा सेल शुरू

ट्रेंडिंग फैशन पर मिल रही आकर्षक छूट

रायपुर। फैशन प्रेमियों और परिवारों के लिए खुशखबरी है। सुमीत बाजार में मेन्स, वूमेन्स और किड्स वियर पर साल की सबसे बड़ी और शानदार सेल शुरू हो गई है। 'बाय 3 एंड अप टू 50% ऑफ' के आकर्षक ऑफर के साथ सभी कलेक्शन पर विशेष छूट दी जा रही है। सीमित समय के लिए आयोजित इस सेल में अधिक खरीदारी करने पर ग्राहकों को अधिक लाभ मिलेगा। सुमीत बाजार में महिलाओं के लिए डोला सिल्क डिजाइनर पल्लू साड़ी, डिजिटल प्रिंट साड़ी, जयपुर हैंडवर्क बंधेज प्रिंट और पार्टी वियर साड़ियों का आकर्षक कलेक्शन उपलब्ध है। वहीं पुरुषों के लिए राउंड नेक टी-शर्ट, ब्रांडेड जीन्स, ब्रांडेड शर्ट, कोट-सूट और शेरवानी की नवीनतम रेंज ग्राहकों को लुभा रही है। बच्चों के लिए भी बॉयज को-ऑर्ड सेट, टी-शर्ट तथा गर्ल्स टी-शर्ट और शॉर्ट्स सहित ट्रेंडिंग कलेक्शन उपलब्ध हैं। फैशन परिधानों के अलावा सुमीत बाजार में गृह उपयोगी वस्तुओं, सजावटी सामान और फर्निशिंग आइटम्स की भी विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों को एक ही छत के नीचे उनकी हर जरूरत की वस्तुएं मिल रही हैं। सुमीत बाजार प्रबंधन के अनुसार, इस विशेष सेल का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता के साथ नवीनतम फैशन किफायती कीमतों पर उपलब्ध कराना है। यह आकर्षक सेल रायपुर के साथ-साथ छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और ओडिशा स्थित सुमीत बाजार के विभिन्न शोरूम्स में भी आयोजित की जा रही है। सीमित अवधि की इस सेल का लाभ उठाने के लिए बड़ी संख्या में ग्राहक पहुंच रहे हैं।

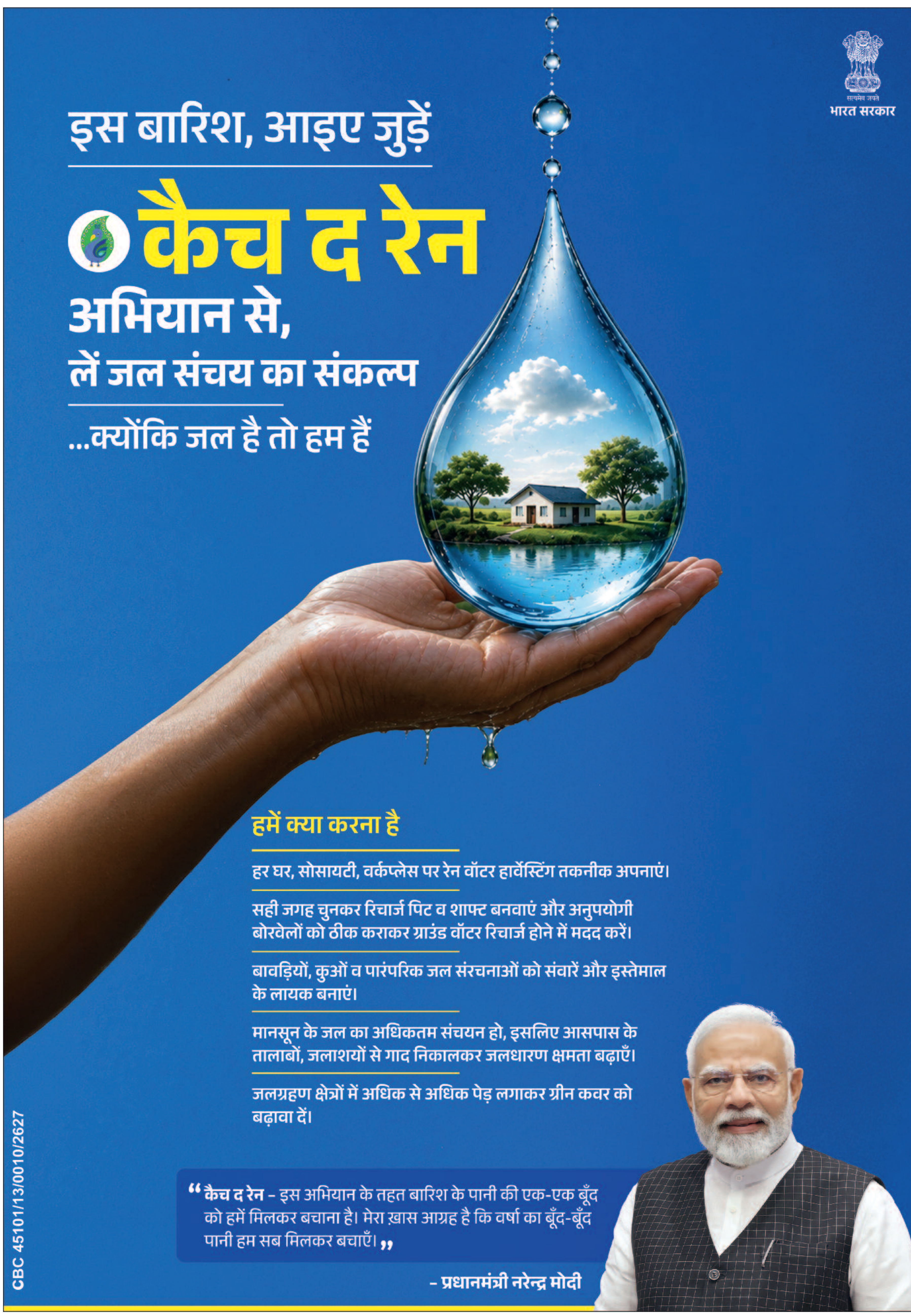

केप वर्दे ने छुड़ाए अर्जेंटीना के पसीने, मेस्सी सेना ने एक्स्ट्रा टाइम में जीता कड़ा मुकाबला

शर्मनाक रिकार्ड

एक विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने हानी

अर्लिंगटन। मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी एक ही टूर्नामेंट में दो आत्मघाती गोल करने वाले विश्व कप के इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए। आस्ट्रेलिया के मिडफील्डर एडेन ओ नील की 55वें मिनट में लगाई गई फ्रीकिक पर गेंद हानी के सिर से टकराकर मिस्र के गोल के भीतर ही चली गई। इससे पहले आस्ट्रेलियाई मिडफील्डर कोनोर मेटकाफे से टकराने के कारण हानी को चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी थी। बेल्जियम के खिलाफ ग्रुप चरण में 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में भी उन्होंने आत्मघाती गोल किया था।

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

इस विश्व कप में साहस और कौशल की नई परिभाषा लिखने वाले छोटे से देश केप वर्दे ने खिताब की प्रबल दावेदार मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को नाकों चने चबवा दिए और अतिरिक्त समय तक चले इस मुकाबले को जीतने के बाद लियोनेल मेस्सी और उनकी टीम ने मस्तक पर छलके पसीने को पोछकर मानों राहत की सांस ली। इसके साथ ही विश्व कप में 'छिपे रुस्तम' केप वर्दे का शानदार अभियान यही खत्म हो गया और जीत के साथ अर्जेंटीना अंतिम 16 में पहुंच गया। आसानी से हार नहीं मानने वाले केप वर्दे ने नियमित समय में और फिर अतिरिक्त समय में बराबरी के गोल दागे। अर्जेंटीना के तीसरे गोल का वह जवाब नहीं दे सके और मेस्सी की टीम ने 3-2 से मुकाबला जीता।

छोटे देश ने कराया इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज

हारने के बावजूद अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित इस द्वीप देश ने विश्व कप के इतिहास के पन्नों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया। जीत के बाद अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा,' मैं केप वर्दे को श्रेय देना चाहूंगा। सच यही है कि जब लोग कहते हैं कि कोई विरोधी टीम कमतर नहीं होती और आज केप वर्दे ने साबित कर दिया कि वह शानदार टीम है। केप वर्दे के लिए डाइनी बोर्गेस ने 111वें मिनट में गोल दागा जबकि क्रिस्टियन रोमेरो का आत्मघाती गोल अर्जेंटीना के खाते में गया। लिसांद्रो मार्तिनेज ने 92वें मिनट में गोल करके अर्जेंटीना को 2-1 से बढत दिलाई।

मेस्सी के 20 गोल, 'गोल्डन बूट' की दौड़ में आगे

मियामी गार्डन्स। लियोनेल मेस्सी का गोल करने का सिलसिला जारी है और वह इतनी सहजता से गोल करते हैं कि यह आसान सा लगता है। इसके साथ ही अर्जेंटीना की लगातार दूसरा विश्व कप जीतने की उम्मीदें भी कायम है हालांकि केप वर्दे ने एकबारगी उसके लिए खतरे की घंटी बजा दी थी। विश्व कप में अपने प्रदर्शन से फुटबॉलप्रेमियों का दिल जीतने वाले केप वर्दे को अतिरिक्त समय में 3-2 से हराकर अर्जेंटीना ने अंतिम 16 में जगह बनाई। मेस्सी ने केप वर्दे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने कैरियर का 20वां गोल किया।

पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता मिस्र, ऑस्ट्रेलिया बाहर

अर्लिंगटन। होसाम अब्दुलमागुद ने शूटआउट में निर्णायक गोल किया, जिसके दम पर पहली बार विश्व कप नॉकआउट मुकाबला खेलते हुए मिस्र ने आस्ट्रेलिया के पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हरा दिया जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर था। मिस्र ने चौथी बार विश्व कप खेलते हुए यह जीत दर्ज की है। वहीं आस्ट्रेलिया नॉकआउट में तीन में से एक भी बार जीत नहीं सका है। अब मिस्र का सामना मंगलवार को गत चैम्पियन अर्जेंटीना से होगा, जिसने केप वर्दे को अतिरिक्त समय में 3-2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई है। शूटआउट में आस्ट्रेलिया के हैरी साउटार का निशाना चूका और 18 वर्ष के लुकास हेरिंगटन का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। मिस्र के लिए होसाम के अलावा महमूद साबिर, रामी राबिया और लिवरपूल के पूर्व स्टार मोहम्मद सालाह ने गोल दागे। मांसपेशी की चोट के बावजूद सालाह ने यह मैच खेला। आस्ट्रेलिया के लिए ये शूटआउट में जैकसन इरविन और अवेर माबिल ने गोल किए। इमाम अशूर ने 13वें मिनट में हेडर पर गोल करके मिस्र को बढत दिला दी थी। आस्ट्रेलिया ने 55वें मिनट में बराबरी की जब मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी एक ही विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

घाना को हराकर कोलंबिया अंतिम 16 में

कंसास सिटी। जोन एरियास ने शुरुआती मिनटों में लुई सुआरेस के क्रॉस पर गोल किया और इसी एक गोल के दम पर कोलंबिया ने भीषण गर्मी के बीच घाना को हराकर विश्व कप के अंतिम 16 में जगह बना ली। कोलंबिया का सामना अब मंगलवार को वैंकूवर में स्विटजरलैंड से होगा। मैच शुरू होने के कुछ मिनट के भीतर ही कोलंबिया के फॉरवर्ड जोन कोरडोबा को जांघ के पीछे की मांसपेशी में चोट लग गई, जिसके बाद कोच नेस्टर लोरेंजो को सुआरेज को बुलाना पड़ा। यह इंटर मियामी के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी सुआरेज नहीं बल्कि स्पोर्टिंग सीपी के लिए खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने आते ही अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी और 14वें मिनट में डेनियल मुनोज से गेंद लेकर एरियास को जबर्दस्त क्रॉस दिया, जिन्होंने घाना के गोलकीपर लारेंस एटि जिगि को छकाकर गोल कर दिया।

विम्बलडन

स्वियातेक और रायबकिना हुई उलटफेर का शिकार

एजेंसी ▶▶| लंदन

इगा स्वियातेक का विम्बलडन खिताब बचाने का अभियान तीसरे दौर में 21 वर्षीय अलेक्जेंडर एला 7-6 (9), 6-2 से हराकर समाप्त हो गया। एला इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम एकल प्रतियोगिता के चौथे दौर में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले फिलीपींस का कोई भी (पुरुष या महिला) खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम एकल स्पर्धा के चौथे दौर तक नहीं पहुंच सका था। मैच प्वाइंट पर शानदार फोरहैंड विनर लगाने के बाद बाएं हाथ की एला भावुक हो गईं। वह सेंटर कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं और फिर खुशी से पीठ के बल लेट गईं। एला ने पहले सेट के टाईब्रेक में दो सेट प्वाइंट बचाकर शानदार वापसी की और अंततः मुकाबला अपने नाम किया। स्वियातेक ने पिछले वर्ष विम्बलडन महिला एकल का खिताब जीता था।

रायबकिना को एलिस ने हराया

एलिना रायबकिना का विम्बलडन अभियान भी तीसरे दौर में समाप्त हो गया। वर्ष 2022 की चैंपियन रायबाकिना को एलिस मर्टेन्स ने 7-6, 6-1 से हराकर दिन का दूसरा बड़ा बड़ा उलटफेर किया। महिला एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त रायबाकिना टूर्नामेंट से बाहर होने वाली अब तक की सर्वोच्च वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। उनकी हार के साथ ही आर्यना सबालेंका का टूर्नामेंट के बाद भी विश्व नंबर एक बने रहना तय हो गया। बेल्जियम की 25वीं वरीयता प्राप्त मर्टेन्स अब चौथे दौर में नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी। यह मुकाबला रविवार को खेला जाएगा।

युगल मुकाबले से हटीं सेरेना

सेरेना विलियम्स ने दाएं घुटने की चोट के कारण विंबलडन में अपनी बहन विनस विलियम्स के साथ होने वाले युगल मुकाबले से नाम वापस ले लिया। इस 44 वर्षीय दिग्गज को इस सप्ताह एकल मुकाबले में वापसी के दौरान घुटने में चोट लगी थी। वह मुकाबला तीन सेट तक चला, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

दूसरा टी20 : बेथेल की विस्फोटक पारी इंग्लैंड ने भारत को 4 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

रवि बिश्नोई का एक महंगा ओवर 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के बहुप्रतीक्षित अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर भारी पड़ा, जहां इंग्लैंड ने शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को 4 विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। इंग्लैंड ने 191 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक ओवर शेष रहते 6 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

निर्णायक मोड़

मैच का निर्णायक मोड़ 17वां ओवर साबित हुआ, जिसमें रवि बिश्नोई ने 29 रन लुटा दिए। ओवर की शुरुआत उन्होंने लगातार दो नो-बॉल से की और इसके बाद जैकब बेथल ने 3 शानदार छक्के जड़कर मैच पूरी तरह इंग्लैंड की झोली में डाल दिया। बेथल ने 46 गेंदों पर नाबाद 76 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

बेथेल ने किया वैभव को डेब्यू फीका

दिन की शुरुआत 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के पदार्पण को लेकर उत्साह के साथ हुई थी, लेकिन अंत 22 वर्षीय जैकब बेथल की विस्फोटक बल्लेबाजी के नाम रहा। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। अर्शदीप सिंह (40 रन पर तीन विकेट) ने फिल सॉल्ट और जोस बटलर को खाता खोले बिना आउट कर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई।

स्कोर बोर्ड

भारत पारी	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का बैंटन बो कुरन	43	24	8	1
सूर्यवंशी स्टं. बटनर बो जैक्स	14	0	0	2
इशान का डॉसन बो कुरन	49	40	6	0
अय्यर का बैंटन बो डॉसन	37	22	3	1
दुबे का बैंटन बो कुरन	05	7	0	0
तिलक वर्मा नाबाद	24	11	1	2
अक्षर पटेल रन आउट	02	3	0	0
राणा का बटलर बो आर्चर	06	3	0	1

अतिरिक्त: 10, कुल योग: 20 ओवर में 190/7 रन
गेंदबाजी: आर्चर 4-0-40-1, टंग 4-0-46-0, जैक्स 3-0-22-1, कुरन 4-0-33-3, डॉसन 3-0-27-1, राशीद 2-0-21-0.

इंग्लैंड पारी	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का किशन बो अर्शदीप	00	1	0	0
बटलर का चक्रवर्ती बो अर्शदीप	00	3	0	0
ब्रुक का किशन बो अक्षर	39	15	4	3
जैकब बेथल नाबाद	76	46	5	5
बैंटम का तिलक बो अर्शदीप	39	32	6	0
विल जैक्स पगबाधा चक्रवर्ती	09	8	1	0
कुरन का सूर्यवंशी बो राणा	07	5	1	0
जोफ्रा आर्चर नाबाद	10	7	1	0

अतिरिक्त: 11, कुल योग: 19 ओवर में 191/6 रन
गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-40-3, राणा 3-0-30-1, बिश्नोई 4-0-60-0, अक्षर 4-0-20-1, चक्रवर्ती 4-0-37-1,

क्रिकेट में वैभव का नया राज मास्टर ब्लास्टर का टूटा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

बिहार के समस्तीपुर जिले के 15 वर्षीय प्रतिभाशाली क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने भारतीय क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले देश के सबसे युवा खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने लगभग 37 वर्षों से कायम महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। दोनों खिलाड़ियों के दौर और बल्लेबाजी शैली में जमीन-आसमान का अंतर है। सचिन ने 16 वर्ष 205 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उनकी बल्लेबाजी मजबूत रक्षात्मक तकनीक और कलात्मक स्ट्रोक्स के लिए जानी जाती थी, जो मुंबई की 'खड़ूस' क्रिकेट संस्कृति की पहचान मानी जाती है। सूर्यवंशी ने महज 15 वर्ष 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से भारतीय टीम में पदार्पण किया। उनकी बल्लेबाजी आक्रामक अंदाज की है, जो आधुनिक टी-20 क्रिकेट की तेज-तर्रार शैली के अनुरुप है।

सचिन फ्लॉपी डिस्क और सूर्यवंशी एआई की पीढ़ी के

सचिन फ्लॉपी डिस्क के दौर के खिलाड़ी थे जबकि सूर्यवंशी की पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित भविष्य की ओर बढ़ रही है। बदलते समय के बावजूद एक बात समान है कि देश को अपनी नई क्रिकेट प्रतिभाओं में भविष्य की उम्मीदें नजर आती हैं।

वैभव के इंटरनेशनल कॅरियर का पहला सिक्स

वैभव सूर्यवंशी ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में आयोजित दूसरे टी20 मुकाबले में वैभव के सामने जब जोफ्रा आर्चर आए, तो वैभव ने इस गेंदबाज की पहली ही गेंद पर गगनचुंबी छक्का जड़ा। वैभव के इंटरनेशनल करियर का ये पहला सिक्स रहा।

टेबल टेनिस फाइनल में पहुंचे विनय, केशव और साक्षी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मंडल की ओर से 58वीं मध्य क्षेत्रीय टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता सप्रे शाला टेबल टेनिस हॉल एवं बैडमिंटन हॉल रायपुर में चल रही है। आयोजन सचिव संध्या राज ने बताया कि प्रतियोगिता का उदघाटन भारतीय जीवन बीमा निगम, मध्य क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के प्रादेशिक प्रबंधक (पेंशन एवं समूह बीमा) एम.सी. कौशिक ने किया। विशिष्ट अतिथि प्रादेशिक प्रबंधक (एच.आर.डी.) एम. कविराज थे। अध्यक्षता भारतीय जीवन बीमा निगम रायपुर मंडल के विपणन प्रबंधक रविन्द्र कुमार पटेल ने की। इस अवसर पर विशेष रूप से प्रतियोगिता के संयोजक प्रबंधक (कार्मिक) अमित कुमार श्रीवास्तव एवं संजय कुमार साहा, सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्प्लाइज एसोसिएशन के सह सचिव व्ही. एस. बघेल, स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड,सदस्य रायपुर के शशांक शेखर शर्मा, रायपुर डिवीजन इंश्योरेंस एम्पलाईज यूनियन के महासचिव गजेंद्र पटेल और रायपुर डिवीजन प्रथम श्रेणी अधिकारी एसोसिएशन के सचिव आशीष शर्मा उपस्थित थे। पहले दिन टेबल टेनिस के पुरुष एवं महिला वर्ग में रायपुर मंडल के विनय बैसवाड़े, केशव खंडेलवाल एवं साक्षी धनविजय ने फायनल में प्रवेश किया तथा बैडमिंटन के पुरुष एवं महिला वर्ग में पहली बार भागीदारी कर रहे रायपुर मंडल के जुग्गल संजीव पटेल एवं . जिशा टिग्गा ने शानदार प्रदर्शन करते हुये सेमीफायनल में प्रवेश किया।

SHRI KHATU SHYAM JYOTISH

प्रतिक्षा कक्ष

प्रतिक्षा कक्ष

पूजा स्थान

परामर्श कक्ष

15 वर्षों से आपकी सेवा में

जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

पं. रविकांत शर्मा / पं. एस. के. शास्त्री

हर मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान
"ज्योतिष मेरा काम नहीं, मेरी साधना है"
"जब कहीं ना हो काम, तो हमसे ले समाधान"

ऑफिस आने पर मात्र ₹101/- फोन से परामर्श केवल ₹251/-

व्यापार बढ़ोतरी, किया कराया, शादी के लिए माता-पिता को मनाना

जब कही ना हों काम, तो हमसे ले समाधान

पं. एस. के. शास्त्री
जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

जन्म पत्रिका बनाई जाती है

- नवग्रह आदि समस्त प्रकार के ज्योतिष समाधान
- व्यापार, विवाह, नौकरी में प्रमोशन
- मकान - संतान योग
- दुकान, बच्चो के कैरियर मार्गदर्शन
- कालसर्प दोष निवारण
- प्रेम विवाह, मोहनी
- मांगलिक दोष निवारण

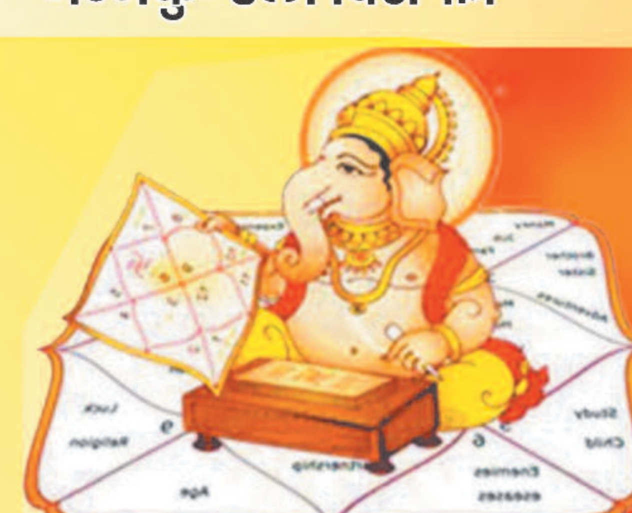

बुकिंग के लिए संपर्क करें : +91 7470674060

असुविधा से बचने के लिए आपॉइंटमेंट लेकर ही मिलें

नोट : मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना आवश्यक है।

पोलसाय पारा चौक के पास, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क सूत्र :- पं. रविकांत शर्मा एवं पं. एस. के. शास्त्री : +919755964567

दुनियाभर में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है पहली बारिश का जश्न

बरसात का आगमन गर्मियों के अंत और मानसून की शुरुआत का संकेत है। भारत में यह जून से सितंबर तक रहता है। पहली बारिश का दुनिया भर के लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि, दुनिया भर में बरसात के मौसम के दौरान पहली बारिश से जुड़ी अलग-अलग परंपराएं और रीति-रिवाज निभाए जाते हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इन देशों में पहली बारिश का जश्न कैसे मनाया जाता है।

भारत

भारत में बरसात की शुरुआत के साथ ही लोग 'आषाढ़' नामक महीने का स्वागत करते हैं। इस दौरान उत्तर भारत में तीज का त्योहार मनाया जाता है, जिसमें महिलाएं नाचते-गाते हुए मानसून का स्वागत करती हैं। इसी मौसम में ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है। हर घर में चाय के साथ गर्मा-गर्म पकौड़ों का आनंद लिया जाता है और बच्चे बारिश में भीगते हुए आनंद लेते हैं।

जापान में घरों में लटकाते हैं गुड़िया

जापान की संस्कृति में पहली बारिश के मौसम को बहुत शुभ माना जाता है और इसे 'रैइतेन' के नाम से जाना जाता है। यहां के लोग सुंदर सांस्कृतिक परंपराओं और प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान के साथ इस मौसम का स्वागत करते हैं। बच्चे टिश्यू पेपर से ये गुड़िया बनाते हैं और उन्हें अपने घरों के छज्जों या खिड़कियों के नीचे लटकाते हैं। हर शहर इस दौरान गुलाबी और बैंगनी रंग के सुंदर फूलों से ढक जाता है।

फिलीपींस में प्रवेश द्वार में नमक छिड़काव

फिलीपींस में पहली बारिश के मौसम को 'लूनास' या 'लूनास मूसन' के नाम से जाना जाता है। यहां के लोग मानते हैं कि पहली बारिश के मौसम के दौरान पानी का इस्तेमाल करके व्यक्ति अपने जीवन में आने वाली समस्याओं से छुटकारा पा सकता है। इसके अलावा लोग अपने घरों के प्रवेश द्वार पर नमक छिड़कते हैं और घर के आंगन में पानी का छिड़काव करते हैं। इस दौरान वे अपने पारंपरिक व्यंजनों का भी आनंद लेते हैं।

चीन में शुरू की जाती है खेती-बाड़ी

चीन मानसून के दौरान खेती-बाड़ी से जुड़ी '24 सोलर टर्म्स' परंपरा (मौसम में बदलाव बताने वाले पुराने कृषि-संकेत) का पालन करता है। मौसम के अनुसार होने वाली बारिश की शुरुआत खास नामों से पहचानी जाती है, जिनसे खान-पान, संस्कृति और आध्यात्मिकता की समृद्ध परंपराएं जुड़ी होती हैं। फरवरी के मध्य में युशुई होता है, जो तापमान और बढ़ती बारिश का संकेत है। इसके बाद अप्रैल में गुयु होता है, जिसकी बारिश फसलों के लिए अहम है।

प्रकृति

गिरगिट ही नहीं, ये पक्षी भी बदलते हैं अपने पंखों का रंग... वजह जान रह जाएंगे हैरान

प्रजनन के मौसम में साथी को आकर्षित करने में मदद करता है

प्रकृति ने हर जीव को खुद को सुरक्षित रखने का अलग तरीका दिया है। जहां गिरगिट रंग बदलने के लिए मशहूर है, वहीं दुनिया में कई ऐसे पक्षी भी हैं जो मौसम और जरूरत के हिसाब से अपने पंखों का रंग बदल लेते हैं। यह बदलाव उन्हें शिकारी जानवरों से बचाने, अपने आसपास के वातावरण में घुलने-मिलने और प्रजनन के मौसम में साथी को आकर्षित करने में मदद करता है। आइए जानते हैं ऐसे ही अनोखे पक्षियों के बारे में जो अपना रंग बदलते हैं।

विलो प्टार्मिगन

विलो प्टार्मिगन ठंडे आर्कटिक इलाकों में पाया जाता है गर्मियों में इसके पंख भूरे रंग के होते हैं, जिससे यह मिट्टी और घास के बीच आसानी से छिप जाता है। वहीं सर्दियां आते ही इसके पंख पूरी तरह सफेद हो जाते हैं। इससे बर्फीले इलाके में इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है और यह शिकारियों से सुरक्षित रहता है।

स्कारलेट टैनेजर

स्कारलेट टैनेजर का नर पक्षी प्रजनन के मौसम में चमकीले लाल रंग के पंख और काले पंखों के साथ दिखाई देता है। यह रंग मादा को आकर्षित करने के लिए होता है। मौसम खत्म होने के बाद इसके पंख हरे-पीले रंग के हो जाते हैं, जिससे यह पेड़ों की घनी पत्तियों में आसानी से छिप सकता है।

स्नो बंटिंग

स्नो बंटिंग भी आर्कटिक क्षेत्र का पक्षी है। प्रजनन के मौसम में नर पक्षी के पंख सफेद और काले रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा को आकर्षित कर सके। वहीं बाकी समय इसके पंख भूरे और धारियों वाले दिखाई देते हैं। यह रंग इसे चट्टानों और जमीन के बीच छिपने में मदद करता है।

अमेरिकन गोल्डफिंच

अमेरिकन गोल्डफिंच के नर पक्षी गर्मियों में चमकीले पीले रंग के पंख और सिर पर काली टोपी जैसी बनावट रखते हैं। यह रंग साथी को आकर्षित करने में मदद करता है लेकिन सर्दियों में इसके पंख हल्के भूरे या जैतूनी रंग के हो जाते हैं, जिससे यह आसपास के वातावरण में आसानी से घुल-मिल जाता है।

रॉक प्टार्मिगन

रॉक प्टार्मिगन साल में कई बार अपने पंखों का रंग बदलता है। सर्दियों में इसके पंख सफेद, गर्मियों में भूरे और वसंत व शरद ऋतु में मिले-जुले रंग के हो जाते हैं। यह बदलाव इसे हर मौसम में अपने आसपास के वातावरण के अनुसार छिपे रहने में मदद करता है।

पक्षी क्यों बदलते हैं पंखों का रंग?

विशेषज्ञों के अनुसार पक्षियों के पंखों का रंग बदलना मोल्टिंग नाम की प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। इस दौरान पुराने पंख गिरते हैं और उनकी जगह नए पंख उगते हैं। यह बदलाव मुख्य रूप से दो कारणों से होता है। पहला, शिकारियों से बचने के लिए आसपास के वातावरण में खुद को छिपाना। दूसरा, प्रजनन के मौसम में आकर्षक दिखकर साथी को अपनी ओर आकर्षित करना। कई बार दिन की रोशनी, तापमान और हार्मोन में होने वाले बदलाव भी इस प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं।

होटलों में 13 नंबर क्यों नहीं होता...? जानिए हैरान करने वाला राज

क्या आपने कभी किसी होटल में ठहरते समय रूम नंबरों पर ध्यान दिया है? कई बार 11, 12 के बाद सीधे 14 नंबर दिखाई देता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रूम नंबर 13 कहां गायब हो गया? दरअसल, यह कोई गलती नहीं बल्कि दुनिया के कई होटलों की सोच-समझकर अपनाई गई परंपरा है।

दुनिया के कई होटल मालिक मानते हैं कि 13 नंबर को कई लोग अशुभ मानते हैं। इसी कारण वे रूम नंबर 13 या 13वीं मंजिल का इस्तेमाल नहीं करते। इस डर को ट्रिस्काइडेक फोबिया कहा जाता है, जिसका अर्थ है 13 संख्या का भय। होटलों का मानना है कि कुछ मेहमान 13 नंबर वाले कमरे में ठहरना पसंद नहीं करते। इससे कमरे खाली रहने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए कई होटल 13 की जगह 12ए, एम या सीधे 14 नंबर का इस्तेमाल करते हैं।

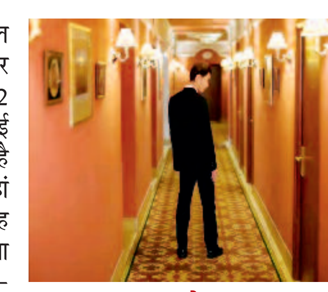

क्या है इस मान्यता का इतिहास?

13 संख्या को अशुभ मानने के पीछे कई ऐतिहासिक और धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। नॉर्स पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक भोज में 13वें अतिथि के आने के बाद दुखद घटना घटी थी। वहीं ईसाई मान्यता के अनुसार, प्रभु यीशु मसीह के अंतिम भोज में 13वें व्यक्ति जूडास थे, जिन्होंने बाद में उनके साथ विश्वासघात किया। इसी वजह से कई लोग आज भी 13 संख्या को अशुभ मानते हैं।

हर देश में अलग-अलग मान्यताएं : हालांकि, सभी देशों में 13 संख्या को अशुभ नहीं माना जाता। कई एशियाई देशों में 4 और 9 को अशुभ माना जाता है। इसलिए वहां कई होटल इन नंबरों का भी उपयोग नहीं करते। कुछ देशों में 420, 666 और 911 जैसी संख्याओं से भी सांस्कृतिक या ऐतिहासिक कारणों से परहेज किया जाता है।

इंडोनेशिया में रहता है दुनिया का सबसे लंबा सांप, लंबाई जानकर उड़ जाएंगे होश

रेटिकुलेटेड अजगर दुनिया के सबसे लंबे सांप होते हैं, जिनकी औसत लंबाई आमतौर पर 10 से 20 फीट के बीच होती है। हालांकि, इंडोनेशिया के जंगलों में दुनिया का सबसे बड़ा रेटिकुलेटेड अजगर मिला है, जिसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच है। यह एक मादा अजगर है, जिसका शरीर एक बड़ी डिलिवरी ट्रक इतना लंबा है। इसकी लंबाई के चलते इस अजगर का नाम गिनीज बुक में शामिल कर दिया गया है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

कहां पाया गया था यह अजगर : 2025 में सुलावेसी के मारोस क्षेत्र में इस विशालकाय सांप को देखा गया था। इसके नाम दुनिया के सबसे लंबे ज्ञात सांप का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। बेहोशी की हालत में, जब उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल होता है तो वह 10 प्रतिशत और लंबा हो सकता है। देखा जाए तो वास्तव में उसकी लंबाई 26 फीट के करीब होने की संभावना है।

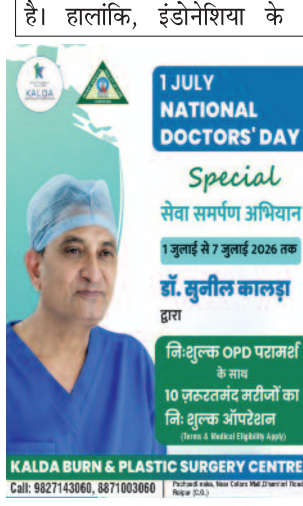

पुरवांतो ने ही सबसे पहले देखा था यह सांप

जैसे ही पुरवांतो को इबू के बारे में पता चला, वह तुरंत उसे बचाने पहुंच गए थे। उनका अभयारण्य मैरोस काउंटी में है, जहां वह ऐसे कई सांपों को रखते हैं। इससे न केवल सांप स्वस्थ रहते हैं, बल्कि स्थानीय लोग भी सुरक्षित रहते हैं। इस असाधारण सांप का मूल्यांकन डियाज नुग्राहा ने किया था, जो बोर्नियो के कालीमंतन के एक वन्यजीव गाइड, बचावकर्ता और प्रशिक्क्षक हैं। उनका सहयोग राडू फ्रेंटियू ने किया था, जो एक अन्वेषक और फोटोग्राफर हैं।

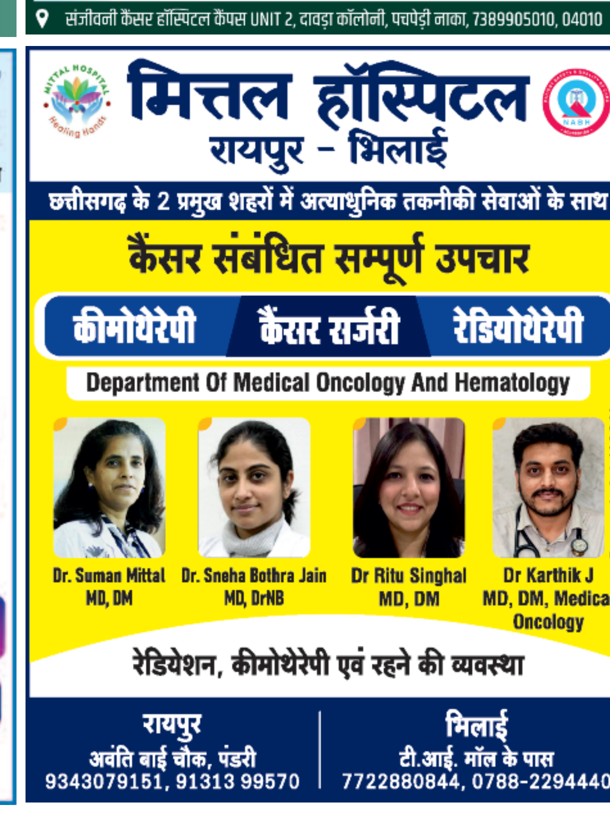

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com